राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 287
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 29 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली के 20 प्रतिशत कोविड-19 मरीज कंटेनमेंट जोन में, एक्टिव केस ने बढ़ाई सरकार की चिंता

पेज 5 लखनऊ में दलित स्मारकों को बदहाली से मुक्त करे सरकार : मायावती, राष्ट्रपति नहीं प्रधानमंत्री बनकर करना चाहती हूं देश

पेज 7 केरला की लगातार चौथी जीत, चेन्नइयन और आरएफवाईसी ने गोलरहित ड्रा से अंक बांटे

दिल्ली में गर्मी का 12 साल का रिकॉर्ड टूटा

मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। चिलचिलाती धूप तथा लू के प्रकोप के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राजधानी दिल्ली में आज अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो अप्रैल के महीने में बीते 12 वर्षों में सबसे अधिक है। मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मई महीना शुरू होने से पहले ही गर्मी की मार उत्तर भारतीय राज्यों में दिखने लगी है। दिल्ली से सटे गुड़गांव में आज अधिकतम तापमान 45 डिग्री को पार कर गया, जो अप्रैल में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। मौसम केन्द्र के अनुसार अगले चार दिन लू, गर्म हवा, अंधड़ और कहीं-कहीं गरज के साथ छींटे पड़ने के आसार हैं। इसके अलावा दो डिग्री सेल्सियस तक पारे में उछाल का अनुमान है।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में गुरुवार की सुबह से ही तेज चमकीला सूरज निकला रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तीखी और तेज हो गई। 10 बजे के बाद ही लोगों को तेज धूप महसूस

होने लगी। जबकि, दोपहर के समय लोगों को झुलसाने वाली लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ा।

सफदरजंग में पांच डिग्री ज्यादा तापमान

दिल्ली के सफदरजंग मौसम केन्द्र में दिन का अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जो कि सामान्य से पांच डिग्री ज्यादा है। इससे पूर्व वर्ष, 2010 के अप्रैल महीने में अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था जो कि 12 सालों में सबसे ज्यादा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों के बीच भीषण गर्मी से राहत के कोई आसार नहीं है। शुक्रवार के दिन दिल्ली के लोगों को और भी भीषण लू का सामना करना पड़ेगा। दिल्ली के सफदरजंग में भी अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस जाने की संभावना है। इसके लिए मौसम विभाग की ओर से ओरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। जबकि, शाम या रात के समय 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली धूल भरी आंधी भी आने की संभावना है। शनिवार, रविवार और सोमवार को भी लू या भीषण लू की स्थिति बने रहने के आसार हैं।

हरियाणा के 5 शहरों का पारा 44 से अधिक

हरियाणा में गुडगांव का पारा 45 डिग्री तक पहुंच गया। इसके अलावा, नारनौल, सिरसा, रोहतक और हिसार का पारा 44 डिग्री पार कर गया। राजस्थान से लगते जिलों में भीषण लू के कारण दिन में सड़कें वीरान रहीं तथा लोग लू से बचने के लिए घरों में दुबके रहे। अंबाला का पारा 42 डिग्री, करनाल 42 डिग्री, भिवानी 43 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश में बिजली की कमी के कारण लोग परेशान रहे।

ताजनगरी में पारा 45 डिग्री के पार

ताजनगरी में गुरुवार को पारा कुछ ऐसा चढ़ा कि लोगों की हालात खराब हो गयी। दोपहर में धूप के चलते झुलसाने लगी। दोपहर के समय घर से बाहर निकले लोग गर्मी, लू के चलते बैचेन हो गए। तापामन 45 डिग्री के पार पहुंच गया। इसके साथ ही हीट वेव भी मुसीबत बनी रही। गुरुवार को तापमान सामान्य से पांच डिग्री ऊपर पहुंच गया। अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह बुधवार की तुलना में लगभग दो डिग्री अधिक था। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक होकर 43.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया था।

देश के पांच राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के अधिकतर स्थानों पर अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया और राजस्थान में गर्मी के इस सत्र में तीसरे लू का दौर बुधवार से शुरू हो गया है। अगले एक सप्ताह के दौरान लू का प्रकोप जारी रहेगा जबकि राज्य के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के कुछ भागों में तेज सतही हवाएं चल सकती हैं।

अलीगढ़ में आसमान से बरस रही आग

गर्मी ने लोगों को हलकान कर दिया है। अप्रैल माह की शुरुआत में ही मई-जून जैसे हालात होने शुरू हो गये थे। सूरज आग उगल रहा है। गुरूवार को अलीगढ़ इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में गर्मी के तेवर कम होते नहीं दिख रहे हैं। मौसम विभाग पहले ही लू चलने का पूर्वानुमान जाहिर कर चुका है। अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

पंजाब में भीषण गर्मी

पंजाब में गर्मी का विकराल रूप देखने को मिल रहा है और बिजली की कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया। चंडीगढ़ में सुबह से आसमान से गर्मी बरसती रही तथा पारा 42 डिग्री को पार कर गया। इसके अलावा, अमृतसर का पारा 43 डिग्री,लुधियाना, पटियाला और बठिंडा का पारा क्रमशः43 डिग्री, पठानकोट 41 डिग्री, गुरदासपुर 40 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में अगले कुछ दिन गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं।

मौजूदा स्थिति में आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि दुनिया की मौजूदा स्थिति और रूस – यूक्रेन युद्ध से यह तय हो गया है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बेहद जरूरी है और नौसेना को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाते हुए समुद्री व्यापार, सुरक्षा और राष्ट्रीय समृद्धि में योगदान देना चाहिए।

सिंह ने गुरूवार को यहां नौसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मौजूदा सुरक्षा माहौल की चर्चा करते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध से यह स्पष्ट हो गया है कि किसी पर निर्भर रहने से काम नहीं चलेगा और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता अत्यधिक जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए नौसेना को आत्मनिर्भर भारत योजना में बढ चढ कर योगदान देते हुए देश के समुद्री व्यापार, सुरक्षा और राष्ट्रीय समृद्धि को सुनिश्चित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि नौसेना ने सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत पूंजीगत बजट का 64 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योगों से खरीद में ही लगाया है। इसके अलावा मौजूदा वित्त वर्ष में नौसेना के आधुनिकीकरण पर खर्च हो रही राशि का 70 प्रतिशत भी स्वदेशी उपकरणों की खरीद में खर्च किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि अभी नौसेना के जो 41 पनडुब्बी और पोत बनाये जा रहे हैं उनमें से 39 घरेलू शिपयार्डों में ही बनाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नौसेना के नेतृत्व को भविष्य में क्षमता निर्माण और देश के समुद्री हितों की रक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में भी प्रयासों को निरंतर आगे बढाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश में ही बनाया जा रहा विमानवाहक पोत विक्रांत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस विमानवाहक पोत ने तीन समुद्री परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिये हैं। उन्होंने कहा कि इस पोत का लोकार्पण देश की आजादी के 75 वें वर्ष में किये जाने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए। यह आजादी का अमृत महोत्सव की सफलता को चार चांद लगायेगा। भविष्य की लड़ाइयों और अभियानों में तीनों सेनाओं में एकीकरण के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सैन्य कमानों का पुनर्गठन और एकीकृत थियेटर कमानों के गठन से ही भविष्य में सफलता हासिल की जा सकती है।

कश्मीर में ऑपरेशन ऑल आउट

पुलवामा में अल-बद्र के 2 आतंकी ढेर, 4 महीने में 62 दहशतगर्दों का सफाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चलाते हुए सुरक्षाबलों ने अल-बद्र के 2 आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस ने बताया कि देर रात पुलवामा में आतंकियों के खिलाफ एनकाउंटर शुरू हुआ, जिसमें दोनों आतंकी मारे गए हैं। एनकाउंटर में एक जवान भी घायल हुआ है। इस साल अब तक 62 आतंकी एनकाउंटर में मारे गए हैं। पुलिस के मुताबिक पुलवामा के मित्रिगम इलाके में 2-3 आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। इस

पर सुरक्षाबलों ने पुलिस के साथ मिलकर ऑपरेशन शुरू किया। आतंकियों की पहचान एजाज हफीज और शाहिद अय्यूब के रूप में हुई है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने घटनास्थल से 2 एके -47 भी बरामद की हैं।

4 महीने में 62 आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर पुलिस के IGP विजय कुमार ने बताया कि आतंक के खिलाफ पुलिस और सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। पिछले 4 महीने में 62 आतंकवादी मारे गए हैं। इनमें लश्कर के 39 आतंकवादी, जैश के 15, हिजबुल के 6 और अल-बद्र के 2 थे। मारे गए कुल 62 आतंकवादियों में से 47 स्थानीय और 15 विदेशी आतंकवादी थे।

सुरक्षाबलों और पुलिस का संयुक्त रूप से अप्रैल में यह चौथा बड़ा एनकाउंटर है।

4 अप्रैल को अनंतनाग और कुलगाम में एक साथ ऑपरेशन चलाया गया था, जिसमें लश्कर का टॉप कमांडर निसार डार समेत एक अन्य आतंकी मारा गया था।

वहीं 11 अप्रैल को शोपियां में एक एनकाउंटर के दौरान 2 आतंकियों को ढेर किया गया था, जबकि 14 अप्रैल को शोपियां जिले के बडीगाम इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में 4 आतंकी मारे गए थे।

देश में और बढ़ा कोरोना : 3303 नए संक्रमित मिले

47 दिन में सबसे ज्यादा; दिल्ली में 24 घंटे में 1490 केस सामने आए

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बीते 24 घंटे में यहां 1490 केस सामने आए हैं, जबकि 2 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। इस दौरान 1070 लोग ठीक हुए हैं। एक्टिव केस की संख्या पांच हजार के ऊपर पहुंच गई है। इससे एक दिन पहले कोरोना के 1367 केस दर्ज किए गए थे।

बुधवार को देश में 3,303 नए केस सामने आए

देश में कोरोना डराने लगा है। बुधवार को कोरोना के 3,303 नए केस सामने आए हैं। ये 47 दिनों मे सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले पिछले महीने 11 तारीख को 3,614 केस आए थे। बीते 24 घंटे में 39 संक्रमितों की मौत भी हुई है

जबकि 2,642 मरीज ठीक हुए हैं। इस तरह एक्टिव केस 16,980 हो गए हैं। ये सभी आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए हैं। उधर, आईआईटी मद्रास में संक्रमितों का आंकड़ा 171 पहुंच गया है।

रिकवरी केसों की संख्या 2,642

देश में पिछले 24 घंटों में रिकवरी केसेज की संख्या 2,642 रही। इसके बाद देश में कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या 4,25,16,736 हो गई। वहीं, रिकवरी रेट 98.74 प्रतिशत है। देश में कुल कोविड संक्रमितों की संख्या बढ़कर अब 4 करोड़ 30 लाख, 68 हजार 799 हो गई है। अब तक कोरोना से 5 लाख, 23 हजार, 693 लोगों की मौत हो चुकी है।

देश में बीते 15 दिनों में एक्टिव मरीजों की संख्या 7,448 बढ़ी है। 12 अप्रैल 2022 में 9532 केस मिले थे। वहीं, गुरुवार को 16,980 एक्टिव केस मिले।

किस स्टेट में कितने मामले मिले?

दिल्ली में बीते 24 घंटों में कोरोना के 1,367 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान एक मरीज की मौत हो गई। दूसरे नंबर पर हरियाणा है, यहां कोरोना के 535 केस मिले, जबकि एक मौत हुई। तीसरे नंबर पर केरल है, यहां 347 नए केस मिले, जबकि 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं, क्रमें 258 और एक की मौत, महाराष्ट्र में 186, तमिलनाडु में 77, कर्नाटक में 126 केस मिले हैं।

बिहार में कार-बाइक की भिड़ंत के बाद लगी आग; जीजा-साला समेत 3 की मौत

मधेपुर। बिहार के मधेपुरा में कार और बाइक में भिड़ंत हो गई। हादसे में जीजा-साला समेत 3 लोगों की मौत हो गई। घटना रात करीब 2 बजे पतराहा के पास ह॥ 106 पर हुई। इसका दिल दहला देने वाला वीडियो भी सामने आया है। तीनों की पहचान सदर थाना क्षेत्र के मरुवाहा निवासी सानू कुमार (28) पिता नरेंद्र प्रसाद यादव, सिंहेश्वर निवासी रवि कुमार (28) और सहरसा जिला के मोकना निवासी सुमन कुमार (18) पिता नरेश यादव के रूप में हुई है। सानू और सुमन रिश्ते में जीजा-साला थे।

रिसेप्शन पार्टी से लौट रहे थे तीनों

परिजनों का कहना है कि बुधवार देर रात शंकरपुर थाना अंतर्गत निसिहरपुर के खोन्ही में धीरेंद्र यादव के घर उनके बेटे (सानू के चचेरे भाई) की रिसेप्शन पार्टी थी। इसमें शामिल होकर तीनों युवक रात को अपने घर मधेपुरा के मरवाहा लौट रहे थे। इसी दौरान पतराहा के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों बेहोश होकर सड़क पर गिर गए और बाइक में आग लग गई। तीनों आग की जद में आ गए। 2 युवकों की तो मौके पर ही मौत हो गई, लेकिन एक युवक की बॉडी जलती रही और उसकी सांसें चल रही थीं।

रास्ते से गुजर रहे थे पूर्व सांसद

स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व सांसद का काफिला रास्ते से गुजर रहा था, तभी उनकी नजर जलती हुई बाइक पर गई।

गाड़ी रोककर वे घटनास्थल पर पहुंचे तो दंग रहे गए। तीन युवक जल रहे थे। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने हाथों से मिट्टी, बालू आदि लेकर आग को बुझाने का प्रयास किया। इसी बीच उन लोगों ने आस-पास के लोगों को जगाया और घर से मोटर का पाइप निकाल कर आग बुझाई। सड़क पर पड़े एक युवक की सांसें चल रही थीं। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गय, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूक्रेन युद्ध में फंस गया वंदे भारत ट्रेन का पहिया, जंग की वजह से समय पर नहीं हुई डिलीवरी

नई दिल्ली। यूक्रेन में चल रहे युद्ध की वजह से भारतीय रेलवे के वंदे भारत ट्रेन के कलपुर्जे वहीं फंस गए हैं। युद्ध की वजह से ट्रेन के कलपुर्जे भारत नहीं आ पा रहे हैं। कलपुर्जों में ट्रेन के पहिए भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय और रेल मंत्रालय अब कलपुर्जों को यूक्रेन से भारत लाने के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार कर कहा है। गुरुवार को एक विकली ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यूक्रेन में वंदे भारत ट्रेन के कलपुर्जे फंसे होने की बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कुछ कंपोनेंट्स युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे गए हैं जिनकी डिलीवरी में तेजी लाने के लिए बातचीत चल रही है। बागची ने कहा, वंदे भारत (ट्रेन) के कुछ कंपोनेंट यूक्रेन में बने हैं, लेकिन वही चल रहे संघर्ष के कारण, डिलीवरी प्रभावित हुई है। हम समय पर डिलीवरी के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। रेल मंत्रालय कंपोमेंट की डिलीवरी का सटीक विवरण देगा। आने वाले दिनों में ट्रेन के पहियों को एयरलिफ्ट करने के बारे में पूछा गया तो बागची ने कहा कि हम इस पर काम कर रहे हैं कैसे कलपुर्जों को भारत लाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, वंदे भारत ट्रेन के लिए हजार से अधिक पहियों का ऑर्डर यूक्रेन की एक फर्म को दिया गया था, लेकिन अब युद्ध की वजह से यह काम प्रभावित हुआ है। केंद्र सरकार ने ऐलान किया है कि इस साल के अंत तक देश के प्रमुख मार्गों पर 75 वंदे भारत सेमी-हाई स्पीड ट्रेनें संचालित करेगी।

हिमाचल में पटरी पर लौट रहा बिजली उत्पादन

सीजन में पहली बार 75 प्रतिशत पावर प्रोडक्शन; 325 लाख यूनिट पहुंचीं मांग

शिमला। हिमाचल प्रदेश में गर्मी बढ़ने के साथ विद्युत उत्पादन भी पटरी पर लौटने लगा है। करीब 7 महीने के अंतराल के बाद पहली बार राज्य विद्युत बोर्ड के अपने छोटे पॉवर प्रोजेक्ट में लगभग 75 फीसदी तक बिजली उत्पादन शुरू हो गया है। हालांकि गत बुधवार तक यह मुश्किल से 55 फीसदी था, लेकिन गुरुवार दोपहर बाद 12 बजे तक 75 फीसदी तक हो गया है। देश के अन्य राज्य जब बिजली संकट से जूझ रहे हैं तो हिमाचल में बिजली उत्पादन का बढ़ना अच्छा संकेत माना जा रहा है, क्योंकि कोयले की कमी के कारण देश के ज्यादातर राज्य विद्युत कट से परेशान हैं। देश में 70 फीसदी बिजली उत्पादन कोयले पर निर्भर है। बिजली की कमी की वजह से कई औद्योगिक क्षेत्रों में

निरंतर कट लगाए जा रहे हैं।

गर्मी बढ़ने के साथ बढ़ेगा विद्युत उत्पादन

हिमाचल में जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी। वैसे-वैसे विद्युत उत्पादन भी बढ़ेगा, क्योंकि गर्मी से ग्लेशियर तेजी से पिघलते हैं। इससे बड़ी नदियों का जल स्तर बढ़ जाता है। प्रदेश में ज्यादातर विद्युत प्रोजेक्ट भी बड़ी नदियों पर लगे हुए हैं। राज्य में हर साल गर्मियों के दौरान सरप्लस विद्युत उत्पादन होता है और हिमाचल गर्मियों में बिजली पड़ोसी राज्यों को बेचकर पैसे कमाता है। आमतौर पर मई से सितंबर माह तक अच्छा बिजली उत्पादन रहता है। इसके बाद ग्लेशियर दोबारा जमने लगते हैं। इससे विद्युत उत्पादन गिर जाता है और सर्दियों में हिमाचल पड़ोसी राज्यों की बिजली पर निर्भर हो जाता है।

325 लाख यूनिट तक पहुंच रही बिजली की मांग

प्रदेश में बीते सालों के दौरान अप्रैल महीने में 280 से 290 लाख यूनिट बिजली की मांग रहती है, लेकिन इस बार बिजली की मांग 325 लाख यूनिट पहुंच रही है, यानी उत्पादन कम हो रहा है और बिजली की मांग बहुत ज्यादा हो गई है।

साजिश नाकाम

धर्म स्थल के बाहर पवित्र ग्रंथ को फाड़कर फेंका, अपशब्द लिखे पोस्टर

अयोध्या में माहौल बिगाड़ने की बड़ी साजिश नाकाम

अयोध्या। अयोध्या के शांतिपूर्ण माहौल को मंगलवार की देर रात बिगाड़ने की कोशिश की गई। हालांकि समाज के संभ्रांत और प्रबुद्ध वर्ग की वजह से हालात बिगड़े नहीं वरन संभल गए। फिलहाल पुलिस ने वारदात को बेहद गंभीरता से लिया है और शिकायत के आधार पर कार्रवाई का मन बना लिया है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें बनाई गई हैं, जांच शुरू हो गई है।

प्रकरण नगर कोतवाली क्षेत्र के धर्मस्थल से जुड़ा है। वारदात को रात दो बजे अंजाम दिया गया है। पुलिस से की गई शिकायत के अनुसार चार बाइक पर सवार दो- दो अज्ञात लोग

धर्मस्थल के पास सीसीटीवी में देखे गए हैं। आरोप है कि बाइक सवार लोगों ने ही शहर के चौक स्थित धर्मस्थल की सीढ़ी पर पवित्र ग्रंथ खराब हालात में रखा। आपत्तिजनक वस्तु के साथ एक पोस्टर भी मिला है। जिस पर अपशब्द लिखा हुआ है। धर्मस्थल के सचिव की ओर से इस सम्बंध में पुलिस को सूचित किया गया। जांच शुरू होती, इसके पहले ऐसा ही एक और प्रकरण शहर के कश्मीरी मोहल्ला और घोसियाना से भी प्रकाश में आया। शरारती तत्वों ने कश्मीरी मोहल्ला स्थित धर्मस्थल के गेट पर भी कमोवेश ऐसी ही हरकत की तो घोसियाना में एक अपशब्द लिखा कागज मिला। अभद्र टिप्पणी, अपशब्द लिखे कागज और पवित्र ग्रंथ के साथ अशोभनीय हरकत से लोग नाराज हो गए और एकत्रित हो गए। हालांकि प्रकरण की सूचना पर पुलिस सतर्क हुई और जांच- पड़ताल शुरू हो गई। मंडलायुक्त नवदीप रिणवा, परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक कविन्द्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी नितीश कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने शहर का भ्रमण किया। धर्मस्थलों पर पहुंचकर बातचीत की। शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। सचिव की ओर से पूरे प्रकरण का जिक्र करते हुए कोतवाली नगर में तहरीर दी गई। जिसमें कठोर कार्रवाई की मांग की गई है।

अफसरों ने धर्मगुरुओं के साथ की बैठक

अफसरों ने धर्मगुरूओं के साथ बैठक व वार्ता की। धर्मगुरूओं को आश्वस्त किया गया कि इस प्रकरण में कठोर कार्रवाई होगी। अफसरों ने बताया कि धर्मगुरूओं के साथ बैठक की गई है। सभी ने सौहार्द बनाए रखने के लिए सहयोग की बात कही है। उन्होंने कहा कि जिले ने हमेशा ही विश्व में एकता, शांति, सदभाव व भाईचारे का संदेश दिया है। ऐसे में शरारती तत्व अपनी मंशा में सफल नहीं हो सके।

शार्ट न्यूज

जम्मू में सिधरा-कुंजवानी बाईपास सड़क पर मिले आईईडी को पुलिस ने किया विस्फोट

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिधरा-कुंजवानी बाइ-पास सड़क के किनारे मिले इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को पुलिस ने गुरुवार को शहर के बाहरी इलाके में विस्फोट कर दिया। जम्मू के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कोहली ने यूनीवार्ता को कहा, सिधरा-कुंजवानी बाईपास सड़क पर महामाया जंगल क्षेत्र के पास आईईडी की विशेष सूचना मिलने पर बम निरोधक दस्ते के साथ पुलिस दल मौके पर पहुंची। उन्होंने कहा कि यातायात को तुरंत रोक दिया गया और बम निरोधक दस्ता ने मौके पर ही आईईडी को विस्फोट कर दिया। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा, सड़क किनारे पड़े एक बैग में आईईडी मिला था। इससे पहले 22 अप्रैल को संजुवन में गोलीबारी स्थल पर एक जिंदा ग्रेनेड बरामद हुआ था।

कोरोना की चौथी लहर को लेकर सरकार अलर्ट : धामी

नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों पर गुरुवार को कहा कि सरकार कोरोना महामारी को लेकर सचेत है और प्रदेश में कोरोना से लड़ने के लिये पर्याप्त सुविधायें मौजूद हैं। धामी चंपावत के दौरे पर टनकपुर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज भी 87 लोग कोरोना से संक्रमित हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी को लेकर हमारी व्यवस्थायें लगभग पूरी हैं। इसके बावजूद सरकार अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधायें दुरूस्त करने में जुटी है। अस्पतालों में महामारी को लेकर बेड व अन्य सुविधायें बढ़ायी जा रही हैं। सभी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन प्लांट व कंसंट्रेटर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि चंपावत विकास के मामले में नया आयाम स्थापित करेगा। निवर्तमान विधायक कैलाश गहतोड़ी के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जायेगा और चंपावत को तेजी से विकास किया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मैं संकल्पबद्ध होकर कहना चाहता हूं कि यह क्षेत्र आने वाले समय में विकास का नया इतिहास बनायेगा। उन्होंने कहा कि चंपावत को कृषि, बागवानी एवं चाय की उन्नत खेती के लिये विकसित किया जायेगा।

पंचायती ज़मीनों से अवैध कब्ज़े हटाने की मुहिम के तहत छुड़ाई 29 एकड़ ज़मीन

चंडीगढ़। पंजाब सरकार की प्रदेश भर की पंचायती ज़मीनों से अवैध कब्ज़े हटाने की मुहिम की शुरुआत आज मोहाली जिले से करते हुये अभीपुर गांव की अत्यंत कीमती 29 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा छुड़ा लिया। शिवालिक पहाडियों की जड़ों में न्यू चण्डीगढ़ के बिल्कुल नज़दीक ब्लॉक माजरी के गाँव अभीपुर की करोड़ों रुपए की बेहद कीमती 29 एकड़ पंचायती ज़मीन का कब्ज़ा गाँव की पंचायत ने ले लिया है। कब्जा छुड़ाने के लिये गये अमले के साथ ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री कुलदीप धालीवाल भी मौजूद थे। उनके साथ गये राजस्व विभाग और ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कब्ज़ा लेने की यह कार्यवाही पूरी की गई। इस मौके पर श्री धालीवाल ने बताया कि बिक्रम सिंह नाम के व्यक्ति ने 2007 से इस ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा किया हुआ था। उन्होंने बताया कि कलेक्टर एस.ए.एस. नगर द्वारा इस ज़मीन से अवैध कब्ज़ा हटाने के लिए 2014 में आदेश जारी किए गए थे। कुछ कानूनी अड़चनों के चलते विभाग के अधिकारी और पंचायत यह कब्ज़ा छुड़ा नहीं सके थे। मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार बनते ही पहले महीने में यह बड़ी कार्यवाही करते हुए आज एस.ए.एस. नगर ज़िले की यह बेशकीमती ज़मीन से अवैध कब्ज़ा छुड़वा लिया गया है। धालीवाल ने कहा कि आज पंचायती ज़मीनों से अवैध कब्ज़े छुड़ाने की मुहिम की शुरुआत हो गई है और 31 मई तक 5000 एकड़ ज़मीन से अवैध कब्ज़े हटाए जाएंगे। इसके उपरांत हर महीने लक्ष्य निर्धारित कर अवैध कब्ज़े हटाने की यह मुहिम लगातार जारी रहेगी। उन्होंने न्यायमूर्ति कुलदीप सिंह द्वारा अवैध कब्ज़ों वाली रिपोर्ट के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जल्द ही इस रिपोर्ट को जाँच कर बनती कार्यवाही पूरी की जाएगी। ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य की सभी पंचायती ज़मीनों से अवैध कब्ज़े हटाने के लिए प्रतिबद्ध है और बिना किसी भेदभाव के यह कब्ज़े हटाए जाएंगे और पंचायतों की ज़मीनें पंचायतों को सौंपी जाएंगी। उन्होंने कहा कि चाहे कोई रसूखदार हो या साधारण व्यक्ति किसी के पास भी अवैध कब्ज़े नहीं रहने दिए जाएंगे। इस मौके पर पंचायत विभाग के डायरेक्टर गुरप्रीत सिंह खैहरा, डिप्टी डायरेक्टर जुगिन्दर कुमार, नायब तहसीलदार माजरी दीपक भारद्वाज, डी.डी.पी.ओ एस.ए.एस नगर बलजिन्दर सिंह गरेवाल, बी.डी.ओ माजरी ब्लॉक जसप्रीत कौर और सरपंच गाँव अभीपुर जसपाल कौर भी मौजूद थे।

बिजली कटौती से आहत ग्रामीणों ने बिजली घर पर काटा बवाल

सिरसा। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह के बिजली की कमी न होने के दावों के बावजूद शहरी व ग्रामीण उपभोक्ता बिजली कटने की घटनाओं से परेशान हैं। पंजाब की तरह हरियाणा में भी पिछले कई दिनों से रात के समय हर आधे घंटे बाद कटौती हो रही है। सिरसा में बिजली कटों को लेकर हाहाकार मचा है। घरों में घरेलू उपकरणों के साथ-साथ गावों में पेयजलापूर्ति प्रभावित होने लगी है। बिजली पर आधारित छोटे-बड़े कारोबार चल नहीं पा रहे। खेतों में ट्यूबवैल ना चलने से नरमा-कपास सहित अन्य फसलों की बुवाई भी प्रभावित हो रही है। वीरवार को बिजली मंत्री रणजीत सिंह के गृह जिले सिरसा के गांव नुहियांवाली स्थित 400 के.वी. बिजली घर पर बिजली आपूर्ति से त्रस्त ग्रामीण महिला व पुरुषों ने जमकर रोष प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को सिरसा का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि आगामी चार दिनों में तापमान आरे बढने् की आशंका है,जिससे बिजली संकट और गहराने के अनुमान लगाए जा रहे हैं। बिजली घर पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण बलविंदर यादव, आत्माराम, संदीप कुमार, राजेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह निमीवाल, विनोद कुमार, राजू शर्मा, भीमसेन पालाराम आदि ने बताया कि उनके गांव में रोज़ाना बिजली के कट लगाए जाते हैं और मात्र कुछ घंटे मात्र बिजली आती है। जिस कारण किसान अपने ट्यूबवैलों से फसल की बुवाई नहीं कर पा रहें हैं,मवेशियों के लिए हरा-चारा तक बचाना मुश्किल हो गया है। गर्मी के मौसम में गांवों में भी बिजली कम आती है,जिससे घरों में मधानी,वाशिंग मशीन,पंखे कूलर आदि सी तरीके से नहीं चल पा रहे हैं। भीषण गर्मी के कारण पिछले कई दिनों से रात जागकर बीतानी पड़ रही है। बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कोई सुनवाई नहीं करते। ग्रामीणों द्वारा बिजली कटौती को लेकर की जा रही नारेबाजी व धरना प्रदर्शन की सूचना मिलते ही ओढ़ा थाना पुलिस दल बल सहित पहुंची। उन्होंने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की लेकिन ग्रामीण टस से मस नहीं हुए।

गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी के मुद्दे पर चर्चा के लिए एसजीपीसी प्रतिनिधिमंडल उत्तराखंड के राज्यपाल से मिला

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह से मुलाकात कर गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी साहिब, हरिद्वार के मुद्दे पर चर्चा की और एक ज्ञापन सौंपा जिसमें लंबे समय से चले आ रहे लंबित मामले के समाधान की मांग की गई है। एसजीपीसी के प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह, महासचिव करनैल सिंह, एसजीपीसी सदस्य राजिंदर सिंह, एसजीपीसी के सिख मिशन रायपुर, छत्तीसगढ़ प्रभारी गुरमीत सिंह और विशाखापत्तनम के सिख नेता दिलशाह सिंह शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल के नेताओं ने उत्तराखंड के राज्यपाल से गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी साहिब की समस्या के समाधान के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की। श्री रघुजीत सिंह ने कहा कि एसजीपीसी गुरुद्वारा ज्ञान गोदड़ी साहिब के मुद्दे को लेकर गंभीर है और इस मुद्दे के समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रहा है की पौढ़ी, हरिद्वार फिर से स्थापित किया जाए।

350 करोड़ की अफगान हेरोइन के साथ अंतरराष्ट्रीय गैंग का भंडाफोड़, पंजाब से दिल्ली तक फैला है नेटवर्क

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 50 किलोग्राम अफगान हेरोइन और 47 किलोग्राम अन्य नशीले पदार्थ समेत 30 लाख की नकदी के साथ एक अंतरराष्ट्रीय गैंग का भंडाफोड़ किया है। एजेंसी ने इस कार्रवाई में दिल्ली के जामिया नगर इलाके से भी एक शख्स को गिरफ्तार किया है। एनसीबी का दावा है कि यह गैंग पंजाब, हरियाणा, यूपी, उत्तराखंड और दिल्ली राज्यों सहित पूरे उत्तरी क्षेत्र के मादक पदार्थों के तस्करों से जुड़ा हुआ है।

एनसीबी के उप महानिदेशक (संचालन) संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को जानकारी दी कि 50 किलो अफगान हेरोइन, 47 किलो अन्य नशीले पदार्थों समेत 30 लाख की नकदी के साथ एक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी जामिया नगर इलाके से हुई है।

एनसीबी के डीडीजी ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में स्थित भारत-अफगान गैंग, जिसका उत्तर भारतीय क्षेत्रों के साथ-साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित अन्य देशों में

संबंध हैं, के साथ जुड़ा हुआ मामला है। सिंह ने कहा कि हेरोइन की तस्करी अंतरराष्ट्रीय तस्करों द्वारा समुद्र और जमीन मार्गों से कपड़ा, मसाले और अन्य सामानों के आयात की आड़ में भारत में की जा रही थी।

उन्होंने बताया कि ये गैंग समुद्री और साथ ही भूमि सीमा मार्गों के माध्यम से भारत में माल की तस्करी कर रहे थे, जिसमें कई वैध सामानों के साथ हेरोइन की तस्करी की जाती थी। बाद में कुछ अफगान नागरिकों की मदद से भारतीय तस्करों द्वारा उन सामानों से हेरोइन निकाली जाती खी। पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए कई छापे मारे गए और अभी भी जारी हैं। यह गैंग पंजाब, हरियाणा, यूपी, उत्तराखंड और दिल्ली राज्यों सहित पूरे उत्तरी क्षेत्र के मादक पदार्थों के तस्करों से जुड़ा हुआ है।

एनसीबी के अनुमान के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 किलो अफगान हेरोइन की कीमत करीब 350 करोड़ रुपये है, जबकि 47 किलो अन्य मादक पदार्थ पहचान के लिए एक प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दुबई का एक व्यक्ति भारत में इस गैंग को चला रहा था और वह भारत के कुछ स्थानों पर हेरोइन का निर्माण और उसमें मिलावट भी कर रहे थे। फिलहाल गिरफ्तार शख्स का नाम गुप्त रखा गया है क्योंकि उसके कई सहयोगी रडार पर हैं और आने वाले दिनों में कई और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

हेलीकॉप्टर घोटाला : पूर्व रक्षा सचिव शशिकांत शर्मा को कोर्ट ने दी जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले से जुड़े एक मामले में पूर्व रक्षा सचिव शशिकांत शर्मा को जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने शर्मा को दो लाख रुपये के निजी मुचलके और उतनी ही राशि की एक जमानत पर राहत दी। इससे पहले शर्मा अपने खिलाफ जारी किए गए सम्मन का पालन करते हुए अदालत में पेश हुए।

अदालत ने जांच एजेंसी सीबीआई के वकील की उस दलील पर गौर किया कि अगर आरोपी को जमानत दी जाती है तो एजेंसी को कोई आपत्ति नहीं है।

शर्मा की ओर से पेश हुए वकीलों ने अदालत को बताया कि वह निर्दोष हैं और उन्हें मामले में फंसाया गया है।

आरोपपत्र में भारतीय वायु सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों जसबीर सिंह पनेसा, एन संतोष, एस ए कुंटे और थॉमस मैथ्यू के भी नाम हैं। लेकिन सीबीआई ने कहा कि उन लोगों पर मुकदमा चलाने के लिए संबंधित प्राधिकारियों से आवश्यक मंजूरी अभी नहीं मिली है। मामले में पहला आरोप पत्र सितंबर 2017 में दायर किया गया था जिसमें पूर्व वायुसेना प्रमुख एस पी त्यागी और अन्य के नाम थे।

जम्मू कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने 13 अधिकारियों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को सीमांत कुपवाड़ा में परिवहन अनुदान के गबन में जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के तीन महाप्रबंधकों और 10 अन्य के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है।

एसीबी ने एक बयान जारी कर बताया कि उन्होंने बारामूला की भ्रष्टाचार विरोधी विशेष न्यायाधीश अदालत में अब्दुल हमीद बट, फैयाज अहमद शफी, डीआईसी कुपवाड़ा के तत्कालीन महाप्रबंधक मोहम्मद अशरफ जनवारी, तत्कालीन विकास प्रबंधक मसूद करीम, डीआईसी कुपवाड़ा के औद्योगिक संवर्धन अधिकारी (आईपीओ) अब्दुल गनी किरमानी, डीआईसी कुपवाड़ा के आईपीओ अब्दुल अहद खान (दिवंगत), डीआईसी कुपवाड़ा के तत्कालीन ब्लॉक अन्वेषक गुलाम नबी मीर, जम्मू-कश्मीर बैंक बरजुल्ला शाखा, श्रीनगर के तत्कालीन लेखा प्रबंधक जहूर अहमद शाह और जम्मू-कश्मीर बैंक सोलिना शाखा, श्रीनगर के तत्कालीन लेखा प्रबंधक एजाज अहमद किताब, फिरोज अहमद लोन, अब्दुल करीम लोन (दिवंगत), मोहम्मद मकबूल इकाई धारकों और निजी व्यक्ति अब्दुल कयूम लोन (दिवंगत) के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है।

कुपवाड़ा डीआईसी पर लघु उद्योग (एसएसआई) इकाई धारकों के साथ मिलकर परिवहन अनुदान के गबन का आरोप था। तत्कालीन सतर्कता संगठन कश्मीर की जांच के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया।

डीआईसी अधिकारियों ने साजिश के तहत इकाई धारकों द्वारा लाखों रुपये के परिवहन अनुदान की फर्जी निकासी को सुगम बनाने के लिए तथ्यात्मक रूप से गलत सत्यापन और उपभोग प्रमाण पत्र जारी किए थे।

एसीबी की जांच से यह बात सामने आई है कि कुपवाड़ा के डीआईसी अधिकारियों ने 1996-97 में इकाई धारकों की परिवहन अनुदान मांग को उनके द्वारा जमा किये गए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संसाधित कर दिया था। इसके बाद उन्होंने उद्योग और वाणिज्य निदेशालय को एजेंडा नोट के माध्यम से इन दस्तावेजों को राज्य स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया था।

जम्मू-कश्मीर रियासत का भारतीय संघ में शामिल होना कोई गलती नहीं : उमर

श्रीनगर। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर रियासत का भारतीय संघ में शामिल होना कोई गलती नहीं थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा,रियासत का शामिल होना गलती नहीं था, क्योंकि कोई नहीं जानता कि चीजें कैसे बदल जाएंगी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि भारत ने जम्मू-कश्मीर को अलग रूप से अपनाया है। उन्होंने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह चिंता का विषय है कि देश के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों के पास जुलूस निकाला जा रहा है और लोग 'इस मुल्क में रहना है तो जय श्री राम कहना है' के नारे लगा रहे हैं। श्री उमर ने कहा,आपको क्या लगता है, लोगों को क्या लगेगा। मैं आपसे माफी मांगता हूं, जब उन्होंने मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चला दिया और टीवी एंकर ऊंची आवाज में बोल रहे हैं कि अब बुलडोजर की कमी हो जाएगी। क्या हमें बुलडोजर आयात करना होगा या मेड इन इंडिया बुलडोजर होंगे। उन्होंने कहा,राजनेता अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए ऐसा कर रहे हैं लेकिन जिनसे हम निष्पक्ष होने की उम्मीद करते हैं, जब वे इस तरह का एक तरफा पक्ष ले लेंगे तो, आपलोग हमसे कैसे अलग महसूस करने की उम्मीद करते हैं। उनूहोंने हिंदी को लेकर कहा कि भारत वास्तव में एक विविध देश है, जिसकी एक राष्ट्रीय भाषा है। मुझे लगता है कि देश का विचार हर किसी को स्थान देना है। यहां तक कि भारतीय मुद्रा नोटों पर भी कई भाषाओं को जगह दी गई है। उन्होंने कहा,हम क्यों किसी पर भाषा को थोपें। लोगों को चुनने दीजिए।

जुमात-उल-विदा पर जामिया मस्जिद को बंद रखने के फैसले पर विरोध

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के राजनीतिक दलों ने शब-ए-कद्र और जुमात-उल-विदा के दिन श्रीनगर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद को बंद रखने के सरकार के फैसले पर कड़ा विरोध जताया है।

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि एक तरफ अधिकारी कहते हैं कि कश्मीर घाटी में स्थिति सामान्य है.... फिर वे शब-ए-कद्र की रात और रमजान के आखिरी शुक्रवार जुमात-उल-विदा के दिन जामिया मस्जिद में नमाज की इजाजत क्यों नहीं देते।

अब्दुल्ला ने गुरुवार को श्रीनगर में मीडिया के साथ बात करते हुए कहा, कश्मीर घाटी में कृत्रिम रूप से साधारण अवस्था तैयार की गयी है। या तो वे लोगों को दबा रहे हैं, ताकि सामान्य

हालात दिखाकर देश के अन्य हिस्सों में इसे बेचा जा सके।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में पर्यटकों के आने से हालात सामान्य नहीं होंगे। हालात तब सामान्य होंगे जब कश्मीर के लोग साधारण जीवन जियें और इसे सबूत के साथ साबित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, जामिया मस्जिद में जुमात-उल-विदा और शब-ए-कद्र की नमाज की अनुमति न देना हालात असामान्य होने का सबूत है। सरकार भले ही अपने शब्दों से नहीं स्वीकार रही, मगर अपने काम से साबित कर रही है कि कश्मीर में हालात सामान्य नहीं हैं।

पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) ने भी जामिया मस्जिद में शब-ए-कद्र की रात को और जुमात-उल-विदा की नमाज को अनुमति न देने के प्रशासन के फैसले की निंदा करते हुए उसे 'बेहद निंदनीय' बताया।

पीएजीडी ने एक बयान जारी कर कहा, श्रीनगर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में शब-ए-कद्र और जुमात-उल-विदा के पवित्र अवसर पर नमाज को अनुमति न देने का प्रशासन का फैसले बेहद निंदनीय है।

बयान में कहा गया कि खबरों के अनुसार प्रशासन ने जामिया मस्जिद की इंतेजामिया से कहा है कि शब-ए-कद्र की रात और रमजान के आखिरी शुक्रवार जुमात-उल-विदा के दिन नमाज न पढ़ी जाए।

उन्होंने कहा कि यह फैसला हजारों लोगों को मस्जिद के अंदर सामूहिक रूप से नमाज पढ़ने से वंछित कर देगा। पीएजीडी ने बयान में कहा, यह लोगों के धार्मिक मामलों में प्रत्यक्ष दखलंदाजी है। यह निर्णय अस्वीकार्य और निंदनीय है।

जेल में बंद मीरवाइज उमर फारूक की ऑल पार्टी हुर्रियत कांफ्रेंस (एपीएचसी) ने श्रीनगर की जामिया मस्जिद को बंद रखने के प्रशासन के फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की।

एपीएचसी ने एक बयान में कहा, घाटी की केंद्रीय जामिया मस्जिद में जुमात-उल-विदा के अवसर पर सामूहिक नमाज न अदा करने देना अपमानजनक और धार्मिक व्यवहार के मूलभूत मानवाधिकार के खिलाफ है।

ममता सरकार ने की यूक्रेन से वापस लौटे छात्रों को इंटर्नशिप की पेशकश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार ने उन सभी छठे वर्ष के छात्रों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की पेशकश की है, जिन्हें रूसी आक्रमण के बाद यूक्रेन में अपना मेडिकल पढ़ाई का कोर्स बीच में ही छोड़ना पड़ा था।

बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय नबन्ना में संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने यूक्रेन से वापस आए छात्रों की मदद के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।

उन्होंने कहा,हम उनकी (छात्रों) की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने यूक्रेन से लौटे उन सभी छात्रों के लिए इंतजाम की है, जो युद्ध के बीच देश वापस आए हैं ताकि वे यहां के कॉलेजों में पढ़ सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कुल 412 छात्र मेडिकल के हैं, जिनमें से 23 छात्र छठे वर्ष में हैं, जिन्हें इंटर्नशिप की जरुरत है।

इससे पहले सुश्री बनर्जी ने खुदीराम अनुशीलन केंद्र में यूक्रेन से लौटने वाले छात्रों से मुलाकात की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा,हम चाहते हैं कि मेडिकल काउंसिल अनुमति दे। मैंने इतना लंबा इंतजार किया है। केंद्र का कहना है कि वे कुछ नहीं करेंगे। हम इतने गैर जिम्मेदार नहीं हो सकते हैं, इसलिए हमने यह व्यवस्था की है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यूक्रेन से वापस आये छह इंजीनियरिंग छात्रों के लिए प्रदेश के निजी कॉलेजों में पढ़ाई की व्यवस्था की है। उनमें से दो छात्र पहले अपनी पढ़ाई शुरु कर चुके हैं, जबकि चार अन्य अभी प्रक्रिया में हैं।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन में काम करने वाले तीन लोगों को राज्य सरकार ने रोजगार देने की भी पहल की है।

फानों में लगाई आग से उठे धुएं में दो बाइक भिड़ी, महिला की मौत

जींद। हरियाणा के जींद जिले में सिंघाना तथा मुआना गांव के बीच खेतों में फूंके जा रहे गेहूं के फानों से उठे धुएं के कारण वहां से गुजरते वाहनों की टक्कर में बाइक पर सवार एक महिला की मौत हो तथा उसका पति समेत चार लोग घायल हो गए। सदर थाना सफीदों पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव जुलानी के प्रवीण, उसकी पत्नी सोनम (24), भाई दीपक (22), बेटा रेहान (डेढ़ वर्ष), पुत्री वर्षा को बाइक से लेकर अपनी ससुराल रामपुरा जा रहा था। गांव सिंघाना तथा मुआना के बीच खेतों में फाने फूंके जाने के कारण धुआं फैला हुआ था, जिससे उनकी बाइक दूसरी बाइक ट्राली से जा भिड़ी। जिसमें प्रवीण समेत उसके परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए।

दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही मामले में निर्णय सुरक्षित

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने हरिद्वार खानपुर के नवनिर्वाचित विधायक उमेश कुमार शर्मा के नामांकन पत्र में तथ्यों को छिपाये जाने की अनदेखी करने के मामले में निर्वाचन अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर दायर याचिका की पोषणीयता के मामले में निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

रवीन्द्र सिंह पनियाला की ओर से दायर याचिका पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उमेश शर्मा का आपराधिक इतिहास है और उनके खिलाफ विभिन्न राज्यों में 29 अभियोग पंजीकृत हैं। बलात्कार जैसे संज्ञेय मामले में भी उनके खिलाफ मामला दर्ज है।

याचिकाकर्ता की ओर से आगे कहा गया कि उच्चतम न्यायालय से भी 2021 में उमेश कुमार शर्मा को राहत नहीं मिली और उनकी ट्रांसफर पीटिशन खारिज हो गयी। इसके बाद सन् 2022 में श्री शर्मा की ओर से विधानसभा चुनाव के लिये जो नामांकन पत्र भरा गया उसमें तथ्यों को छुपाया गया और संज्ञेय आपराधिक मामलों की जानकारी नहीं दी गयी।

याचिकाकर्ता की ओर अधिवक्ता अरविंद कुमार शुक्ला अदालत में पेश हुए और कहा कि इसके बावजूद निर्वाचन आयोग ने उनके नामांकन को निरस्त नहीं किया। याचिकाकर्ता की ओर से भारत के मुख्य निर्वाचन आयोग को पक्षकार बनाया गया है और आयोग से दोषी निर्वाचन अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने व श्री शर्मा को कार्य करने से रोकने की मांग की गयी।

अदालत ने याचिका पर सुनवाई से पहले याचिका की पोषणीयता पर सवाल उठाये। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से पहले ही इस मामले में चुनाव याचिका दायर की गयी है। ऐसे में इस याचिका का कोई महत्व नहीं है। अदालत याचिकाकर्ता की दलीलों से असहमत नजर आयी और अंत में निर्णय को सुरक्षित रख लिया।

अदालत ने याचिकाकर्ता को अपनी बाकी दलीलें आगामी चार मई तक लिखित में पेश करने को कहा है।

दिल्ली मॉडल ने पंजाब की बिजली गुल कर दी : शिअद

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल(शिअद) ने कहा है कि पंजाब की आम आदमी पार्टी(आप) ने दिल्ली मॉडल से पंजाब को रात-दिन बिजली आपूर्ति का वादा किया था लेकिन इन दिनों राज्य को भीषण गर्मी में 18 घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भूंदड़ ने गुरुवार को यहां कहा कि यदि आप पार्टी ने ऐसा बदलाव लाने का वादा किया था, तो इससे न केवल राज्य की कृषि एवं औद्योगिक अर्थव्यवस्था का विनाश होगा, बल्कि आम आदमी की कठिनाइयों का भी कारण बनेगा। उन्होंने कहा कि बिजली के ब्रेक डाउन ने साबित कर दिया है कि आप के पास पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कोई विजन डॉक्यूमेंट नहीं है। इन्होंने 24 घंटे बिजली आपूर्ति के वादे के साथ पंजाब को लोगों को मूर्ख बनाया है। भूंदड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से बिजली की स्थिति की समीक्षा करने और अपने राज्य को व्यवस्थित करने का निर्देश देते हुए कहा कि पहले पंजाब बिजली क्षेत्र में देश में सर्वश्रेष्ठ राज्य था।

केंद्रीय मंत्रियों ने एफआरआई में किया स्वीमिंग पूल का उद्घाटन

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में नवनिर्मित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय तरणताल (स्वीमिंग पूल) का गुरुवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव और राज्यमंत्री अशविनी कुमार चौबे ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। उदघाटन के बाद श्री यादव ने कहा कि स्वीमिंग पूल के माध्यम से प्रशिक्षु न केवल अपने निर्धारित प्रशिक्षण-पाठ्यक्रम को पूर्ण करेंगे। अपितु इसके द्वारा प्रतिभाशाली प्रशिक्षु राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना और सेवा का नाम करने में सक्षम होंगे। अकादमी के प्रवक्ता अमित रोहेला ने बताया कि अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के सिलेबस के अनुसार, उन्हें तैराकी प्रशिक्षण भी दिया जाना अनिवार्य है। जिसके लिए अकादमी द्वारा अपने ही परिसर में इस इनडोर ऑल वेदर स्वीमिंग पूल का निर्माण किया गया है। यह स्वीमिंग पूल

अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है और समस्त आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें ठण्डे पानी के साथ-साथ गर्म पानी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व इस प्रशिक्षण हेतु आईएमए के स्विमिंग पूल की सेवाएं ली जाती थीं। इस स्वीमिंग पूल के निर्माण से प्रशिक्षुओं के समय की बचत होगी और उनके निर्धारित पाठ्यक्रम को और सुविधाजनक रूप से पूर्ण किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि दोनों मंत्री तीन दिवसीय भृमण पर यहां पहुंचे हैं। इस दौरान वे विभिन्न वानिकी संस्थानों के साथ विभिन्न विषयों पर बैठकों में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर, चंद्र प्रकाश गोयल, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, ए.एस. रावत, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, सुशील कुमार अवस्?थी, अपर निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, अन्य वानिकी सह-संस्थानों के प्रधान एवं प्रशासनिक प्रमुख तथा अकादमी के संकाय सदस्य व भारतीय वन सेवा प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित थे।

शार्ट न्यूज

कोरोना पीड़ित छात्र को परीक्षा के लिए दो घंटे भटकाया

नोएडा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सत्र दो की लिखित परीक्षाएं जारी हैं। स्कूली बच्चों में कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद बोर्ड ने संक्रमित परीक्षार्थियों की परीक्षा न छूटे इसके लिए भी नियम बनाए हैं, लेकिन बुधवार को सेक्टर-30 एक स्कूल परीक्षा देने के लिए एक परीक्षार्थी को दो घंटे तक भटकना पड़ा। बाद में उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद छात्र को अलग कमरे में बैठाकर परीक्षा दिलाई गई। बुधवार को जिले में 53 केंद्रों पर दसवीं की अंग्रेजी की परीक्षा थी। नोएडा निवासी एक अभिभावक ने बताया कि उसका बेटा सेक्टर-44 स्थित एक निजी स्कूल में दसवीं का छात्र है। बोर्ड परीक्षा के लिए उसका सेंटर सेक्टर-30 स्थित एक स्कूल को बनाया गया है। गत दिनों उसकी हल्की सी तबीयत खराब हुई। जांच कराई तो वह कोरोना पॉजिटिव मिला। इसके संबंध में उन्होंने खुद ही स्कूल को सूचना दी। बुधवार को अभिभावक छात्र को रिपोर्ट के साथ स्कूल पहुंचे, यहां प्रबंधन को छात्र की जानकारी दी गई। लेकिन स्कूल प्रबंधन ने बोर्ड से संक्रमित को परीक्षा दिलाने का कोई आदेश न होने का हवाला देकर छात्र को परीक्षा दिलाने से हाथ खड़े कर दिए। दो घंटे तक छात्र व अभिभावक परीक्षा के लिए इधर-उधर भटकते रहे। कई उच्च अफसरों से बातचीत की। स्कूल के जिम्मेदारों के हस्तक्षेप के बाद जब गाइडलाइन खंगाली गई तो छात्र को परीक्षा में बैठने दिया। छात्र को अलग कमरे में बैठाकर परीक्षा दिलाई गई। छात्र के पिता ने आरोप लगाया कि समय पर परीक्षा न होने से कई प्रश्न भी छूट गए। इसके अलावा अन्य दो केंद्रों पर भी संक्रमितों ने परीक्षा दी।

13 दिन से लापता बुजुर्ग का शव मिला

ग्रेटर नोएडा। दनकौर कस्बे से 13 दिन से लापता बुजुर्ग का शव गुरुवार दोपहर प्लॉट में पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दनकौर कस्बे के बिहारी लाल चौक मोहल्ला निवासी 70 वर्षीय रसीद 15 अप्रैल को घर से नमाज पढ़ने मस्जिद गए थे। वह देर शाम तक नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की लेकिन उनके बारे कोई जानकारी नहीं मिली। रशीद के बेटे अतीक ने 21 अप्रैल को दनकौर कोतवाली में अपने पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। अतीक और परिवार के लोग सरगर्मी से रसीद की तलाश कर रहे थे लेकिन उनकी कोई जानकारी नहीं मिली। ग्रामीणों ने गुरुवार दोपहर पुलिस को सलारपुर अंडरपास जाने वाले मार्ग पर माता के मंदिर के समीप गिर्राज के प्लॉट में शव पड़ा होने की सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव अपने कब्जे में ले लिया। पूछताछ में शव की पहचान रसीद के रूप में हुई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के अनुसार शव के आसपास मृतक के कपड़े पड़े थे। पुलिस के अनुसार शव कई दिन पुराना था और गल गया था। पुलिस ने बताया कि चोट के निशान शरीर पर दिखाई नहीं दिए हैं। पुलिस निरीक्षक राधा रमन सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद बुजुर्ग की मौत के कारणों का पता चल पाएगा। रसीद के बेटे ने बताया कि उनके पिता की हत्या की गई है। उनके पिता के शव पर कपड़े नहीं थे। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि कुत्ते या अन्य जंगली जानवरों द्वारा कपड़े खींचकर इधर-उधर कर दिए गए होंगे। पुलिस इस मामले की सघनता से जांच कर रही है।

सोशल मीडिया से संपर्क कर मादक पदार्थ बेचने वाला गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने सोशल मीडिया पर लोगों से संपर्क करके गांजा बेचने वाले तस्कर को गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने आरोपी से दो किलो गांजा बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक तस्कर सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से संपर्क करता है। फिर उनकी डिमांड पर उन्हें मादक पदार्थ बेचता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को सेक्टर 74 से गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान धनंजय के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी से तस्करी में प्रयोग स्कूटी भी बरामद की है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया है कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से संपर्क करता है। फिर नशीले पदार्थ की तस्करी करता है।

दादरी मे लगा दिव्यांग जांच शिविर

ग्रेटर नोएडा। दादरी एनटीपीसी मे गुरुवार को नैगम सामाजिक दायित्व एवं एनटीपीसी अस्पताल के अन्तर्गत आयोजित एनएफएन दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र एवं नेशनल इंस्टीट्यूट फोर लोकोमोटिव डिसाबिलिटीएस एनआईएलडी कोलकाता के सहयोग से दिव्यांग निरीक्षण शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर सुबह 9 बजे से साय 5 बजे तक लगा। इस शिविर मे समीपप्रति 118 हड्डी रोग दिव्यांगों की जांच की गई। मुख्य महाप्रबंधक बी एस राव और सीएमओ कमाल पुरुषोत्तम ने शिविर का निरीक्षण किया एवं दिव्यांग्जनों से वार्ता के दौरान कहा की जरूरतमंदो को आवशकता अनुसार ADIP उपकरण उपलब्ध कराये जाएँगे।अपने सम्बोधन मे श्री राव ने कहा की एनटीपीसी के कार्यकर्म को सफल बनाने में एनटीपीसी दादरी अस्पताल एवं एनएफएन दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र एवं नेशनल इंस्टीट्यूट फोर लोकोमोटिव डिसाबिलिटीएस एनआईएलडी कोलकाता के डा. के सहयोग की सराहना की।

जीयू के छह विद्यार्थियों का बहुराष्ट्रीय कंपनियों में मिला रोजगार

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार हासिल किया है। इसमें क्यूडेस्क, टीसीएस, सोपरा स्टेरिया, इनोस्टैक्स, विप्रो, यामाहा कंपनी शामिल हैं। कंपनियों की ओर से सभी को ऑफर लेटर मिल गए हैं। छात्रों ने रोजगार हासिल कर विवि के शैक्षणिक स्तर का नाम रोशन किया है। 23 अप्रैल को विश्वविद्यालय में आयोजित प्लेसमेंट में दस कंपनियों ने हिस्सा था। इसमें विश्वविद्यालय के 50 छात्रों ने प्लेसमेंट लिया था। छह कंपनियों ने इंटरव्यू लेने के बाद परिणाम घोषित किए, जिसमें गुरुग्राम विवि के इंजीनियरिंग के छह विद्यार्थियों का चयन हुआ है। कैंपस में चयन होने के बाद विद्यार्थी उत्साहित हैं और कुछ कर गुजरने का जज्बा उनके चेहरे पर नजर आ रहा है। चयनित विद्यार्थियों से प्रेरणा पाकर अन्य विद्यार्थियों में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। इंजीनियरिंग विभाग के डीन एवं प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. अशोक खन्ना ने बताया कि प्लेसमेंट प्रक्रिया में विवि के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर कंपनी के सभी अधिकारियों को प्रभावित कर ऑफर लेटर हासिल किया है। इंजीनियरिंग विभाग के हर्षिता मल्होत्रा को टीसीएस से, आशीष यादव को सोपरा स्टेरिया से, सुधांशु को इनोस्टैक्स, मुस्कान को क्यूडेस्क से, विपर्व चोपड़ा को विप्रो और चर्चिल कुंडू को यामाहा से ऑफर लेटर प्राप्त हुआ।

सड़क हादसों में होटल मैनेजर समेत दो लोगों की मौत

रेवाड़ी। जिला में अलग-अलग स्थानों पर हुए तीन हादसों में होटल मैनेजर सहित दो लोगों की मौत हो गई। धारूहेड़ा के गांव महेश्वरी के निकट बीती रात को एक तेज रफ्तार ट्रक ने होटल मैनेजर को कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान धारूहेड़ा की गोयल कॉलोनी के 25 वर्षीय कर्ण सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से नेपाल का रहने वाला था। वह रात को होटल में ड्यूटी के बाद पैदल घर जा रहा था। इसी दौरान ट्रक ने उसे कुचल दिया। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसी क्रम में जिला के गांव मूसेपुर का यशपाल कार में सवार होकर अपने गांव जा रहा था तो गांव परखोत्तमपुर के पास एक तेज रफ्तार ट्रॉला ने उसे टक्कर मार दी।

केरल सरकार की टीम पहुंची गुजरात, सीएम डैशबोर्ड, जनसंवाद और प्रगति गुजरात डिजिटल प्लेटफॉर्म को सराहा

गाँधीनगर/नई दिल्ली। केरल सरकार के दो सदस्यी प्रतिनिधि मंडल ने आज गाँधीनगर में मुख्यमंत्री आवास का दौरा किया और गुजरात के गवर्नेंस मॉडल का अध्ययन किया। केरल सरकार की ओर से इस टीम में मुख्य सचिव श्री वी पी जॉय और श्री उमेश एन. एस. के, मुख्य सचिव के स्टॉफ अधिकारी शामिल थे।

गुजरात सरकार की ओर से मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान मुख्य सचिव श्री कैलाशनाथन और मुख्यमंत्री की सचिव सुश्री अवंतिका सिंह ने केरल सरकार की इस टीम का स्वागत किया और सीएम डैशबोर्ड का दौरा कराया। सीएम डैशबोर्ड, जनसंवाद और प्रगति गुजरात, इन तीनों डिजिटल प्लैटफॉर्म की पूरी कार्य पद्धति को देखने व समझने के बाद केरल सरकार के अधिकारियों की टीम ने गुजरात के इस गवर्नेंस मॉडल की सराहना भी की।

इस दौरे पर केरल सरकार के अधिकारियों ने सीएम डैशबोर्ड के तहत कलेक्टर-डीडीओ-म्युनिसिपल कमिश्नर के स्तर पर किए जा रहे सरकारी योजनाओं व पहल की रियल टाइम परफॉर्मेन्स मॉनिटरिंग सिस्टम को स्टडी किया, जनसंवाद युनिट- जिससे सरकारी योजनाओं व सेवाओं के अंतर्गत सीधे लाभार्थीयों से बातचीत की जाती है और उनसे राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर फीडबैक लिया जाता है, इस व्यवस्था को उन्होंने मॉनिटर किया और साथ ही, प्रगति गुजरात प्लेटफॉर्म के तहत उन्होंने यह देखा कि कैसे गुजरात सरकार सरकारी परियोजनाओं की समीक्षा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर करती है। इसके लिए सीएम आवास पर मौजूद गुजरात सरकार के अधिकारियों ने राज्य के 5 करोड़ के ऊपर के प्रोजेक्ट्स की समीक्षा पद्धति को केरल के अधिकारियों को दिखाया।

केरल सरकार के अधिकारियों ने गुजरात विद्या समीक्षा केन्द्र का भी दौरा किया

गुजरात के गवर्नेंस मॉडल को देखने पहुंची केरल सरकार के अधिकारियों की टीम ने गाँधीनगर में ही स्थित विद्या समीक्षा केन्द्र का भी दौरा किया। यहाँ उन्होंने देखा कि कैसे गुजरात सरकार सरकारी स्कूलों की हर स्तर पर लाइव मॉनटिरिंग करती है और फीडबैक मैकनिज़्म के आधार पर दिनोंदिन शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम कर रही है। गुजरात सरकार की ओर से शिक्षण विभाग (प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा) के सचिव डॉ. विनोद राव ने इस टीम को विद्या समीक्षा केन्द्र का दौरा कराया और सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। डॉ. राव ने केरल सरकार की टीम को बताया कि गुजरात सरकार इस विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्यम से लगभग 500 करोड़ डाटा पॉइन्ट का विश्लेषण करती है और सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाती है। केरल सरकार की टीम ने यहाँ विशेष रुप से Periodic Assessment Test, Online attendance, G-Shala, School monitoring App, GSQAC-Gunotsava 2.0 का अध्ययन किया और इस पूरी व्यवस्था की सराहना की।

हाल ही में प्रधानमंत्री ने केरल के मुख्यमंत्री के समक्ष गुजरात के गवर्नेंस मॉडल की प्रशंसा की थी

यह उल्लेखनीय है कि गुजरात के इस सीएम डैशबोर्ड की सराहना देश भर में पहले भी सराहा जा चुका है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के बीच हुई बैठक के दौरान %गुजरात मॉडल% पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद केरल के मुख्यमंत्री ने अपने अधिकारियों की एक टीम को गुजरात भेजने का निर्णय किया।

वर्ष 2018 में सीएम डैशबोर्ड को गुजरात सरकार ने किया था लॉन्च

बताते चलें कि, सीएम डैशबोर्ड को वर्ष 2018 में गुजरात सरकार ने लॉन्च किया था।

इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के तहत जिलास्तरीय विभिन्न सरकारी परियोजनाओं को सूचीबद्ध तरीके से उसकी प्रगति को मॉनिटर किया जाता है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों के कार्य में पारदर्शिता लाना और परियोजनाएं समय पर पूरी हों ये सुनिश्चित करना है। सीएम डैशबोर्ड की सिंगल स्क्रीन पर राज्य भर में चल रहे विकास कार्यों पर एक साथ नज़र रखी जाती है।

सीएम डैशबोर्ड मुख्यमंत्री को सिंगल प्वाइंट एक्सेस उपलब्ध कराता है जिससे वो राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं और पहलों की प्रगति को देख सकें। साथ ही मुख्यमंत्री को परियोजनाओं से जुड़ा हर तरह का डेटा मिलने से भविष्य में की जाने वाली कार्रवाई का ब्लू प्रिंट तैयार करने में भी मदद मिलती है।

सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री ज़िला पंचायत स्तर से लेकर ज़िला कलेक्टर तक और अपने मंत्रिपरिषद के कार्यों की निगरानी भी कर सकते हैं ताकि उनके समक्ष सभी क्या-क्या काम कर रहे हैं, इसकी समीक्षा वे स्वयं कर सकें। सीएम डैशबोर्ड का पूरा सेट-अप गांधीनगर में मुख्यमंत्री के आधिकारिक निवास पर लगाया गया है।

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में सीएम डैशबोर्ड की व्यवस्था को और सुदृढ़ व पारदर्शी हो रहा है। सीएम डैशबोर्ड में मौजूद 4000 से अधिक परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स की सहायता से मुख्यमंत्री राज्य सरकार के 20 प्रमुख विभागों की गतिविधियों पर सीधी नज़र रखते हैं।

नीति आयोग और केन्द्र सरकार ने भी की थी सीएम डैशबोर्ड की सराहना

यह उल्लेखनीय है कि पिछले साल नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने और केन्द्र सरकार की डिपार्टमेन्ट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स एंड पब्लिक ग्रीवयान्सेस, विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने भी गुजरात के इस गवर्नेंस मॉडल यानी सीएम डैशबोर्ड की व्यवस्था का दौरा किया था और अन्य राज्यों को इसे लागू करने का सुझाव दिया था।

दिल्ली : भलस्वा लैंडफिल साइट से 48 घंटे बाद भी निकल रहा जहरीला धुआं

नई दिल्ली। भलस्वा लैंडफिल साइट पर लगी आग पर 48 घंटे बीतने के बाद भी पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। गुरुवार को भी चारों तरफ धुएं के बादल छाए हुए थे। लैंडफिल साइट से रह रहकर आग की लपटें निकल रही थीं। दमकल की टीमें आग बुझाने के काम में जुटी थीं। दमकल अधिकारी ने बताया कि मंगवार शाम को आग लगने की सूचना मिली थी। करीब 24 घंटे बाद आग बुझा दी गई थी, लेकिन लैंडफिल साइट से 48 घंटे बाद भी लगातार धुआं निकल रहा है। चारों तरफ जहरीले धुएं की चादर छाई है। दमकल की छह गाड़ियां हर घंटे के बाद बदल दी जा रही हैं। वहीं, गुरुवार को आग बुझाने के दौरान कहीं-कहीं आग की लपटें निकल रही थीं। हालांकि, दमकल की टीम तुरंत उसे बुझा भी रही थी।

दरअसल, कूड़े का ढेर पानी की वजह से गीला हो गया है, इसलिए दमकल की टीम को आगे बढ़ने में दिक्कत हो रही है। इस वजह से दमकल विभाग की पहुंच भी सीमित हो रही है। धुएं की वजह से आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। थोड़ी हवा चलने पर धुआं छंटने से राहत मिल रही थी, लेकिन दोबारा धुएं का बादल छा रहा था।

आसपास दहशत

गीले कूड़े के होने की वजह से लैंडफिल साइट के आसपास रहने वाले परिवार दहशत में हैं। स्थानीय पार्षद अजय शर्मा ने बताया कि उन्हें डर है कि गीला होने की वजह से कूड़े का पहाड़ कहीं ढहकर घरों पर न गिर जाए। चूंकि एक बार ऐसी घटना हो चुकी है, इसलिए लोगों में भय है। स्थानीय निवासी राजेंद्र कुमार ने बताया कि डर की वजह से वे लोग जागकर रात गुजार रहे हैं।

पत्नी के सामने 25 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या, दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में पुरानी रंजिश के चलते 25 वर्षीय एक युवक की उनकी पत्नी के सामने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सचिन उर्फ बाबा को बुधवार को उस समय चाकू मारा गया, जब वह अपनी पत्नी के साथ खरीदारी के लिए बाजार गए हुए थे। उक्त मामले में पुलिस ने कल्याणपुरी के रहने वाले दीपक (19) और गुलशन (18) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) प्रियंका कश्यप ने बताया कि कल्याणपुरी थाने को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल से सूचना मिली थी कि सचिन को मृत अवस्था में यहां लाया गया था। उपायुक्त ने बताया कि पुलिस पहले अस्पताल गई और बाद में घटनास्थल पर पहुंची। डीसीपी ने बताया कि दोनों जगहों से मिली जानकारी के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक ने दावा किया है कि सचिन ने कुछ दिन पहले उन पर ब्लेड से हमला किया था।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने सचिन के पेट और गर्दन के पास चाकू से कई बार वार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी अनुबंध के आधार पर हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में काम करते हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

सांप दिखाकर महिला से ब्रेसलेट लूटने वाले दो सपेरे गिरफ्तार

गुरुग्राम। राजधानी दिल्ली से सटे गुरुग्राम में साधु का भेष धारण कर सांप दिखाकर एक महिला का सोने का ब्रेसलेट लूटने वाले दो सपेरों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों की पहचान रोहित नाथ और फरमान नाथ के तौर पर हुई है और दोनों दिल्ली की सपेरा बस्ती के रहने वाले हैं। उन्हें बुधवार शाम को ग्वाल पहाड़ी इलाके से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके पास से दो सांप और सोने का ब्रेसलेट बरामद किया गया है।पुलिस के मुताबिक मेघा जेटली नाम की एक महिला बुधवार को सनसिटी गोल्फ कोर्स में अपनी कार खड़ी कर जैसी उतरी वैसे ही एक आरोपी सांप लेकर उनसे पैसे मांगने पहुंच गया। जेटली ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मैं उसे 100 रुपये दिए।

तभी दूसरा साधू भी सांप लेकर वहां आ गया और पैसे मांगने लगा। जब मैंने पैसे देने से इनकार किया तो उसने मेरा सोने का ब्रेसलेट मांगा और इसे झपट लिया। उन्होंने कहा कि वह सांप से डर गई और आरोपी ब्रेसलेट लेकर फरार हो गए। पुलिस ने कहा कि सेक्टर-53 थाने में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

झगड़े का बीच बचाव करने पहुंचे युवक की चाकू गोद कर हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंद्रपुरी इलाके में दो गुटों के बीच चल रहे झगड़े में बीच बचाव करने पहुंचे युवक को एक गुट के लोगों ने चाकू गोद कर हत्या कर दी। आरोपियों ने पीड़ित के सीने पर कई वार किए थे। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को पास के अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि हत्या की धारा में केस दर्ज कर कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त घनश्याम बंसल ने बताया कि मृतक प्रवेश अपने परिवार के साथ इन्द्रपुरी इलाके में रहता था और निजी कंपनी में कलेक्शन एजेंट का काम करता था। उसके पड़ोस में रहने वाले किशन कुमार ने पुलिस को बताया कि 25 अप्रैल की रात वह दोस्त से फोन पर बात करने के लिए घर के पास स्थित पार्क में गया। वहां पहले से इलाके के रहने वाले प्रदीप और प्रवेश मौजूद थे। सभी पार्क में बात कर रहे थे। इसी दौरान रात करीब साढ़े ग्यारह बजे इलाके में रहने वाला यश राजौरा पार्क में आया और बताया कि उसका डी ब्लॉक में रहने वाले अजय से झगड़ा हो गया है। सभी पार्क के गेट पर पहुंचे। यश के कुछ साथी और आ गए।

इसी दौरान अजय अपने साथियों के साथ वहां पहुंच गया और यश से गाली गलौज करने लगा। अजय की ओर से गौरव, दीपक और सूरज मौजूद थे। दोनों पक्ष एक दूसरे से झगड़ा करने लगे। झगड़ा बढ़ते देखकर प्रवेश ने बीच बचाव की कोशिश की। उसी दौरान अजय ने प्रवेश के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। डंडा लगने से प्रवेश वहीं गिर गया। उसके बाद अजय के इशारे पर सभी उसे लात घूंसों से मारने लगे। अजय ने गौरव को चाकू देकर प्रवेश को मारने के लिए कहा। गौरव ने चाकू प्रवेश के सीने में घोंप दिया। आरोपियों ने कई वार किए और उसके बाद सभी आरोपी वहां से फरार हो गए।

वारदात की सूचना प्रवेश के दोस्तों ने इन्द्रपुरी थाना पुलिस को दी और प्रवेश को लेकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

दिल्ली के 20 प्रतिशत कोविड-19 मरीज कंटेनमेंट जोन में, एक्टिव केस ने बढ़ाई सरकार की चिंता

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। संक्रमण की चैन को खत्म करने के लिए कंटेनमेंट जोन बनाने में तेजी लाई है। दिल्ली में पांच दिन पहले जहां 647 कंटेनमेंट जोन थे अब उनकी संख्या 919 से अधिक हो गई है। इसमें 123 कंटेनमेंट जोन सिर्फ बीते 24 घंटे में बनाएं गए है। आंकड़ों की माने तो दिल्ली में 20 फीसदी सक्रिय कोरोना मरीज कंटेनमेंट जोन के अंदर रह रहे है। साथ ही सरकार ने पांच दिनों में कोविड की जांच भी दोगुनी कर दी है। दिल्ली में कुल 4832 से सक्रिय कोरोना मरीज है। इसमें 148 अस्पताल में रहकर इलाज करा रहे है, जबकि बाकी मरीज होम आइसोलेशन में रह रहे है। इसमें 20 फीसदी मरीज 919 कंटेनमेंट जोन के अंदर रह रहकर अपना इलाज करा रहे है। दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण पूर्व और दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली वो इलाके है जहां पर कोरोना संक्रमण की दर लगातार पांच फीसदी से अधिक है। सबसे अधिक कोरोना संक्रमितों का क्लस्टर भी इन्हीं जिलों में आ रहा है। इन संक्रमण चैन को तोड़ने के लिए सरकार ने कंटेनमेंट जोन तेजी से बढ़ाने का निर्देश दिया है।

बताते चले बीते सोमवार को हिंदुस्तान ने प्रमुखता से यह खबर छापी थी कि दिल्ली में जिस तेजी से सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है उसके उलट कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़ना तो दूर वह घट रही थी। इससे संक्रमण दर के बढ़ने का खतरा बढ़ता जा रहा था। उसके बाद जिला प्रशासन को निर्देश जारी किया गया है कि संक्रमण को आगे बढ़ने के लिए सभी जरूरी कदम बढ़ाएं, जरूरत पड़ने पर कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़ाई जाएं। उसी का असर है कि अब दिल्ली में बीते पांच दिनों में 272 नए कंटेनमेंट जोन बने है।

क्या है कंटेनमेंट

जब एक ही इमारत, घर, गली या कॉलोनी में लगातार कोविड संक्रमित मिलते है, तो वहां संक्रमण फैलने के खतरे को देखते हुए उसे कंटेनमेंट जोन बनाया जाता है। उसके तहत उस घर, इमारत या गली में रहने वाले संक्रमित को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती है, जिससे संक्रमण को आगे फैलने से रोका जा सके। यह व्यवस्था कुल 14 दिन तक रहता है, यानि सात दिन लगातार कोई लक्षण नहीं दिखने पर वह बिना जांच के भी कोरोना मुक्त माना जाएगा। मगर उसके अगले सात दिन तक उसके सेहत पर उस इलाके में निगरानी रखी जाती है। कही दूसरे कोरोना मरीज तो वहां नहीं मिल रहे है। अगर 14 दिन तक कोई मरीज नहीं मिला तो उसे फिर कंटेनमेंट जोन श्रेणी से बाहर कर दिया जाता है।

क्या बोले स्वास्थ्य मंत्री

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में कोविड के केस ज्यादा आ रहे है, मगर उसकी वजह से कोई गंभीर मरीज नहीं है। दिल्ली में करीब पांच हजार सक्रिय मरीज है। पहले की कोविड लहरों में पांच हजार सक्रिय मरीज थे तो एक हजार अस्पताल में भर्ती होते थे। अस्पतालों में नहीं जाने का कारण है कि दिल्ली में ज्यादातर लोगों को टीका लग चुका है। ज्यादातर लोगों को पहले संक्रमण हो चुका है इसलिएयह गंभीर मरीज नहीं आ रहे है। मरीज बढ़ते भी है तो हमारी कोविड बेड की तैयारी पूरी है। दिल्ली में कोविड के लिए दस हजार कोविड बेड पहले से है। उस दस हजार में सिर्फ 148 पर कोविड मरीज है। बच्चों के लिए घबराने की जरूरत नहीं है। अभी तक का अनुभव यही रहा है कि बच्चों में संक्रमण बड़ों के बराबर रहा है, मगर बच्चों में गंभीर मरीज बहुत कम रहे है। हमें घबराने की जरूरत नहीं है सिर्फ सतर्क रहने की जरूरत नहीं है।

जहांगीरपुरी हिंसा : दिल्ली पुलिस ने वांछित आरोपी फरीद को पश्चिम बंगाल से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस हिंसा के वांछित आरोपी व मास्टरमाइंड फरीद को क्राइम ब्रांच की टीम ने पश्चिम बंगाल से किया गिरफ्तार है। इसके साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम अब तक 32 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है जिसमें से 29 बालिग है और तीन नाबालिग जिन्हें बाल सुधार गृह भेजा गया है।

इससे पहले, दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने हिंसा करने के आरोप में दो और आरोपी जफर और बाबुद्दीन को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी रिश्ते में भाई हैं। दोनों पर भीड़ में शामिल होकर हिंसा करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि ये दोनों आरोपी हिंसा के मुख्य आरोपी मोहम्मद अंसार को जानते हैं। इन पर हिंसा वाले दिन शोभायात्रा में शामिल लोगों पर कांच की बोतलों से हमला करने का आरोप है। साथ ही ये लोग तलवार भी लहरा रहे थे। फिलहाल, दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की कस्टडी में अंसार समेत 9 आरोपी हैं, जिनसे लगातार पुलिस पूछताछ कर और आरोपियों का पता लगा रही है।

गौरतलब है कि बीते 16 अप्रैल को जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती की शोभायात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हो गई थी, जिसमें आठ पुलिसकर्मी और एक स्थानीय निवासी घायल हो गए थे। पुलिस के अनुसार, दो समुदायों के बीच झड़प के दौरान पथराव और आगजनी हुई थी। कुछ वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया।

दिल्ली में लगातार 7वें दिन 1000 से अधिक कोरोना मरीज मिले, दो ने तोड़ा दम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना के नए मामलों में वृद्धी जारी है और लगातार सातवें दिन 1000 से अधिक मरीज सामने आए। गुरुवार को दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,367 नए मामले सामने आए जबकि दो मरीज की मौत हो गई। इस अवधि में संक्रमण दर 4.62 प्रतिशत दर्ज की गई। आज आए आंकड़ों के साथ ही राजधानी में सक्रिय मरीजों की संख्या 5250 हो गई है। इसके अलावा, बीते 24 घंटों के दौरान 1070 लोगों को छुट्टी दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए बुधवार को 32,248 टेस्ट हुए जिसमें 4.62 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। दिल्ली में अभी तक 18,79,948 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 18,48,526 मरीज ठीक हो गए, जबकि 26172 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.39 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज बढ़कर 5250 हो गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 3636 मरीज भर्ती हैं वहीं अस्पतालों में 124 मरीज भर्ती हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में से आईसीयू में 37, ऑक्सीजन सपोर्ट पर 44 और वेंटिलेटर पर 2 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली में कोरोना के 20 फीसदी सक्रिय कोरोना मरीज कंटेनमेंट जोन के अंदर हैं। कोरोना संक्रमण की चेन को खत्म करने के लिए कंटेनमेंट जोन तेजी से बनाए जा रहे हैं। दिल्ली में पांच दिन पहले जहां 647 कंटेनमेंट जोन थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 919 हो गई है। इसमें 123 कंटेनमेंट जोन तो 24 घंटे में बनाए गए हैं। वहीं पिछले पांच दिन में कोरोन जांच भी दोगुनी कर दी गई है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में कोविड के केस ज्यादा आ रहे हैं, लेकिन कोई गंभीर मरीज नहीं है। दिल्ली में करीब पांच हजार सक्रिय मरीज हैं। पहले की कोरोना लहरों में जब पांच हजार सक्रिय मरीज होते थे तो एक हजार अस्पताल में भर्ती होते थे।

संपादकीय

हर साल जलते जंगलों और बढ़ती गरमी का समाधान

जंगल की आग और लू से लड़ने में समन्वय व सहयोग की भूमिका अहम है। इंटर गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की छठी आकलन रिपोर्ट एशिया में लू या हीट वेव में वृद्धि के अनुमान लगाती है। दिल्ली में 1950 के बाद से अप्रैल महीने के पूर्वार्द्ध में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मार्च के लिए 1901 के बाद से उच्चतम औसत तापमान और लंबी अवधि की वर्षा में 71 प्रतिशत की गिरावट भी दर्ज की है। भारत के कुछ हिस्सों में सूखे में वृद्धि और जंगल की आग के फैलने की आशंका है। गरमी का दुष्प्रभाव और लंबे समय तक सूखा कई तरह की समस्याओं को जन्म देगा। अभी जंगल में आग की घटनाओं को कम करने के प्रयास सबसे ज्यादा दबाव में हैं। पूरी संभावना है कि शुष्क हालात और लू के थपेड़े जंगल की आग को और बढ़ा देंगे। जंगल में आग संबंधी उत्तराखंड राज्य वन विभाग के आंकड़ों (2000-2020) से यह संकेत मिलता है कि लगभग 2,400 हेक्टेयर वन क्षेत्र सालाना आग से प्रभावित होता है। वन विभाग के पास करीब डेढ़ दशक से मजबूत उपग्रह आधारित तकनीक है, जिससे जंगल में आग लगने की घटनाओं की वास्तविक समय पर सटीक जानकारी मिल जाती है। फिर भी, जंगल साल-दर-साल जलते रहते हैं। तकनीकी हस्तक्षेप उपयोगी होते हैं, लेकिन सिर्फ आग की घटना की निगरानी की हद तक। आग को कम करने के जमीनी उपाय गायब हैं, उनके लिए तकनीक से परे जाकर सोचने की जरूरत है। आग बुझाने की तत्काल कार्रवाई के लिए किसी ढलान या जगह पर पहुंचना मुश्किल होता है। क्लाउड सीडिंग और हेलिकॉप्टरों के माध्यम से जल छिड़काव भी बेहद अव्यावहारिक व अत्यधिक महंगा होता है। वन प्रबंधकों द्वारा व्यक्त की गई झूठी उम्मीदें भी समस्या हैं, जिसकी वजह से सरकार यथोचित समाधान से भटक जाती है। सार्वजनिक सरोकार भी आग के मौसम तक ही सीमित हैं, क्योंकि मानसून की पहली बौछारें जब पहाड़ों से टकराती हैं, तो मौसमी संरक्षणवादी आग के अगले मौसम के आने तक गायब हो जाते हैं। आग के कारणों के बारे में भ्रांतियां और गलत व्याख्याएं भी बड़ी चिंता का विषय हैं। उत्तराखंड में एक खास प्रजाति के पेड़ के ईद-गिर्द ज्यादा चिंता है। स्थानीय रूप से चिर पाइन के रूप में इसे जाना जाता है। यह एक देशी वृक्ष है, जो हजारों वर्षों से हिमालयी ढलानों पर खड़े हैं, और यहां का ग्राम समाज इनके प्रति बहुत आत्मीयता प्रदर्शित करता है। जंगलों में पेड़ों को बचाने के लिए ऐतिहासिक आंदोलन हुए हैं। अंग्रेजों द्वारा जंगलों के व्यावसायिक दोहन को मंजूरी देने के खिलाफ वर्ष 1916 का आंदोलन और साल1970 के दशक का चिपको आंदोलन बड़ी मिसाल हैं। जब पहाड़ में बसे लोगों ने पेड़ और कुल्हाड़ी के बीच अपना शरीर रख दिया था। यह एक झूठी धारणा है कि चीड़ के पेड़ जंगल की आग का प्राथमिक कारण हैं। उत्तराखंड में करीब 99 प्रतिशत जंगल की आग मानवीय गतिविधियों की वजह से लगती है। चीड़ के जंगल कोई अपने आप नहीं जलते। सुधार के लिए सोच और नीतियों में बदलाव जरूरी है। साक्ष्य बताते हैं कि जंगल में जब मानसून से पहले आग लगती है, तो अगली बार घास पहले से बेहतर उगते हैं। ध्यान रहे, चारे की कमी वाले क्षेत्रों में पशुधन को बनाए रखना मुश्किल है। चारे के लिए संघर्ष इस तथ्य से प्रकट होता है कि उत्तराखंड शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां महिलाओं को अब भी पशुओं के चारे के लिए पेड़ों पर चढ़ना पड़ता है। हां, चीड़ की छत्रछाया में चारे के उत्पादन के आशाजनक परिणाम मिले हैं। इस तरह की रणनीतियां पशुधन के लिए चारा उपलब्ध कराती हैं और महिलाओं के कठिन परिश्रम को कम करती हैं। सख्त वन नीतियों ने भी समाजों और वन विभाग के बीच एक अवरोध पैदा कर दिया है। खराब वन प्रबंधन ने समस्या के विस्तार में ही सहायता की है। पूरे मौसम चक्र के लिए जंगलों का शांत रहना जरूरी है। ऐसे में, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के अन्य इलाकों में ज्यादा गरमी और लू चलने की भविष्यवाणियां प्रतिकूल भविष्य की ओर इशारा करती हैं।

धैर्य रखिए!

आजकल के समय में, सभी के अंदर धैर्य की बहुत कमी है, बहुत सी बार कर्मचारियों से गलती हो जाती है, पर उसे समझाने की जगह मालिक उस पर चिल्लाने लगता है, उसे डांटने लगता है! अब जब भी वह गलती करेगा उसे आपकी डांट याद आएगी, अगर यही बात हमने उन्हें समझदारी से समझाही होती तो जब भी वह यह गलती करता तो जानता की इसके पीछे क्या नुकसान है! बचपन में भी बहुत से बच्चों को इस चीज से गुजरना होता है, कभी-कभी माता पिता और टीचर्स मैं धैर्य की कमी से उन्हें डांट पड़ती है यहां तक की मार भी पड़ती है! अब वह छोटा सा बच्चा जब जब वह गलती करेगा तो उसे उनकी डॉट और मार ही याद आएगी! कितना अच्छा होता अगर उसके बड़े उसे प्यार से समझा दे और क्या सही है, क्या गलत है, सब में फर्क बताते, पर नहीं कभी-कभी बड़ों को यह लगता है, की शॉर्टकट रास्ता अपना लिया जाए, इस डांट फटकार से उस बच्चे पर क्या असर पड़ता है, उसका उन्हें अंदाजा भी नहीं, अब बड़े होते होते जब जब कोई और भी वह गलती करेगा तो वह बच्चा यही समझेगा की डांट ना और फटकारना इसका उपाय है क्योंकि उसने भी यही देखा, समझा, और सींखा! यहां तक की जब बड़ा हो जाएगा और कोई गलती करेगा तो खुद को सजा देगा इसीलिए आजकल बहुत से लोग कभी खुद को मारते हैं, चिल्लाते हैं, यहां तक की आत्महत्या तक कर लेते हैं क्योंकि उन्हें लगता है वह सजा के पात्र हैं! अगर हम इंसान है तो हमें हर बात में इंसानियत रखनी चाहिए! हम अपने बच्चों पर किसी तरह का दबाव तो नहीं डाल रहे हैं! क्या हम उन्हें छोटी-छोटी बात पर हाथ तो नहीं उठा रहे हे! क्या सबके सामने उनके बेज्जती तो नहीं कर रहे हो! माता पिता और टीचरस भगवान का रूप माने जाते हैं पर यह भी इंसानी व्यवहार नहीं है की हम अपनों से छोटौ पर यहां तक कि किसी पर भी हाथ उठाए और क्रोध करें या मजाक उड़ाए! किसी की गरिमा को ठेस पहुंचाना, चाहे वह छोटा सा बच्चा ही क्यों ना हो, सरासर गलत है! यहां तक की गिड़गिड़ा कर, रो कर अपनी बात को मनवा ना भी अधीरता है!

अक्सर एक वाक्य पूछा जाता है की अकल बड़ी या भैंस बड़ी? क्योंकि अगर इंसान दिमाग से और शांति से कोई बड़ी से बड़ी लड़ाई लड़े तो वह लड़ाई बहुत आसानी से लड़ सकता है, अपने दिमाग के बल पर ना कि हाथ पैरों से, और यही तो फर्क है इंसान और जानवर में! जानवर अपने बच्चों को बोलकर और समझदारी से अपनी बातों को समझा नहीं सकते हैं पर इंसान कर सकता है! क्यों ना हमको ऊपर वाले ने माता पिता, टीचर, मालिक बनाया हो पर इन सभी रिश्तो को हम प्यार, अच्छे व्यवहार, शिष्टाचार, और धैर्य के साथ निभा सकते हैं!

छोटी सी जिंदगी है, तो क्यों ना हम सभी से प्यार से, खुशी से, शिष्टाचार से, धैर्य से, सम्मान से, सत्कार से, अच्छाई से, समझदारी से पेश आए और सोचे, समझे कि अगर हम उनकी जगह होते तो कैसा व्यवहार चाहते, ठीक वैसा ही व्यवहार हमें किसी की गलती पर करना चाहिए! विशेष रुप से छोटे बच्चे, अच्छे व्यक्ति के साथ! हां अगर कोई अपराध करे तो, कानूनी कार्यवाही उन अपराधियों के खिलाफ की जाए पर हमें खुद को जीवन में शांति चाहिए, प्रसन्न मन चाहिए तो हमें खुद को और दूसरों को हर बात समझदारी और धैर्य से समझानि होगी! पहले तो हम अपने आप को यह बात समझाएं की हर एक चीज का समाधान हो सकता है! किसी पर भी अपने या अपनों से बड़ों के फैसले को दूसरों पर ना थोपे! बहुत से माता पिता अपने बच्चों की शादी जल्दबाजी मैं करा देते हैं क्योंकि उनके दादा दादी या नाना नानी की यह आखिरी इच्छा होती है, पर उन बच्चों के भविष्य का क्या? तो आप उन्हें प्यार और स्नेह देते हुए समझाएं!

बहुत से बच्चे शादी होते ही कुछ महीनों में अपने मां-बाप से अलग हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वह कभी नहीं समझेंगे की उनकी बहू बेटे उनसे क्या चाहते हैं! पर वो यह भूल जाते हैं की जब से वह मां-बाप बने है, तो उनकी चाहत के लिए ही तो जी रहे हैं, क्यों ना हम भी उन्हें ठीक वैसे ही समझाएं जैसे वह हमें बचपन में समझाते थे, जब उन्होंने हमें बचपन में नहीं छोड़ा तो हम उनको उनके बुढ़ापे में अलग क्यों कर दे! धैर्य से काम ले, हर बात पर जल्दबाजी, दुर्व्यवहार करना, अपशब्द का उपयोग करना बंद करें!

विश्व नृत्य दिवस- 29 अप्रैल 2022

नृत्य है अपूर्व शांति का माध्यम

-ललित गर्ग -

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पूरे विश्व में 29 अप्रैल मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की शुरुआत 29 अप्रैल 1982 से हुई। 'बैले के शेक्सपियर' की उपाधि से सम्मानित एक महान् रिफॉर्मर एवं लेखक जीन जार्ज नावेरे के जन्म दिवस की स्मृति में यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय थिएटर इंस्टीट्यूट की डांस कमेटी ने 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप स्थापित किया है। जीन जार्ज नावेरे ने 1760 में 'लेटर्स ऑन द डांस' नाम से एक पुस्तक लिखी थी, जिसमें नृत्य कला की बारीकियों को प्रस्तुत किया गया। जबकि नृत्य की उत्पत्ति भारत में ही हुई है, यहां की नृत्य कला अति प्राचीन है, कहा जाता है कि यहां नृत्य की उत्पत्ति 2000 वर्ष पूर्व त्रेतायुग में देवताओं की विनती पर ब्रह्माजी ने की और उन्होंने नृत्य वेद तैयार किया, तभी से नृत्य की उत्पत्ति संसार में मानी जाती है। इस नृत्य वेद में सामवेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद व ऋग्वेद से कई चीजों को शामिल किया गया और जब नृत्य वेद की रचना पूरी हो गई, तब नृत्य करने का अभ्यास भरत मुनि के सौ पुत्रों ने किया। नृत्य के कई प्रकार हैं जिनमें भरतनाट्यम, कुचीपुड़ी, छाउ, कथकली, मोहिनीअट्टम, ओडिसी आदि है। मनुष्य की प्रवृत्ति है, सुख और शांति की तलाश, जिसमें नृत्य-कला की महत्वपूर्ण भूमिका है। नृत्य खुशी, शांति, संस्कृति और सभ्यता को जाहिर करने की एक प्रदर्शन-कला है। खुद नाचकर या नृत्य देखकर हमारा मिजाज भी थिरक उठता है और हमारी आत्मा तक उस पर ताल देती है। नृत्य जीवन की मुस्कान और खुशियों की बौछार है।

हमारे देश में प्राचीन समय से नृत्य की समृद्ध परम्परा चली आ रही है। नृत्य के अनेक प्रकारों में कथकली प्रमुख है, यह नृत्य 17वीं शताब्दी में केरल राज्य से आया। इस नृत्य में आकर्षक वेशभूषा, इशारों व शारीरिक थिरकन से पूरी एक कहानी को दर्शाया जाता है। इस नृत्य में कलाकार का गहरे रंग का श्रृंगार किया जाता है, जिससे उसके चेहरे की अभिव्यक्ति स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके। मोहिनीअट्टम नृत्य भी केरल राज्य का है। मोहिनीअट्टम नृत्य कलाकार का भगवान के प्रति अपने प्यार व समर्पण को दर्शाता है। इसमें नृत्यांगना सुनहरे बॉर्डर वाली सफेद साड़ी पहनकर नृत्य करती है, साथ ही गहने भी काफी भारी-भरकम पहने जाते हैं। इसमें सादा श्रृंगार किया जाता है। ओडिसी ओडिशा राज्य का प्रमुख नृत्य है। यह नृत्य भगवान कृष्ण के प्रति अपनी आराधना व प्रेम दर्शाने वाला है। इस नृत्य में सिर, छाती व श्रोणि का स्वतंत्र आंदोलन होता है। भुवनेश्वर स्थित उदयगिरि एवं खंडगिरी की पहाड़ियों में इसकी छवि दिखती है। इस नृत्य की कलाकृतियाँ उड़ीसा में बने भगवान जगन्नाथ के मंदिर पुरी व सूर्य मंदिर कोणार्क पर बनी हुई हैं। कथक लोक नृत्य की उत्पत्ति उत्तर प्रदेश में हुई है, जिसमें राधाकृष्ण की नटवरी शैली को प्रदर्शित किया जाता है। कथक का नाम संस्कृत शब्द कहानी व कथार्थ से प्राप्त होता है। मुगलराज आने के बाद जब यह नृत्य मुस्लिम दरबार में किया जाने लगा तो इस नृत्य पर मनोरंजन हावी हो गया। भरतनाट्यम नृत्य एक शास्त्रीय नृत्य है जो तमिलनाडु राज्य का है। पुराने समय में मुख्यत: मंदिरों में नृत्यांगनाओं द्वारा इस नृत्य को किया जाता था, जिन्हें देवदासी कहा जाता था। इस पारंपरिक नृत्य को दया, पवित्रता व कोमलता के लिए जाना जाता है। यह पारंपरिक नृत्य पूरे विश्व में लोकप्रिय है।

कुचिपुड़ी नृत्य की उत्पत्ति आंध्रप्रदेश में हुई, इस नृत्य को भगवान मेला नटकम नाम से भी जाना जाता है। इस नृत्य में गीत, चरित्र की मनोदशा एक नाटक से शुरू होती है। इसमें खासतौर से कर्नाटक संगीत का उपयोग किया जाता है। साथ में ही वायलिन, मृदंगम, बांसुरी की संगत होती है। कलाकारों द्वारा पहने गए गहने 'बेरुगू' बहुत हल्के लकड़ी के बने होते हैं। मणिपुरी नृत्य शास्त्रीय नृत्यरूपों में से एक है। इस नृत्य की शैली को जोगाई कहा जाता है। प्राचीन समय में इस नृत्य को सूर्य के चारों ओर घूमने वाले ग्रहों की संज्ञा दी गई है। एक समय जब भगवान श्रीकृष्ण, राधा व गोपियाँ रासलीला कर रहे थे तो भगवान शिव ने वहाँ किसी के भी जाने पर रोक लगा दी थी, लेकिन माँ पार्वती द्वारा इच्छा जाहिर करने पर भगवान शिव ने मणिपुर में यह नृत्य करवाया। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस भारत के इन नृत्यों से पूरे विश्व को परिचित कराने का माध्यम है। वैसे इस दिवस को मनाने का उद्देश्य जनसाधारण के बीच नृत्य की महत्ता को उजागर करना था। जिससे लोगों में नृत्य के प्रति रूचि जागे, जागरूकता फैले। साथ ही सरकारें पूरे विश्व में नृत्य को शिक्षा प्रणाली से जोड़े। भारत के विभिन्न नृत्यकलाओं में निपुण अनेक नर्तकों एवं नृत्यांगनाओं ने पूरी दुनिया में भारतीय नृत्य कलाओं का नाम रोशन कर रहे हैं। जिनमें सोनल मानसिंह, यामिनी कृष्णामूर्ति, केलुचरण महापात्रा आदि चर्चित नाम है, इनदिनों परामिता भट्टाचार्य एक उभरता हुआ नाम है, जो अमेरिका में भारतीय नृत्य की धुम मचाते हुए उसे पहचान दिलाने के लिये तत्पर है। एक कथक नृत्यांगना होने के अलावा परामिता एक प्रसिद्ध कोरियोग्राफर, नृत्य शिक्षक, वक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता भी है। 'शास्त्रीय नृत्य' के क्षेत्र में उनके अनूठे योगदान के लिये उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों से प्रशंसा मिली है। लॉस एंजिल्स में रहते हुए उन्होंने न केवल वहां के भारतीय लोगों बल्कि अमेरिकी लोगों के बीच अपनी विशेष पहचान बनाकर भारतीय नृत्य कला को प्रसिद्धि के नये मुकाम प्रदान किये है।

परामिता भट्टाचार्य का मानना है कि पारंपरिक शास्त्रीय कला लोगों को अपने जीवन को शांत एवं खुशहाल बनाने और व्यक्तित्व विकास में मदद कर सकता है क्योंकि यह मन, शरीर और आत्मा की भाषा से संबंधित है। वह महसूस करती है कि विदेशी धरती पर भारतीय कला जीवंत करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण है, लेकिन विभिन्न लोगों के साथ बातचीत करने के लिए दिलचस्प है। भारतीय कला-संस्कृति सांस्कृतिक आदान-प्रदान करने और विश्वबधुंत्व की भावना, प्यार, दोस्ती और शांति फैलाने का सशक्त माध्यम है। अपने गुरु पंडित बिरजू महाराज के बारे में परामिता ने कहा कि उन्होंने उनके अंदर नृत्य, संगीत, दर्शन और रस का समावेश किया। परामिता ने कहा कि आज का समय क्लासिकल डांस के लिए उदयकाल है। बकौल परामिता, 'युवा नृत्य साधक नए-नए विचारों के साथ सामने आ रहे हैं और इससे मैं मानती हूं कि यह भारतीय पारंपरिक नृत्य के लिए उदयकाल है।'

निश्चित ही नृत्य एक सशक्त दैवीय अभिव्यक्ति है जो पृथ्वी और आकाश से संवाद करती है। हमारी खुशी, हमारे भय और हमारी आकांक्षाओं को व्यक्त करती है। नृत्य अमूर्त है फिर भी जन के मन के संज्ञान और बोध को परिलक्षित करता है। मनोदशाओं को और चरित्र को दर्शाता है। नृत्य में हाथों की श्रृंखला बनाकर एक दूसरे के स्नेह और जोश को महसूस किया जाता है, जिसे आपस में बांटा जाता हैं और सामूहिक लय पर गतिमान होते हुए देखा जाता हैं। नृत्य समानांतर रेखाओं के उस बिंदु पर होता है जहाँ रेखाएं एक-दूसरे से मिलती हुई प्रतीत होती हैं। गति और संचालन से भाव-भंगिमाओं का सृजन और ओझल होना एक ही पल में होता रहता है। नृत्य केवल उसी क्षणिक पल में अस्तित्व में आता है। यह क्षण बहुमूल्य एवं अनूठा होता है। यह जीवन का लक्षण है। आधुनिक युग में, भाव-भंगिमाओं की छवियाँ लाखों रूप ले लेती हैं। वो आकर्षक होती है। परन्तु ये नृत्य का स्थान नहीं ले सकतीं क्योंकि छवियाँ सांस नहीं लेती जबकि नृत्य जीवन का उत्सव है। चीनी कविताओं के संकलन 'द बुक ऑफ सोंग्स' में नृत्य के महत्व पर एक कविता का भावार्थ है कि द्रवित भावनाएं शब्दों के अभाव में आहें बनती है, आहें भी अक्षम होने पर गीतों में व्यक्त होती है। गीत नहीं पूरे पड़ते तो अनायास हमारे हाथ नृत्य करने लगते हैं और पाँव थिरकने लगते हैं। इस तरह नृत्य का हमारे जीवन की खुशियों से सीधा रिश्ता है। नृत्य एक प्रकार का योग है, जिससे जुड़कर हम नृत्य द्वारा अपनी कुंठाओं, निराशाओं एवं तनाव को कम कर सकते हैं तथा संतुलित जीवन जी सकते हैं। नृत्य द्वारा स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी प्रफुल्लित किया जा सकता है। इसलिये अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस को केवल आयोजनात्मक ही नहीं प्रयोजनात्मक बनाने की अपेक्षा है।

कश्मीर में लोक कल्याण तो बढ़ गया है पर लोकतंत्र की वापसी कब होगी?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जम्मू-कश्मीर में लोगों की शिकायत यह भी है कि अगस्त 2019 में उसका जो विशेष दर्जा खत्म किया गया था, उसे केंद्र सरकार कब तक अधर में लटकाए रखेगी? प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों ने आश्वासन दिया था कि उसे राज्य का दर्जा फिर से वापस किया जाएगा।

पंचायती राज दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री ने जम्मू में ऐसी परियोजनाओं का शिलान्यास किया है, जिनसे जम्मू-कश्मीर की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। 20 हजार करोड़ रुपए सरकार लगाएगी और 38 हजार करोड़ रुपए का निवेश पिछले दो साल में हो चुका है। प्रधानमंत्री के साथ दुबई और अबू धाबी के निवेशक भी उस समारोह में उपस्थित थे। इस निवेश से कश्मीर के लोगों की सुविधाएं बढ़ेंगी और लाखों नए रोजगार भी पैदा होंगे। जम्मू के पल्ली गांव में 500 किलोवाट के सोलर प्लांट का शुभारंभ करके उन्होंने सारे देश को संदेश दिया है कि भारत चाहे तो अगले कुछ ही वर्षों में बिजली, ईंधन और तेल के प्रदूषण से मुक्त हो सकता है।

बनीहाल से क़ाजीगुंड तक की सुरंग जैसे कई निर्माण-कार्य संपन्न होंगे, जिनके परिणामस्वरूप आवागमन और यातायात अधिक सुरक्षित और सुगम हो जाएगा। केंद्र सरकार आजकल जम्मू-कश्मीर के लिए पहले की तुलना में ज्यादा योगदान कर रही है। उसके कुल खर्च का 64 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार देती है। देश के बहुत कम राज्यों को इतनी बड़ी मात्रा में केंद्र सरकार की मदद मिलती है। पंचायत राज दिवस के दिन जम्मू-कश्मीर के लिए की गई इन घोषणाओं का स्वागत है लेकिन यह बड़ा सवाल भी विचारणीय है कि देश में पंचायतों को हमने अधिकार कितने दिए हैं? पंचायतों को ताकतवर बनाने का अर्थ है— सत्ता का विकेंद्रीकरण! क्या केंद्र और राज्यों की सरकारें इसके लिए सहर्ष तैयार हैं।

जम्मू-कश्मीर में लोगों की शिकायत यह भी है कि अगस्त 2019 में उसका जो विशेष दर्जा खत्म किया गया था, उसे केंद्र सरकार कब तक अधर में लटकाए रखेगी? प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों ने आश्वासन दिया था कि उसे राज्य का दर्जा फिर से वापस किया जाएगा। गुपकर गठबंधन ने उस विशेष दर्जे की मांग जोरों से की है। उसने 2020 के जिला विकास परिषद के चुनावों में स्पष्ट विजय भी हासिल की थी। उसे यह शिकायत भी है कि विधानसभा में जम्मू की 6 सीटें बढ़ाकर कश्मीर को हल्का किया जा रहा है। कश्मीरी नेताओं का वर्तमान प्रतिबंधों से दम घुट रहा है, इसमें शक नहीं है लेकिन कश्मीर में पहले के मुकाबले इस समय शांति और व्यवस्था बेहतर है, यह भी सत्य है। आतंकी घटनाएं भी कभी-कभी होती रहती हैं लेकिन बड़े पैमाने पर इधर कोई आतंकी घटना की खबर नहीं है। इसका श्रेय मुस्तैद उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और उनके योग्य अफसरों को है लेकिन जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति तभी बनेगी, जब लोकतांत्रिक प्रक्रिया वहां बाक़ायदा शुरू हो जाएगी।

अब जम्मू-कश्मीर बाहरी लोगों के लिए भी खुल गया है। वे वहां अन्य प्रांतों की तरह जाकर रह सकते हैं। गर्मियों में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाने से लाखों लोगों की आर्थिक राहत भी बढ़ी है। इसके अलावा पाकिस्तान में शहबाज़ शरीफ की सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह सीमा-पार आतंकवाद पर सख्ती से काबू करेगी और कश्मीर के सवाल पर भारत सरकार के साथ सार्थक संवाद भी करेगी। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीरियों को जो यह संदेश दिया है कि आपके माता-पिता और उनके माता-पिता ने जैसी तकलीफें सही हैं, वैसी आपको अब नहीं सहनी पड़ेंगी, अपने आप में दिल को छूने वाला है। उम्मीद है कि ऐसा माहौल कश्मीर में शीघ्र ही बन सकेगा।

देश की रीढ़ कृषि क्षेत्र

किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी और नवोन्वेषी कृषि अभियान सहित कृषि विकासोन्मुख अभियानों को युद्ध स्तर पर चलाना समय की मांग

कृषि क्षेत्र के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों को कृषक समुदाय तक पहुंचाने अथक मेहनत, वैज्ञानिक कौशलता व हितैषी नीतियों का अभूतपूर्व संगम ज़रूरी – एड किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर प्रौद्योगिकियों के बढ़ते अति उन्नत नवाचारों, तकनीकों, क्रियाकलापों के कारण हर देश हर, क्षेत्र को वर्तमान प्रौद्योगिकियों के अनुसार परिवर्तित करने, इंफ्रास्ट्रक्चर को अपडेट करने सहित अपनी विस्तारित निर्णयों, नीतियों, रणनीतिक साझेदारीयों को विस्तारित परिपेक्ष में अमल में लाने को मजबूर हो गए हैं। क्योंकि आधुनिकता के दौर में कन्वर्ट नहीं होने से तेजी से पिछड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता यही कारण है कि भारत भी तेजी के साथ नवाचारों, नवोन्वेषी से भारत के हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी अनुसार बदलाव करते जा रहा है क्योंकि भारत एक ग्रामीण व कृषि प्रधान देश है इसलिए हमारे लिए यह प्राथमिकता है कि हम कृषि क्षेत्र को पहले प्रौद्योगिकी की सहायता से अति आधुनिक करें ताकि अधिकतम आबादी को लाभ हो के दायरे में लाया जा सके

साथियों बात अगर हम कृषि क्षेत्र में आधुनिकता की करे तो यह काम करीब एक दशक से शुरू है परंतु उस परिपेक्ष में इस क्षेत्र को अति आधुनिक नहीं किया जा सका है जितना करने की जरूरत है जिसका कारण है कृषक समुदाय में जागरूकता, शिक्षा और जानकारी की कमी!! हमारे बड़े बुजुर्गो का कहना सच ही है कि जब तक किसी बात, जानकारी या तकनीकी को अपने दिलो-दिमाग और हृदय में नहीं बसाते वह तुमसे नहीं हो सकेगा चाहे कितनी भी कागजों पर तुम प्लानिंग कर लो!! बात बिल्कुल सच है याने दूसरी भाषा में हम कहेंगे तो इसी योजना तकनीकी प्रौद्योगिकी का अगर हम अभियान चलाकर उस क्षेत्र में उसे संचालित कर उसके फायदे को कृषि समुदाय से अवगत नहीं कराएंगे तब तक उसको क्रियान्वयन करने में कठिनाई होगी। बस!! यही बात और कृषि क्षेत्र की नस सरकार के पकड़ आई है और सही दिशा में कदम बढ़ाना चालू किया है जो पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि किसानोंको लाभान्वित योजनाओं का अभियान चलाकर कृषक समुदाय को जनजागृत कर समझाया जा रहा है।

साथियों बात अगर हम इस परिपेक्ष में किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान की करें तो 25 अप्रैल से 30 अप्रैल 2022 तक बातचीत कर कृषक समुदाय को विभिन्न परियोजनाओं, तकनीकों की जानकारी प्रदान कर उपलब्धियों, किसी को मिलने वाले लाभों को जमीनी स्तर पर आकलन करना है।

साथियों बात अगर हम 26 अप्रैल 2022 को केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा इस अभियान की शुरुआत कर संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, कृषक समुदाय को मजबूत करने के लिए 'किसान भागीदारी प्रथमिकता हमारी'' अभियान समर्पित किया जा रहा है। इसमें देश भर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों और अन्य कृषि संस्थानों में लाखों किसानों, कई सांसदों और अन्य जन प्रतिनिधियों और वैज्ञानिकों ने मेलों के माध्यम से भाग लिया। उन्होंने किसानों से कहा कि वे समय के साथ प्रयोग करने और बदलने के लिए तैयार रहें, उन्हें नई किस्म के बीजों का उपयोग करने, अपनी मिट्टी की गुणवत्ता का परीक्षण करने, किसान उत्पादक संगठनों में शामिल होने और ड्रोन सहित प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए तैयार रहना चाहिए। किसानों को पीएम फसल बीमा योजना के सुरक्षा कवच के तहत आने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। प्राकृतिक खेती पर उन्होंने कहा कि इसे बढ़ावा दिया जा रहा है और आईसीएआर इसे पाठ्यक्रम में शामिल कर रहा है।

साथियों बात अगर हम नवोन्वेषी कृषि पर दिनांक 25 अप्रैल 2022 को हुई राष्ट्रीय कार्यशाला में केंद्रीय कृषि मंत्री के विचारों की करे तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं हैं, हमारे सिद्धांत है लेकिन युग के साथ चलना भी हमें आता है। हम लकीर के फकीर नहीं है। सभी को आगे बढ़ने की ललक है। समय के साथ हम अपने-आप को दुरुस्त करें, यह बात देश में आध्यात्मिक व व्यापारिक दृष्टि से स्थापित रही है, जो अब कृषि क्षेत्र में भी प्राकृतिक खेती को अपनाने के रूप में होना चाहिए। प्रकृति से संतुलन बैठाने वाली पद्धति के माध्यम से हम तेजी के साथ आगे बढ़ सकेंगे, जो समयानुकूल भी है। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि कृषि क्षेत्र के माध्यम से रोजगार की उपलब्धता बढ़ें, पढ़े-लिखे युवाओं को गांवों में ही रोजगार मिलें। प्राकृतिक खेती के माध्यम से भूमि की सेहत तो ठीक होगी ही, नए रोजगार भी सृजित होंगे।

रसायनिक खेती के दुष्प्रभावों का आंकलन करते हुए केंद्र सरकार ने पीएम के मार्गदर्शनमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का निश्चय किया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी देशी प्राचीन पद्धति ही है, जिसमें खेती की लागत कम आती है और प्राकृतिक संतुलन स्थापित होने से किसानों को फायदा पहुंचता है। प्राकृतिक खेती रसायनमुक्त व पशुधन आधारित है, जिससे लागत में कमी के साथ ही किसानों की आय में वृद्धि स्थिर पैदावार होगी तथा पर्यावरण व मृदा स्वास्थ्य सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि कृषि मंत्रालय द्वारा भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति की उप -योजना के माध्यम से किसानों को प्रेरित-प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक खेती का रकबा बढ़ रहा है, जो अभी लगभग चार लाख हेक्टेयर क्षेत्र तक पहुंच चुका है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए पीएम नें देशव्यापी अभियान प्रारंभ किया है और इस दिशा में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग भी मिशन मोड में कार्य करने जा रहा है। कृषि संबंधी पाठ्यक्रमों में भी प्राकृतिक खेती का विषय शामिल करने को लेकर बनाई गई समिति ने भी काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ तालमेल बढ़ेगा, जिसके कृषि क्षेत्र में- गांवों में ही रोजगार बढ़ने सहित देश को व्यापक फायदे होंगे।

ट्रूकॉलर से अपना नाम और नंबर हटाना चाहते हैं, तो अपनाएं यह उपाय

इसके लिए सबसे पहले आपको ट्रूकॉलर एप्लीकेशन ओपन करना होगा। उसके बाद राइट कॉर्नर में टॉप पर आ रहे आइकन पर ज्यों ही क्लिक करेंगे उसके बाद आप सेटिंग में चले जाएंगे। सेटिंग के बाद अबाउट में जाइए और वहां पर डीएक्टीवेशन अकाउंट ऑप्शन पर सिलेक्ट कर सकते हैं। जैसे ही आप सेलेक्ट करेंगे आपको एक पॉपअप नजर आएगा, वहां पर आप अपने अकाउंट को डिसएबल कर सकते हैं और अपना प्रोफाइल का डेटा हटा सकते हैं। इसके बाद आप यस पर टैप करेंगे और तब आप ट्रूकॉलर से लॉग आउट हो जाएंगे। उसके बाद आप इस सर्विस से अपना नंबर निकालने के लिए आगे बढ़ सकते हैं। ध्यान दीजिए अगर आप ट्रूकॉलर एप में सर्च का हिस्सा नहीं बने रहना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको पहले अपना ट्रूकॉलर अकाउंट डीएक्टिवेट करना होगा। उसके बाद आपको खुद को अनलिस्ट करना होगा और अनलिस्ट करने के लिए आपको truecaller.com वेबसाइट पर जाना होगा। इसके बाद अनलिस्ट फोन नंबर पेज पर जाइए इसके बाद कंट्री कोड के साथ अपना फोन नंबर डालिए और जो ही आप वेरीफाई करते हैं कि आप रोबोट नहीं है तो आप को अन लिस्ट करने के रिजल्ट में से एक पर टैप करना होता है।

शार्ट न्यूज

सफारी में हिरणों की मौत को गंभीरता से ले योगी सरकार : अखिलेश

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा सफारी पार्क में बफर जोन में तेंदुए के हमले में हिरणों की मौत के मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरूवार को योगी सरकार से कहा कि वह हिरणों की मौत को गंभीरता से ले और हमलावर तेंदुआ को पकड़ना सुनिश्चित करे। सफारी प्रबंधन केवल छह हिरणों की मौत को स्वीकार कर रहा है जबकि सफारी के भीतरी सूत्र कम से कम 40 हिरणो की मौत की बात बता रहा है। इटावा पहुंचे सपा प्रमुख ने ट्वीट करके मांग की है कि हिरणों की मौत को सरकार गंभीरता से ले और तुरंत तेंदुआ पकड़ने की सार्थक योजना बनाए। उन्होंने कहा कि सफारी प्रशासन को मुस्तैदी के साथ हर संभव प्रयास कर भविष्य में ऐसी घुसपैठ को नाकाम करने के पुख्ता इंतजाम करने चाहिए। सफारी पार्क में एक अप्रैल को तेंदुआ फिशर वन फोरेस्ट के जंगल से हिरण सफारी में घुस आया था ।इसके बाद कई हिरणों की मौत होना सामने आया था। हालांकि एक सप्ताह तक सफारी प्रशासन हिरणों की मौत को सामान्य मौत बताता रहा, उसके बाद तीन हिरणों की मौत को तेंदुआ के द्वारा मारा जाना स्वीकार किया था। इनका पोस्टमार्टम भी कराया गया था। तेंदुआ की खोजबीन के लिए एक दर्जन कर्मचारी लगाए गए थे। पिंजड़ा भी लगाया गया लेकिन तेंदुआ उसमें नहीं फंसा।

सुरक्षा के बीच पढ़ी जायेगी अलविदा की नमाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच शुक्रवार को 31 हजार से अधिक इबादत स्थलों पर अलविदा की नमाज अदा की जायेगी। गृह विभाग के सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि अलविदा की नमाज के लिये सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम पूरे कर लिये गये हैं। प्रदेश में 31 हजार 151 स्थलों पर अलविदा की नमाज अदा की जायेगी। दो हजार 705 संवेदनशील स्थानो पर इस मौके पर सुरक्षा बल के जवान पैनी नजर रखेंगे। 19 हजार 949 मस्जिदों के अलावा सात हजार 436 ईदगाहों पर अलविदा की नमाज अदा की जायेगी। उन्होने बताया कि इस अवसर पर कानून व्यवस्था पर नजर रखने के लिये 46 कंपनी पीएसी,सात कंपनी सीएपीएफ के अलावा स्थानीय पुलिस के जवान तैनात किये गये हैं। सूत्रों ने बताया कि धर्मस्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर अंकुश लगाने के न्यायालय के आदेश के अनुपालन में अब तक प्रदेश में 21 हजार 963 पूजा स्थलों से लाउडस्पीकर हटाये जा चुके है जबकि 42 हजार 332 लाउडस्पीकरों की आवाज कम की गयी है।

महंत नृत्य गोपाल दास की सेहत में सुधार

लखनऊ। पेशाब में संक्रमण की समस्या के कारण पिछले रविवार को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की सेहत में सुधार हो रहा है। अस्पताल के निदेशक डा राकेश कपूर ने गुरूवार को बताया कि पेशाब में इन्फेक्शन होने और सामान्य कमजोरी की वजह से क्रिटिकल केयर टीम की निगरानी में अयोध्या से मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में भर्ती करा गया था। उनकी तबियत अभी संतोषजनक है। उन्होने बताया कि आज उनकी सेहत में सुधार देखा गया तथा उनकी तबियत अभी स्थिर एवं संतोषजनक है। उन्हें अभी क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों और यूरोलॉजी की टीम की कड़ी निगरानी में रखा गया है ।

महाराष्ट्र का दुर्भाग्य यहां योगी नहीं बल्कि सत्ता भोगी हैं : राज ठाकरे

लखनऊ। धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतारे जाने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले की सराहना करते हुये महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राज ठाकरे ने कहा कि यह महाराष्ट्र का दुर्भाग्य है कि यहां कोई योगी नहीं है बल्कि सिर्फ सत्ता भोगी हैं। ठाकरे ने गुरूवार को ट्वीट किया धार्मिक स्थलों विशेषकर मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारने के लिये मैं तहेदिल से योगी सरकार को बधाई देता हूं और आभार व्यक्त करता हूं। दुर्भाग्य से महाराष्ट्र में कोई योगी नहीं है बल्कि सिर्फ सत्ता भोगी हैं। मैं महाराष्ट्र सरकार की सदबुद्धि के लिये ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर को हटाने अथवा उनकी आवाज कम करने का अभियान छेड़ रखा है। 30 अप्रैल तक चलने वाले अभियान में 11 हजार से अधिक लाउडस्पीकर हटाये जा चुके है जबकि 40 हजार से अधिक की आवाज में कमी की जा चुकी है।

प्रतापगढ़ : सड़क दुर्घटना में दो की मौत

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मृत्यु हो गयी। पुलिस की ओर से गुरुवार को दी गयी जानकारी के अनुसार जिले के थाना क्षेत्र कोहड़ौर के समदरियापुर गांव के निवासी लखई राम (56) पुत्र रामू और अकोढिया निवासी मान्धाता फूल चंद (45) पुत्र हरिलाल बुधवार को देर रात बाइक पर सवार होकर मोहन गंज से जेठवारा की तरफ जा रहे थे। तभी डोमीपुर भुआलपुर के पास इनकी बाइक पीछे से एक ट्रैक्टर से टकरा गयी। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गये। जेठवारा थाने की पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बांदा में भाजपा नेत्री की मौत के मामले में ससुर व पति पर मुकदमा दर्ज

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला पंचायत सदस्य श्वेता सिंह गौर की मौत के मामले में पुलिस ने उनके ससुर सेवानिवृत्त डीआईजी राम बहादुर सिंह, पति दीपक सिंह गौर तथा सास व जेठ सहित 4 लोगों के विरुद्ध हत्या और दहेज के लिये उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) राकेश कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि श्वेता सिंह के भाई ओंकार सिंह की तहरीर पर पुलिस ने पति दीपक सिंह गौर, ससुर राम बहादुर सिंह, सास व जेठ के विरुद्ध हत्या, उत्पीड़न व दहेज एक्ट का मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि बुधवार को हुयी इस घटना की विवेचना की जा रही है। इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है। सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि सेवानिवृत्ति डीआईजी राम बहादुर सिंह का परिवार बांदा के इंदिरा नगर मोहल्ले में रहता है। उनके पुत्र दीपक सिंह गौर भाजपा के नेता है। जिले के जसपुरा क्षेत्र में ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत सदस्य का वह दो बार चुनाव भी लड़ चुके थे। जिसमें सफलता न मिलने के बाद भाजपा नेता दीपक सिंह ने अपनी पत्नी श्वेता सिंह को राजनीति में आगे किया। जिसने पिछले जिला पंचायत के चुनाव में पहली बार ही जीत दर्ज कराकर पति की हार का बदला लिया और जिला पंचायत सदस्य चुनकर राजनीति की शुरुआत की। बेहद सरल एवं सामाजिक स्वभाव वाली श्वेता सिंह का राजनीति में महत्व एवं कद लगातार बढ़ने पर क्षेत्र में उसे पति से अधिक महत्व दिया जाने लगा था। बुधवार को अचानक श्वेता सिंह का शव घर पर पंखे की हुक में लटका मिलने से सनसनी फैल गई।

यूपी के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की बायोमीट्रिक से लगेगी हाजिर

लखनऊ। यूपी के प्राइमरी स्कूल भले ही बायोमीट्रिक हाजिरी अभी तक लागू नहीं कर पाए हों लेकिन माध्यमिक स्कूलों में इस पर काम शुरू हो गया है। सभी स्कूलों को 100 दिन के अंदर इसे लागू करना है। वहीं हर सरकारी स्कूल में वाईफाई की व्यवस्था भी की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव आराधना शुक्ला ने प्रदेश भर के स्कूलों की वस्तुस्थिति के बारे में रिपोर्ट तलब की है। इस रिपोर्ट के मिलने के बाद इसे लागू करने की कार्ययोजना बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री के सामने रखी गई 100 दिन की कार्ययोजना में स्कूलों की अपनी वेबसाइट और अपना ई-मेल आईडी भी बनाना होगा। इसे कैसे लागू किया जाएगा, इसमें कितने बजट की आवश्यकता है और किस तरह से बायोमीट्रिक हाजिरी की मॉनिटरिंग की जाए, इस पर कार्ययोजना बनाई जाएगी। माध्यमिक शिक्षा के स्कूलों में अभी तक बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य नहीं है।

यूपी कांग्रेस को जल्द ही नया अध्यक्ष मिलने की उम्मीद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मात्र दो सीटों पर सिमटी कांग्रेस खुद को नये सिरे से संवारने की मुहिम में जुटी हुयी है और इस दिशा में जल्द ही प्रदेश के नये पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जा सकती है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की रेस में आचार्य प्रमोद कृष्णम,पीएल पुनिया और निर्मल खत्री के नाम आगे चल रहे हैं।

पार्टी सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने हाल ही में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पार्टी के सभी राष्ट्रीय सचिवों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ दिल्ली में बैठक की है जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के अलावा संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई।

उन्होने बताया कि बैठक में पार्टी पदाधिकारियों की ओर से तीन तरह के सुझाव आए हैं। पहला, प्रदेश को चार जोन में बांटकर चारों के चार अलग-अलग अध्यक्ष बनाए जाएं ताकि पूरे प्रदेश को बेहतर तरीके से साधा जा सके। दूसरा, पार्टी का एक प्रदेश अध्यक्ष हो और चार कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाएं।

तीसरा, जो परिपाटी चली आ रही है, उसे ही जारी रखा जाए यानी कि पार्टी का एक प्रदेश अध्यक्ष हो।

सूत्रों के अनुसार श्रीमती वाड्रा चाहती हैं कि पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को लेकर जो भी निर्णय लिया जाए, उस पर पूरी पार्टी की सहमति हो ताकि संगठन की एकजुटता पर कोई असर न पड़े। इसके लिए जल्दी ही और बैठकें बुलाई जा सकती हैं। बैठक में कांग्रेस के सभी सचिव स्तर के नेता शामिल हुए। इनमें धीरज गुर्जर, राजेश तिवारी, बाजीराव खाड़े, तौकीर आलम, रोहित चौधरी और प्रदीप नरवाल के नाम शामिल हैं। इसके अलावा प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेताओं से भी अलग-अलग मुलाकात की जिनमें सलमान खुर्शीद, आचार्य प्रमोद कृष्णम, पीएल पुनिया, अजय राय, आराधना मिश्रा मोना और वीरेंद्र चौधरी समेत उत्तर प्रदेश के सभी बड़े नेता शामिल हैं।

इन बैठकों से साफ है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस को बहुत जल्द नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने जा रहा है जिसमें आचार्य प्रमोद कृष्णम, पीएल पुनिया और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री के नाम सबसे आगे चल रहे है मगर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान को ही करना है।

23 साल से रमजान में रोजे रख रहे हैं अमर सिंह

इटावा। रमजान के पाक महीने में मुस्लिमो का रोजा रखना आम बात है लेकिन इटावा के अमर सिंह शाक्य पिछले 23 सालों से रोजा रख कर जिले में गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल बने हुये हैं।

मोहल्ला शिवनगर अड्डा में 60 साल के अमर सिंह शाक्य पिछड़ी जाति से आते है। हिंदू समाज की सभी रीति रिवाज को मानने वाले और हिंदू समाज के तीज त्यौहार मनाते हैं । पूजा पाठ करते हैं। इसके साथ-साथ मुस्लिम धर्म में भी आस्था रखते हैं जिसके चलते रमजान के महीने में पूरे महीने रोजा रखते हैं । अमर एक चाय की दुकान चलाते हैं और रमजान के माह में साफ सफाई को ध्यान में रखते हुए पूरे महीना अपनी चाय की दुकान बंद रखते हैं।

अमर बताते है कि परिवार में कुल पांच लोग हैं वो,उनकी पत्नी शांति देवी,बेटी अंजली जिसकी शादी हो चुकी है,बेटा जितेंद्र शाक्य और बहू माया देवी और एक नाती जिसका नाम नैतिक शाक्य है।

वे मूल रूप से कन्नौज जिले के छिबरामऊ के पास बहबलपुर गांव के निवासी हैं वहीं पर एक मजार थी जिसकी देखभाल उनके पुरखे करते थे तभी से वो मजार वाले बाबा की सेवा करने लगा था।

उन्होने कहा इसके बाद समय बीतता गया और हमारे दिन बदल गए । हम लोग गांव छोड़कर इटावा शहर में आ गये । साल 1987 में इटावा में बनी सूत मिल में धागा निकालने की नौकरी करने लगा था और 2002 में सूत मील बंद हो गयी जिसके बाद नौकरी भी चली गयी थी फिर यहां पर घर बनवाया और उसमें भी कालू खां बाबा की याद में मजार बनवा ली थी तभी से रमजान महीने में पूरे रोजे रखते आ रहे हैं। रमजान के महीने में रोजा रखने से बड़ा सुकून मिलता है।

रोजेदार ने कहा कि रोजे रखने के बाद वो ईद पर भंडारा करवाते हैं वह नमाज अदा नहीं करते लेकिन सिर्फ हिंदी की कुरान पढ़ते हैं और प्रतिदिन घर पर मजार की सेवा करते हैं । कालू खां बाबा की आरती करते हैं उनकी पूजा करते हैं । इटावा शहर से करीब पंद्रह किलोमीटर दूर इकदिल के पास स्टेशन रोड पर रीतौर गांव में एक वृद्धाश्रम बनवाया है जहां पर सैकड़ों लोग आते जाते हैं और कालू खां बाबा की सेवा करते हैं।

अमर चाहते है कि अल्लाह सारी जिंदगी उनको इस लायक रखे कि वो इसी तरह से रमजान मे रोजे रखते आये ।

इटावा नगर पालिका परिषद के पूर्व चैयरमैन फुरकान अहमद बताते है कि अमर सिंह शाक्य रमजान मे रोजे रख कर हिंदु और मुस्लिम दोनो तबको के लिए लोगो के लिए प्रशंसनीय बन गये है।

पेपरलीक मामले के मास्टरमांइड पर लगा रासुका

बलिया। उत्तर प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी विषय के बलिया में पेपर लीक होने के मामले में बुधवार को गिरफ्तार किये गये मास्टर माइंड समेत तीन आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत मामला दर्ज किया गया है। बलिया के जिलाधिकारी की अनुमति से बलिया पुलिस ने इस मामले के मास्टर माइंड महराजी देवी स्मारक इंटर कालेज भीमपुरा के प्रबंधक निर्भय नारायण सिंह पुत्र विरेन्द्र सिंह (निवासी शाहपुर टिटिहा, भीमपुरा, बलिया) व नकल माफिया राजू उर्फ राजीव प्रजापति पुत्र रविन्द्र प्रसाद तथा रविन्द्र नाथ सिंह पुत्र स्व. रामाधार सिंह (निवासी अवराई खुर्द, थाना भीमपुरा, बलिया) के विरुद्ध रासुका के तहत कार्रवाई की गयी है। गौरतलब है कि 30 मार्च 2022 को हुई अंग्रेजी की परीक्षा से पूर्व प्रश्न-पत्र के सोशल मीडिया पर उजागर होने के कारण प्रदेश के 24 जनपदों में अंग्रेजी विषय की परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। इस सम्बंध में बलिया के भीमपुरा व नगरा थाने में अभियोग पंजीकृत किया गया था। इसमें संबंधित अभियुक्तों के कृत्यों की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा अभियुक्त रविन्द्र नाथ सिंह, निर्भय नारायन सिंह व राजू उर्फ राजीव प्रजापति के विरुद्ध रासुका की धारा 3(2) के अधीन निरुद्ध किया गया।

बुलंदशहर : ऑनलाइन ठगी के 50 लाख रुपये पीड़ितों को वापस कराये

बुलन्दशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने पिछले साढ़े तीन महीने के अंदर ऑनलाइन ठगी के जरिये बैंक खातों से उड़ाये गये 49.93 लाख रुपये पीड़ितों के बैंक खातों में वापस लौटाये हैं।बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर ठगी के एक ताजा प्रकरण में खातेदार के 1.84 लाख रुपये साइबर ठगों ने निकाल लिए थे। पुलिस साइबर सेल ने 1.48 लाख रुपये पीड़ित पक्षकार के बैंक खाते में वापस करा दिए हैं।

उन्होंने बताया कि इस साल 01 जनवरी से 28 अप्रैल तक बैंकिंग फ्रॉड के शिकार हुए लोगों की करीब 49.93 लाख रुपये ठगों ने आवेदकों के बैंक खातों से निकाले थे। जिन्हें वापस पीड़ित पक्षकारों को दिलाया गया है। सिंह ने बताया कि बुलंदशहर की साइबर क्राइम सेल के लिये यह बड़ी कामयाबी है।

अयोध्या में दंगा भड़काने का प्रयास करने वाले सात गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रामनगरी अयोध्या में मस्जिदों में आपत्तिजनक पोस्टर चिपका कर दंगा फैलाने का प्रयास करने वाले सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिरीक्षक कवीन्द्र प्रताप सिंह ने गुरूवार को बताया कि 26 और 27 अप्रैल की रात को अयोध्या के मस्जिदों में आपत्तिजनक पोस्टर, एवं धार्मिक पुस्तक की प्रति डालकर शहर मे दंगा फैलाने की कोशिश करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त वाहन एवं टोपी बरामद की है।

उन्होने बताया कि 26/27 अप्रैल की रात मे शहर अयोध्या के मस्जिद कश्मीरी मोहल्ला, टाटशाह मस्जिद, घोसियाना रामनगर मस्जिद, ईदगाह सिविल लाइन एवं गुलाबशाह दरगाह जेल के पीछे कुछ लोगों ने आपत्तिजनक वस्तु एवं पोस्टर व धार्मिक पुस्तक की प्रति डालकर दंगा फैलाने की कोशिश की थी।

सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने महेश कुमार मिश्रा,प्रत्युष श्रीवास्तव, नितिन कुमार, दीपक कुमार गौड़ उर्फ गुंजन, बृजेश पाण्डेय,शत्रुघ्न प्रजापति, विमल पाण्डेय को कुमारगंज क्षेत्र में आरटीओ आफिस के निकट से गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि महेश मिश्रा इस काम का मुख्य साजिश रहा है और अन्य साथियों के साथ मिलकर हाल ही मे दिल्ली में घटित घटना के विरोध में बृजेश पाण्डेय के मकान मे साजिश रची। महेश मिश्रा ने फ्लैक्स/ पम्पलेट आशीर्वाद फ्लैक्स लालबाग से खरीदा तथा प्रत्युष ने चौक से गुदड़ी जाने वाले दर्रे के नीचे बनी रफीक बुक स्टोर की दुकान से दो धार्मिक पुस्तकें (कुरान शरीफ) एवं पम्मी कैप हाउस राजा गली चौक से टोपी खरीदी। आकाश ने आपत्तिजनक वस्तु लालबाग से उपलब्ध कराया गया।

उन्होने बताया कि सभी लोग चार बाईकों में बैठकर देवकाली बाईपास होकर देवकाली मन्दिर होते हुए बेनीगंज तिराहा पहुँचे जहां पीआरवी की गाड़ी देखकर बेनीगंज मस्जिद पर घटना नही कर सके और खुर्दाबाद होकर परिक्रमा मार्ग होते हुए कश्मीरी मोहल्ला मस्जिद मे जाकर धार्मिक पुस्तक (कुरान शरीफ) फाड़कर एवं आपत्तिजनक वस्तु तथा पम्पलेट डाला।

लखनऊ में दलित स्मारकों को बदहाली से मुक्त करे सरकार : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ में संविधान निर्माता डा भीमराव अंबेडकर और बसपा के संस्थापक कांशीराम की स्मृति में निर्मित पार्कों का रखरखाव नहीं होने के कारण ये दलित प्रेरणा स्थल बदहाली के शिकार होने का मामला राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष उठाया है।

मायावती ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर कहा कि डा अंबेडकर और कांशीराम की स्मृतियों को अमर बनाये रखने के लिये डा भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन प्रेरणा स्थल और कांशीराम ग्रीन इको गार्डन, बौद्ध विहार, कांशीराम स्मारक स्थल और शांति उपवन सहित अन्य स्थल दलित प्रेरणा के केन्द्र के रूप में बनाये गये थे। उन्होंने कहा कि इन स्थलों पर हर साल देश दुनिया के सैलानी आते हैं, किंतु बीते कुछ सालों में इन स्थलों के रखरखाव नहीं होने के कारण ये बदहाली के शिकार हो गये हैं।

मायावती ने कहा कि दलित चेतना के इन प्रेरणा स्थलों की दयनीय हालत के लिये लापरवाह और गैरजिम्मेदार अधिकारियों खासकर दलित विरोधी मानसिकता वाले लोकसेवकों की उपेक्षात्मक सोच जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि इस उपेक्षा के कारण दन स्थलों पर गुंबद और दीवारों में दरार आ गयी है, पेड़ पौधे सूख रहे हैं और बिजली के बल्ब आदि खराब होने पर बदले नहीं जाते हैं।

मायावती ने कहा कि बीते कुछ समय में खासकर 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर भारी संख्या में लोग इन स्थलों पर गये लेकिन इनकी दुर्दशा देखकर उन लोगों ने बसपा सुप्रीमो को इनकी बदहाली से अवगत कराते हुए अपना दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि वह स्वयं इस स्थिति का अवलोकन कर चुकी हैं और हालात दुरुस्त करने के लिये सरकार को पत्र भी लिखा था।

मायावती ने इस विषय में योगी को लिखे अपने पिछले पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि इस पर पिछले साल कुछ कार्रवाई जरूर हुयी मगर मामूली रखरखाव के काम से स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। उन्होंने योगी को सुझाव दिया इन स्मारक स्थलों के रखरखाव के लिये कुल सृजित 7265 पदों में से 5261 पद पर कर्मचारी कार्यरत हैं, ऐसे में तत्काल प्रभाव से रिक्त पदों को भरा जाये। उन्होंने कार्यरत कर्मचारियों की मांगों पर भी शासन द्वारा संवेदनशीलता से विचार करने की मांग की, जिससे कर्मचारी अपनी पूरी क्षमता से काम कर सकें। साथ ही बसपा सुप्रीमो ने जन जन की आस्था का केन्द्र बन चुके इन स्मारकों के रखरखाव का काम भी व्यवस्थित रूप से शुरु कराने की मुख्यमंत्री योगी से मांग की है।

बस्ती में इस साल बारिश से पहले लगेंगे 36 लाख पौधे

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में इस वर्ष बारिश शुरु होने से पहले 36 लाख 72 हजार पौधे लगाये जायेंगे। बस्ती की जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल गुरुवार को बताया है कि जनपद मे इस बार 36 लाख 72 हजार पौधे वन विभाग व अन्य सरकारी विभागों द्वारा लगाये जायेंगे। इस काम की तैयारी करने के लिए निर्देश दे दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि पौधारोपण के लिये विभागवार लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। साथ ही पौधों के संरक्षण का दायित्व भी अधिकारियों को ही दिया गया है। पौधे लगाने हेतु उपयुक्त जगह को चिन्हित करने के लिए वनविभाग को एक हफ्ते का समय दिया गया है। अग्रवाल ने बताया कि पौधारोपण कार्य में किसी भी प्रकार की लापवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पौधे की सुरक्षा के लिए ट्रीगार्ड सहित अन्य व्यवस्था भी करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि लगने वाले पौधों की यह संख्या अंतिम नहीं है, इसका आंकड़ा बढ़ सकता है, लेकिन घटेगा नहीं। जिलाधिकारी ने कहा कि पौधारोपण कराने के समय प्रत्येक विभाग को फोटोग्राफी करानी पड़ेगी।

पूर्व एमएलसी इकबाल की बेनामी संपत्ति में शनि नागपाल और अजय चांदना शामिल

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के बहुचर्चित खनन माफिया एवं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल उर्फ बाल्ला के खिलाफ बेनामी संपत्ति के मामले की जांच में पुलिस ने उसके करीबी शनि नागपाल और अजय चांदना के भी शामिल होने की बात कही है।

सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने गुरुवार को बताया कि उनकी ओर से एसपी देहात सूरज कुमार राय की अध्यक्षता में गठित की गई एसआईटी की जांच में नये और चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। तोमर ने बताया कि एसआईटी जांच में शनि नागपाल और अजय चांदना के नाम सामने आए हैं। इसमें पता चला है कि नागपाल के नाम कई जगहों पर हाजी इकबाल की कृषि भूमि, राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

वहीं, अजय चांदना के बैंक खातों में सीधे पैसों का लेनदेन होने की बात भी सामने आयी है। एसआईटी को फोन कॉल डिटेल के आधार पर भी कई सबूत मिले हैं।

तोमर ने बताया कि एसआईटी की जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उन्हें प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय भी इकबाल बाल्ला के खिलाफ अवैध खनन के मामलों की जांच कर रहा है।

इसके अलावा सहारनपुर के सदर बाजार निवासी अजय चांदना इलाके के बड़े प्रोपर्टी डीलर हैं। एसआईटी नागपाल और चांदना से इकबाल बाल्ला के संपर्कों की भी जांच करेगी। तोमर ने बताया कि पुलिस की कई टीमें इकबाल बाल्ला की गिरफ्तारी के लिये प्रयासरत हैं, लेकिन वह अभी पुलिस के हाथ नहीं आया है।

गौरतलब है कि तोमर ने ही इकबाल बाल्ला पर शिकंजा कसते हुए उसकी बेनामी संपत्ति के मालिक एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख लईक राव और मुंशी नसीम पुत्र अब्दुल गफ्फार निवासी मिर्जापुर को गैंगस्टर एक्ट में जेल भेजा था। तोमर के मुताबिक नसीम गांव का एक मामूली मजदूर है, लेकिन उसके नाम तीन चीनी मिलें और 600 बीघा जमीन है। वहीं नसीम के बेटे नदीम के पास 35 बीघे का बाग है। मिर्जापुर पुलिस ने 21 अप्रैल को उसे गिरफ्तार कर उसे जेल भेजा था।

बंद पड़ी इकाइयां बढ़ा रही है यूपी में बिजली संकट

लखनऊ। भीषण गर्मी के कारण बिजली मांग में उत्तरोत्तर बढ़ोत्तरी के बीच विद्युत उत्पादन गृहों की कुछ इकाइयों में आयी खराबी उत्तर प्रदेश में जारी बिजली संकट में इजाफा कर रही है। हरदुआगंज,बारा और मेजा ताप विद्युत गृहों में कुछ इकाइयों के तकनीकी कारणों से बंद रहने का असर भीषण गर्मी में बढ़ी विद्युत मांग के चलते साफ दिखायी दे रहा है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि स्थानीय गड़बड़ियों के कारण बाधित होने वाली विद्युत आपूर्ति पर कड़ी नजर रखें और उपभोक्ताओं की समस्यायों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था करें। गली चौराहों में लटके बिजली के तारों को हटाया जाये और शत प्रतिशत मीटर लगाने का लक्ष्य जल्द हासिल करें। इंजीनियर अपने मोबाइल फोन को हमेशा चालू रखें। उन्होने कहा कि राज्य की की कुछ विद्युत उत्पादन इकाइयाँ तकनीकी कारणों से कई सप्ताह से बंद हैं। जिनमें हरदुआगंज 660 मेगावाट, मेजा 660 मेगावाट और बारा की 660 मेगावाट की इकाई शामिल है। इसके अलावा हरदुआगंज में 605 मेगावाट उत्पादन क्षमता वाली इकाई भी आँधी के कारण क्षतिग्रस्त है। बंद पड़ी इकाइयों को ठीक करमहत्तम आपूर्ति के प्रयास युद्ध स्तर पर जारी हैं।

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता का एक तिहाई हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के बावजूद और गर्मी के कारण विद्युत की माँग अतिशय बढ़ने के बावजूद विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए विद्युत कर्मी से लेकर उच्च स्तर पर कार्य हो रहा है।

उपभोक्ताओं से धैर्य बनाये रखने की अपील करते हुये उन्होने कहा कि जर्जर एवं लटकते हुए बिजली के तारविद्युत आपूर्ति में भी बाधक हैं।

राष्ट्रपति नहीं प्रधानमंत्री बनकर करना चाहती हूं देश की सेवा : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने गुरूवार को कहा कि दलित और पिछड़ों के उत्थान के लिये वह उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री और देश की प्रधानमंत्री बन कर जनसेवा करना चाहती हैं जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिये उनके राष्ट्रपति बनने की आशंका का दुष्प्रचार कर रही है।

मायावती ने यहां कहा कि दलित,आदिवासी,पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और अपरकास्ट के ग़रीब बसपा से जुड़ जाते है तो फिर ये लोग बसपा की मुखिया को यूपी का मुख्यमंत्री ही नहीं बल्कि आगे चलकर देश का प्रधानमंत्री भी बना सकते हैं, क्योंकि इन वर्गों के वोटों में बहुत बड़ी ताक़त है, बशर्ते ये लोग एकजुट होकर बसपा से जुड़ जायें और चुनाव में किसी भी प्रकार से गुमराह ना हो।

उन्होने कहा मैं अपनी ज़िन्दगी में यूपी की फिर से सीएम बनने व आगे चलकर देश का पीएम बनने का सपना देख सकती हूँ, लेकिन देश का राष्ट्रपति बनने का तो सपना मैं कभी भी नहीं देख सकती हूं, क्योंकि मैंने अपनी पूरी ज़िन्दगी ऐशो-आराम के लिए नहीं बल्कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर एवं कांशीराम के बताये हुये रास्तों पर चलकर व कदम-कदम पर कड़ा संघर्ष करके इनके अनुयायियों को व ख़ासकर दबे कुचले लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए समर्पित की हुई है।

यह कार्य मैं देश का राष्ट्रपति बनकर नहीं बल्कि उ.प्र. का सीएम व देश का पीएम बनकर ही कर सकती हूँ। इसलिए सपा के लोग अपने राजनैतिक स्वार्थ में मुझे जबरदस्ती राष्ट्रपति बनाने का जो सपना देख रहे हैं उसे इनको भूल जाना चाहिये।

बसपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बार हुये विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिये सपा पूरी तरह जिम्मेदार है। सपा और भाजपा ने इस चुनाव को हिन्दू-मुस्लिम रंग दिया। प्रदेश में कमज़ोर वर्गों व मुस्लिम समाज के लोगों के ऊपर जो आएदिन जुल्म-ज्यादती हो रही है तो उसके लिए सपा मुखिया ही पूर्ण रूप से ज़िम्मेवार व क़सूरवार भी हैं, और अभी भी यह क़िस्म-क़िस्म की अफवाहें फैलाने से बाज़ नहीं आ रहे हैं जबकि अब तो इनको अपनी बचकानी व घिनौनी राजनीति बन्द करनी चाहिये।

उन्होने कहा कि सपा वाले मुझे देश का राष्ट्रपति बनाने का सपना इसलिए देखते रहते है ताकि उनके लिए यू.पी. का सीएम बनने का रास्ता साफ हो जाये, जो यह कदापि सम्भव नहीं हो सकता है, क्योंकि इस बार चुनाव में यू.पी. के मुसलमानों व यादवों ने भी इनको एकतरफा अपना वोट देकर देख लिया है। इनका कई पार्टियों से किया गया गठबन्धन भी इन्होंने देख लिया है।

लेकिन इसके बावजूद भी सपा अपनी सरकार बनाने में कामयाब नहीं हो सकी है। ऐसे में मुझे पूरा भरोसा है कि अब वे आगे इनके बहकावे में कतई भी नहीं आयेंगे और वे फिर से यहाँ यू.पी. में बी.एस.पी. की अपनी सरकार जरूर बनायेंगे।

मायावती ने कहा कि सपा मुखिया को यह एहसास हो चुका है कि आगे किसी भी चुनाव में अब ये लोग इस पार्टी के बहकावे में कतई भी नहीं आयेंगे और ऐसे में अब ना ही आगे सपा कभी भी यहाँ सत्ता में आसीन हो सकती है। इसलिए अब वो विदेश भागने के भी फिराक में हैं, जहाँ उसने पहले से ही अपना काफी बन्दोबस्त कर लिया है।

उन्होने कहा कि प्रदेश में बसपा की सरकार में दलित, आदिवासी व पिछड़े वर्गों में जन्मे हमारे महान् सन्तों, गुरुओं व महापुरुषों आदि के आदर-सम्मान में जो भव्य स्मारक व पार्क आदि बनाये गये थे उनके रख-रखाव को लेकर सपा सरकार में भी और अब भाजपा सरकार में भी काफी ज्यादा उपेक्षा हो रही है जिसकी वजह से अब आएदिन सभी स्थलों की हालत काफी ज्यादा खराब होती जा रही है।

शार्ट न्यूज

खाद्य तेलों में उबाल

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में आई जबरदस्त गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर आवक से अधिक उठाव होने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल उबल गए वहीं चना दाल और मूंग दाल सस्ती हो गई। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 260 रिंगिट लुढ़ककर 7497 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का मई वायदा 0.90 सेंट की गिरावट लेकर 86.90 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान स्थानीय स्तर पर मूंगफली तेल 292 रुपये, सूरजमुखी तेल 293 रुपये, सोया रिफाइंड 367 रुपये और पाम ऑयल 293 रुपये प्रति क्विंटल उबाल गया वहीं सरसों तेल एवं वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान गुड़ और चीनी में स्थिरता रही। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलजुला रुख रहा। इस दौरान चना 100 रुपये, चना दाल 100 रुपये और मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई जबकि अरहर दाल, मसूर दाल और उड़द दाल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8700-8800, मूंग दाल 8900-9000, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3690-3790, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3300-3400 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19267 रुपये, मूंगफली तेल 20292 रुपये, सूरजमुखी तेल 20220 रुपये, सोया रिफाइंड 18681 रुपये, पाम ऑयल 16923 रुपये और वनस्पति तेल 17729 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

आयु हेल्थ ने जुटाए 2.7 करोड़ डालर

नयी दिल्ली। देशभर में 70 से अधिक अस्पतालों के नेटवर्क वाले हेल्थकेयर स्टार्ट-अप आयु हेल्थ ने 2.7 करोड़ डालर जुटाए हैं। आयु हेल्थ ने गुरुवार को विज्ञप्ति में बताया कि नंदन नीलेकणी और संजीव अग्रवाल के प्रारंभिक विकास चरण वाले फंड, फंडामेंटामेंटम पार्टनरशिप के नेतृत्व में सीरीज बी फंडिंग में यह राशि जुटायी गयी है। इस राशि के जुटाये जाने के साथ, फंडामेंटम पार्टनरशिप के प्रतीक जैन, आयु हेल्थ के निदेशक मंडल में शामिल हो जाएंगे। आयु हेल्थ हॉस्पिटल्स भारत में उच्च गुणवत्ता वाले अस्पतालों का नेटवर्क है, जो रोगी को बेहतर अनुभव, उन्नत उपचार के लिए नवीनतम तकनीक, मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता और अत्यधिक अनुभवी डॉक्टरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। कंपनी ने सितंबर, 2021 में वर्टेक्स वेंचर्स और स्टेलारिस वेंचर पार्टनर्स से सीरीज – ए फंडिंग के जरिए 63 लाख डालर की राशि जुटाई थी। आयु हेल्थ जुटाए गए धन का उपयोग अस्पताल नेटवर्क का विस्तार करने और नेटवर्क अस्पतालों में रोगी के बेहतर अनुभव, बीमा भुगतान, दक्ष खरीद और नैदानिक गुणवत्ता प्रबंधन के लिए अभिनव तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए किया जाएगा। आयु हेल्थ के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिमेश जोशी ने कहा, नए और मौजूदा निवेशकों के समर्थन के साथ, अब हम इस मॉडल को अधिक भौगोलिक क्षेत्रों में ले जाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। जिसमें हमने दिसंबर 2022 तक 200 से अधिक अस्पतालों और 10000 से अधिक मरीजों के बिस्तर के नेटवर्क का लक्ष्य रखा है, जो सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करेंगे।

अक्षय तृतीया पर फोनपे की पेशकश

नयी दिल्ली। डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे ने आज अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर आकर्षक ऑफर की घोषणा की जिसके तहत सोने और चाँदी की खरीद पर कैशबैक मिलेगा। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस फेस्टिव सीजन में फोनपे ऐप के जरिए खरीदे गए सोने और चांदी दोनों पर कैशबैक मिल रहा है। ग्राहक ऐप के माध्यम से 24कैरेट सोना खरीद सकते हैं और या तो इसे बैंक ग्रेड बीमाकृत लॉकर में जमा करने या बनाने के शुल्क के बिना जमा कर सकते हैं, या डिजाइन विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला से सोने के सिक्कों या बार के रूप में डिलीवरी प्राप्त कर सकते हैं। चांदी के सिक्के या बार खरीदने के इच्छुक ग्राहक 250 रुपये तक के कैशबैक पा सकते हैं। फोनपे ऐप एमएमटीसी पीएएमपी अँर सेफ गोल्ड दोनों से उच्चतम शुद्धता वाला सोना प्रदान करता है। चांदी के सिक्के और बार की पेशकश करने के लिए विशेष रूप से सेफगोल्ड के साथ करार किया गया है।

बिग बुल के फेवरेट स्टॉक में जबरदस्त खरीदारी, एक्सपर्ट बोले- अभी और बढ़ेगा भाव

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बिग बुल के नाम से मशहूर राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में कई स्टॉक हैं जो निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं। इनमें से एक स्टॉक इंडियन होटल का भी है। गुरुवार के कारोबार में इस स्टॉक की तगड़ी खरीदारी हुई है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह स्टॉक अभी और बढ़ेगा। टाटा ग्रुप से जुड़ी इस कंपनी पर एक्सपर्ट ने बाय रेटिंग दी है। इंडियन होटल के शेयर ने पिछले एक साल में मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में, यह 125 प्रतिशत तक बढ़ गया है। वहीं, 2022 में यह स्टॉक 35 प्रतिशत तक बढ़ गया है। हालांकि, ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज इस मल्टीबैगर स्टॉक में अभी और तेजी देखता है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक इंडियन होटल का शेयर भाव 292 रुपए के स्तर तक जा सकता है। वर्तमान में शेयर का भाव 246.65 रुपए है। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर के भाव में 10.80 रुपए या 4.58 फीसदी की तेजी आई है। आपको बता दें कि इंडियन होटल में राकेश झुनझुनवाला और उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला का निवेश है। शेयरधारिता पैटर्न के अनुसार, राकेश झुनझुनवाला के पास कंपनी में 1,57,29,200 शेयर या 1.11 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास 1,42,87,765 शेयर या कंपनी में 1.01 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

शेयर निवेश से लाभ पर कर में समानता लाने की प्रक्रिया शुरू, अधिकारियों ने शुरू किया मंथन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शेयरों में निवेश से होने वाले दीर्घ अवधि पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) में समानता लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें डेट, सूचीबद्ध शेयर और गैर-सूचीबद्ध शेयरों में निवेश से होने वाले लाभ पर लगने वाला कर भी शामिल है। सूत्रों के हवाले से एक अंग्रेजी वेबसाइट की रिपोर्ट में कहा गया है कि कर में समानता लाने के लिए सरकार ने सभी हितधारकों से चर्चा शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि दीर्घ अवधि की कर दर में होल्डिंग (निवेश) अवधि में बदलाव हो सकता है। वरिष्ठ कर अधिकारी अभी संभावनाओं का अध्ययन कर रहे हैं। साथ ही सरकार के राजस्व पर पड़ने वाले असर का भी आकलन किया जा रहा है। इस बात का भी आकलन किया जा रहा है कि संभावित बदलाव को किस प्रकार लागू किया जाएगा। सूत्र के मुताबिक, संभावित बदलावों की घोषणा अगले साल की जा सकती है जिन पर इस साल के अंत में सभी हितधारकों की प्रतिक्रिया मांगी जाएगी। जानकारों का मानना है कि सरकार सूचीबद्ध शेयरों पर लगने वाले कर की दरें में जल्द बदलाव नहीं करेगी। लेकिन सूचीबद्ध, गैर-सूचीबद्ध और डेट इस्ट्रूमेंट्स में निवेश से होने वाले लाभ पर लगने वाले कर को युक्तिसंगत बनाने की जरूर आवश्यकता है। साथ ही भारतीयों और अप्रवासी भारतीयों पर लगने वाले कर को युक्तिसंगत बनाया जाएगा। यदि सूचीबद्ध शेयरों से होने वाले लघु अवधि और दीर्घ अवधि पूंजीगत लाभ पर कर की दरें बढ़ाई जाती हैं तो इससे संभावित खुदरा और विदेशी निवेशक प्रभावित होंगे। उनका भारतीय शेयर बाजारों में निवेश के प्रति आकर्षण कम होगा। मौजूदा व्यवस्था के मुताबिक, सूचीबद्ध शेयरों में एक साल से कम अवधि तक के निवेश से होने वाले लाभ पर 10 प्रतिशत टैक्स लगता है। इसी तरह से गैर-सूचीबद्ध शेयरों में कम से कम दो साल तक निवेश से होने वाले लाभ पर 20 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता है। गैर-सूचीबद्ध शेयरों में निवेश से होने वाले लाभ पर अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) को 10 प्रतिशत टैक्स देना होता है। डेट फंड में 36 महीने से ज्यादा के निवेश से होने वाले लाभ पर 20 प्रतिशत की दर से टैक्स लगता है।

शक्कर में नरमी, खाद्य तेलों में तेजी, दलहन मजबूत, दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख बताई गई। खाद्य तेल तेजी लिए रहे। आज सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा होकर बिका। दलहन मजबूत रहे। दालों में ग्राहकी सुस्त होने से नरमी दर्ज की गई। चावल में खरीदी बढ़ी रही।

किराना बाजार

शक्कर में पूछपरख बताई गई। आज शक्कर में कामकाज 3610 से 3650 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। नारियल में लिवाली बनी रही। खोपरा गोला तथा हल्दी में उठाव बताया गया। साबूदाना मजबूत रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मजबूती दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड बढ़कर बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लान्टो की लिवाली रही। सरसों में सुधार रहा।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन घटबढ़ लिए बताए गए। दालों में लिवाली सुस्ती से नरमी रही। इससे भाव गिरावट लिए बताए गए। चावल में उठाव बना रहा।

किराना

शक्कर 3610 से 3650 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल 120 भरती 1450 से 1500, 160 भरती 1725 से 1750, 200 भरती 1800 से 1850, 250 भरती 2100 से 2150 रुपये। खोपरा गोला 205 से 225 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2400 से

4400 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 175 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4500 से 5100, पैकिंग में 5400 से 5600 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6500 से 6600, रायडा 6200 से 6300 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1660 से 1680, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1620 से 1625, सोयाबीन साल्वेंट 1595 से 1600, पाम तेल 1670 से 1675 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, चना (कांटा) 4850 से 4900, मसूर 6525 से 6550, मूंग 6600 से 6700, मूंग हल्की 6000 से 6500, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल। चना दाल 6050 से 6500, तुअर दाल सवा नंबर 8300 से 8400, तुअर दाल फूल 8500 से 8700, तुअर दाल नई 9000 से 9700, आयातित तुअर दाल 8000 से 8100, मसूर दाल 7850 से 8150, मूंग दाल 8400 से 8700, मूंग मोगर 8800 से 9100, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9300 से 9700 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7000 से 7500, राजभोग 6400 से 6500, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1380 से 1390, मैदा 1340 से 1350, आटा 1300 से 1310, चना बेसन 3250 से 3275 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में जारी नरमी के साथ ही देश में गुरुवार को लगातार 22वें दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव का रूख बना रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। लंदन ब्रेंट क्रूड 1.41 प्रतिशत गिरकर 103.84 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.63 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 32 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर	पेट्रोल	डीजल (रुपए प्रति लीटर)
दिल्ली	105.41	96.67
कोलकाता	115.12	99.83
मुंबई	120.51	104.77
चेन्नई	110.85	100.94

300 प्रतिशत से ज्यादा की आई तेजी, अब कंपनी दे रही 1 शेयर पर 1 बोनस

नई दिल्ली। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज के शेयरों ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 300 फीसदी से ज्यादा चढ़े हैं। कंपनी अब अपने निवेशकों बोनस शेयर देने जा रही है। बीएलएस इंटरनेशनल के शेयर गुरुवार को 9.82 फीसदी की तेजी के साथ 369.15 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। बीएलएस इंटरनेशनल, वीजा आउटसोर्सिंग कंपनी है। कंपनी ने इस साल अब तक 95 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न इनवेस्टर्स को दिया है। बीएलएस इंटरनेशनल अपने निवेशकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दे रही है। यानी, जिन निवेशकों के पास कंपनी का 1 शेयर होगा, उन्होंने 1 बोनस शेयर मिलेगा। बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 17 मई 2022 है। कंपनी की बोर्ड मीटिंग 7 मई को होगी, जिसमें कंपनी के फाइनेंशियल रिजल्ट को अप्रूव किया जाएगा। साथ ही, फाइनेंशियल ईयर 2021-22 के लिए फाइनल डिविडेंड को भी रिकमंड किया जा सकता है। बीएलएस इंटरनेशनल के शेयर 30 अप्रैल 2020 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 29.90 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 28 अप्रैल 2022 को 369.60 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं।

दिल्ली में तीन दिवसीय विंडरजी इंडिया शुरू

नयी दिल्ली। पवन ऊर्जा पर आधारिज अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और तीन दिवसीय विंडरजी इंडिया 2022 व्यापार मे आज से राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में शुरू हो गया। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा, डेनमार्क के राजदूत एच.ई.फ्रेडी स्वेन इसका शुभारंभ किया। उद्घाटन के अवसर पर आईडब्ल्यूटीएमए के अध्यक्ष तुलसी तांती ने कहा, यह गर्व की बात है कि पवन ऊर्उजा उद्योग मेक इन इंडिया या आत्मानिर्भर भारत का एक सच्चा उदाहरण है। यह परिपक्व उद्योग दुनिया में सबसे कम लागत पर टर्बाइनों का निर्माण करता है। उद्योग ने 70 से 80 प्रतिशत स्थानीयकरण के साथ 15 गीगावॉट वार्षिक विनिर्माण क्षमता बनाने के लिए 25,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है और इकोसिस्टम 4,000 से अधिक एमएसएमई उद्योगों द्वारा समर्थित है जो शिक्षित ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर को बढ़ाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में 100 गीगावॉट क्षमता के साथ समुंद्री तट से दूर दोहन ऊर्जा को पैदा करना है और आर.ई से मिलने वाली बिजली को ग्रीन हाइड्रोजन, अमोनिया और मीथेन के रूप में परिवहन योग्य बिजली में बदला जा सकता है। तीन दिवसीय स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी और सेवा प्रदर्शनी मिलकर एक उच्च स्तरीय सम्मेलनों की एक श्रृंखला की मेजबानी करेगी।

राणे ने गुणवत्ता प्रोत्साहन के लिए शुरू की एमएसएमई प्रमाणन योजना

नयी दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने इस क्षेत्र की इकाइयों की विनिर्माण प्रक्रिया में 'जीरो इफेक्ट-जीरो डिफेक्ट' को प्रोत्साहित करने के लिए गुरुवार को संशोधित एमएसएमई (जेडईडी) योजना का शुभारंभ किया।
इस योजना में पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करने वाली इकाइयों को प्रोत्साहन और लाभ प्रदान किए जाएंगे। यह योजना एमएसएमई इकाइयों को विनिर्माण में पर्यावरण पर शून्य प्रभाव और शून्य त्रुटि (जेडईडी) वाली विनिर्माण प्रक्रिया अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। राणे ने उत्पादन एवं गुणवत्ता को बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र को सहयोग देने के लिए एमएसएमई मंत्रालय कई योजना लेकर आया है और एमएसएमई दीर्घकालिक (जेडीडी) योजना ऐसी ही पहलों का एक हिस्सा है।
मंत्री ने कहा कि जेईडी प्रमाण की नयी योजना से गुणवत्ता में सुधार होगा और उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने उद्यमियों के हवाले से आए सुझावों की सराहना की और एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए अधिक सुधार उपाय लाने का वादा किया। एमएसएमई का देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तकरीबन 30 प्रतिशत का हिस्सा है। विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में एमएसएमई सचिव बीबी स्वैन ने कहा कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनने के लिए एमएसएमई को क्षमता और प्रतियोगितात्मकता बढ़ानी चाहिए। स्वैन ने कहा, यह आवश्यक है कि भारत में एमएमएमई क्षेत्र में एक समय के बाद गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा में बढ़ोतरी हो। इकाइयों को यह योजना लगातार उनकी प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार के लिए अवसर प्रदान करेगी। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि भारत में निवेश करने वाली बड़ी कंपनियों के पास उनकी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए पहले से ही तैयार विक्रेता हैं। एमएसएमई के लिए जेडईडी योजना लाभदायक है। जेडईडी प्रमाणन का उद्देश्य मूल्यांकन, प्रबंधकीय और तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से एमएसएमई की प्रतियोगितात्मकता को बढ़ाना है। इस प्रमाणन से एमएसएमई को अपव्यय को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने, पर्यावरण जागरुकता बढ़ाने, ऊर्जा बचाने, प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और अपने बाजारों का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट के लिए निर्देश जारी

नयी दिल्ली। देश में सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट के लिए सूचना सुरक्षा कार्यों, प्रक्रिया, रोकथाम, प्रतिक्रिया और साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग से संबंधित निर्देश जारी किए गये हैं जो 60 दिनों के बाद प्रभावी होंगे।
इंडियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पान्स टीम (सीईआरटी-इन) सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 70बी के प्रावधानों के अनुसार देश में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न कार्यों को करने के लिए राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में कार्य करता है। सीईआरटी-इन लगातार साइबर खतरों का विश्लेषण करता है और पता लगाई गई घटनाओं को सौंपता है और उनकी जानकारी निकालता है।
सीईआरटी-इन नियमित रूप से संगठनों और उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा/सूचना और आईसीटी बुनियादी ढांचे की रक्षा करने में सक्षम बनाने के लिए सलाह जारी करता है। साइबर सुरक्षा घटनाओं के संबंध में प्रतिक्रिया गतिविधियों के साथ-साथ आपातकालीन उपायों के समन्वय के लिए, सीईआरटी-इन सेवा प्रदाताओं, मध्यस्थों, डेटा केन्द्रों और निकाय कॉरपोरेट से जानकारी मांगता है।
साइबर घटनाओं से निपटने और हितधारकों के साथ बातचीत के दौरान, सीईआरटी-इन ने घटना विश्लेषण में बाधा उत्पन्न करने वाले कुछ मामलों की पहचान की है। पहचाने गए मामलों और मुद्दों को सुलझाने के लिए सीईआरटी-इन ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 70बी की उप-धारा (6) के प्रावधानों के तहत सूचना सुरक्षा कार्य प्रणालियों, प्रक्रिया, रोकथाम, प्रतिक्रिया और साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग से संबंधित निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश 60 दिन के बाद प्रभावी हो जाएंगे।
निर्देशों में आईसीटी प्रणाली घड़ियों के वर्णनात्मकता से संबंधित पहलुओं को शामिल किया गया है; सीईआरटी-इन को साइबर घटनाओं की अनिवार्य रिपोर्टिंग; आईसीटी सिस्टम के लॉग का रखरखाव; डेटा केन्द्रों द्वारा योगदान करने वाले/ग्राहक पंजीकरण विवरण, वर्चुअल प्राइवेट सर्वर (वीपीएस) प्रदाताओं, वीपीएन सेवा प्रदाताओं, क्लाउड सेवा प्रदाताओं, वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स द्वारा केवाईसी नियम और कार्य प्रणालियां, वर्चुअल एसेट एक्सचेंज प्रोवाइडर्स और कस्टोडियन वॉलेट प्रोवाइडर्स शामिल हैं। ये निर्देश समग्र साइबर सुरक्षा स्थान को बढ़ाएंगे और देश में सुरक्षित और विश्वसनीय इंटरनेट सुनिश्चित करेंगे।

शेयर बाजार में लौटी तेजी

मुंबई। वैश्विक बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली से घरेलू शेयर बाजार आज पिछले दिवस की गिरावट से उबरते हुए एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ।
बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 701.67 अंक की छलांग लगाकर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 57,521.06 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 206.65 अंक उछलकर 17,245.05 अंक पर रहा। बीएसई का मिडकैप 0.83 फीसदी चढ़कर 24,616.87 अंक और स्मॉलकैप 0.12 फीसदी मजबूत होकर 28,778.04 अंक पर पहुंच गया।
इस दौरान बीएसई में कुल 3518 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1656 में तेजी जबकि 1753 में गिरावट रही वहीं 109 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 45 कंपनियों में लिवाली जबकि चार में बिकवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे।
बीएसई के दूरसंचार समूह की 0.78 फीसदी गिरावट को छोड़कर शेष 18 कंपनियों में लिवाली हुई। इस दौरान ऊर्जा 1.15, एफएमसीजी 2.08, इंडस्ट्रियल्स 1.02, आईटी 1.07, यूटिलिटीज 1.76, बैंकिंग 1.22, कैपिटल गुड्स 1.48, तेल एवं गैस 1.07 और पावर समूह में 1.88 प्रतिशत की तेजी रही। विदेशी बाजारों में तेजी का रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.96, जर्मनी का डैक्स 1.73, जापान का निक्केई 1.75, हांगकांग का हैंगसैंग 1.65 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.58 प्रतिशत चढ़ गया।
कारोबार की शुरुआत में करीब 477 अंक की तेजी के साथ 57,296.31 अंक पर खुला सेंसेक्स बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 56,936.94 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। लिवाली होने से यह लगातार चढ़ता कारोबार के अंतिम चरण में 57,790.85 आंकने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 56,819.39 अंक की तुलना में 1.23 प्रतिशत मजबूत होकर 57,521.06 अंक पर रहा।
निफ्टी 151 अंक बढ़कर 17,189.50 अंक पर खुला। सतरबके दौरान यह 17,071.05 अंक के न्यूनतम जबकि 17,322.50 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 17,038.40 अंक के मुकाबले 1.21 फीसदी चढ़कर 17,245.05 अंकनपर रहा।
सेंसेक्स की 26 कंपनियों के शेयर में तेजी जबकि शेष चार में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर ने सबसे अधिक 4.55 प्रतिशत का मुनाफा कमाया जबकि भारती एयरटेल ने सबसे अधिक 0.84 फीसदी का नुकसान उठाया।

20 प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 300 रुपये पर जा सकता है टाटा ग्रुप का यह शेयर

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एक कंपनी ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यह कंपनी टाटा पावर है। कंपनी के शेयरों ने एक साल में 150 पर्सेंट से ज्यादा का रिटर्न निवेशकों को दिया है। कंपनी के शेयर जल्द ही 20 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 300 रुपये तक पहुंच सकते हैं। एक्सपर्ट्स कंपनी के शेयरों पर बुलिश हैं। टाटा पावर के शेयर गुरुवार, 28 अप्रैल 2022 को 248.35 रुपये के स्तर पर रहे हैं। यानी, कंपनी के शेयरों में 50 रुपये से ज्यादा की तेजी आ सकती है।

कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग के साथ 300 रुपये का टारगेट प्राइस

ब्रोकरेज हाउस MIB सिक्योरिटीज टाटा पावर के शेयरों पर बुलिश है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। साथ ही, कंपनी के स्टॉक्स को SOTP बेस्ड 300 रुपये प्रति शेयर का टारगेट दिया है। यानी, कंपनी के शेयरों में मौजूदा शेयर प्राइस से 20 फीसदी से ज्यादा का उछाल आ सकता है। टाटा पावर के शेयरों ने इस साल अब तक करीब 11 फीसदी का रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो-लेवल 96.15 रुपये है। वहीं, 52 हफ्ते का हाई लेवल 298 रुपये है।

खुद को रिन्यूएबल एनर्जी यूटिलिटी में ट्रांसफॉर्म कर रही कंपनी

ब्रोकरेज हाउस MIB सिक्योरिटीज का कहना है कि सरकार साल 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी को बढ़ाकर 500GW करने की तैयारी में है और टाटा पावर इस मौके का फायदा उठाने की बेहतरीन स्थिति में है। टाटा पावर खुद को रिन्यूएबल एनर्जी यूटिलिटी में ट्रांसफॉर्म कर रही है। कंपनी का साल 2025 तक क्लीन एनर्जी का 60 फीसदी और 2030 तक 80 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने का टारगेट है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि कंपनी का फोकस पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन पर होगा, जो कि स्टेबल ROE ऑफर करता है।

2 साल से भी कम में 1 लाख के बन गए 9 लाख से ज्यादा

टाटा पावर के शेयर 11 मई 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज 27.35 रुपये के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 28 अप्रैल 2022 को बीएसई में 248.35 रुपये पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 11 मई 2020 को कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में यह पैसा 9 लाख रुपये से ज्यादा होता। टाटा पावर का मार्केट कैप करीब 79,356 करोड़ रुपये है।

रसायनों का वार्षिक निर्यात आठ वर्ष में दो गुना से ज्यादा

नयी दिल्ली। भारत से रसायनों का वार्षिक निर्यात वर्ष 2013-14 की तुलना में 2021-22 में 106 प्रतिशत ऊंचा रहा। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2022 में समाप्त पिछले वित्तवर्ष 2021-22 के दौरान रसायनों का निर्यात करीब 29.30 अरब डॉलर की नयी ऊंचाई छू गया। वर्ष 2013-14 में रसायनों का भारतीय निर्यात 14.21 अरब डालर मूल्य का था।

दोगुना हुआ इस सरकारी बैंक का मुनाफा, अचानक शेयर की बढ़ी खरीदारी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च की चौथी तिमाही में सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) को जबरदस्त मुनाफा हुआ है। बैंक का मुनाफा दोगुना होकर 355 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में बैंक का मुनाफा 165.23 करोड़ रुपये था। इस बीच, बैंक के शेयर भाव में तेजी आई है। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर का भाव करीब 2 फीसदी की तेजी के साथ 18.15 रुपए पर बंद हुआ। आय का क्या रहा हाल- हालांकि, बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की कुल आय घटकर 3,948.48 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में 4,334.98 करोड़ रुपये थी। बैंक की कुल आय बीते वित्त वर्ष में बढ़कर 15,672.17 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 14,497.56 करोड़ रुपये थी। फंसे कर्ज में कमी से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। बैंक का डूबे हुए कर्ज के लिए प्रावधान वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में घटकर 365.38 करोड़ रुपये रह गया।

शार्ट न्यूज

कोलाज स्पोर्ट्स लक्ष्मण दास छाबड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में

नयी दिल्ली। मैन ऑफ द मैच विकास दीक्षित (58 रन और 2/37), रोहित शर्मा (55), शिवम बंसल (41), रॉबिन बिष्ट (37 नाबाद), प्रदीप पराशर (2/30), अंकित चौधरी (2/46) के शानदार खेल के मदद से कोलाज स्पोर्ट्स क्लब ने सेंट स्टीफन ग्राउंड में खेले जा रहे 37वें अखिल भारतीय लक्ष्मण दास छाबड़ा मेमोरियल प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट में दिल्ली कोल्ट्स को 7 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पराजित टीम की और से मोहित कल्याण (55 रन), शुभम शर्मा (38) रन ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। संक्षिप्त स्कोर: दिल्ली कोल्ट्स-210 रन 39 ओवर में ऑल आउट (मोहित कल्याण 55, शुभम शर्मा 38, संदीप सांगवान 30, विकास दीक्षित 2/37, प्रदीप पराशर 2/30, अंकित चौधरी 2/46) कोलाज स्पोर्ट्स-34 ओवर में 3 विकेट पर 213 रन(विकास दीक्षित 58, रोहित शर्मा 55, शिवम बंसल 41, रॉबिन बिष्ट 37 नाबाद)।

सेठी स्पोर्ट्स ने जीती क्रैगबज अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी

नयी दिल्ली। क्रैगबज अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में सेठी स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी ने टीएनएम क्रिकेट अकादमी को 7 विकेट से हराकर आसान जीत हासिल की। टॉस जीतकर टीएनएम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैन ऑफ द मैच, रवि कुमार (3/14) और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज निर्भय डागर (2/8) की शानदार गेंदबाजी ने टीएनएम को 113 के स्कोर तक सीमित कर दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैन ऑफ द टूर्नामेंट मधुर यादव (51) ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सेठी स्पोर्ट्स को मैच जीतने में मदद की। स्कोर:टीएनएम क्रिकेट अकादमी=35 ओवर में 113=प्रयास अग्रवाल 24 (50 बॉल, 3म4), रवि कुमार (3/14-2 मैडन), निर्भय डागर (2/8-5 मैडन)। सेठी स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी=22.4 ओवर में 116/3: द्वीप गहलोत 26*(53 बॉल, 5म4), मधुर यादव 51 (54 बॉल, 10म4)।

कुछ वर्षों से लगातार अपनी बल्लेबाज़ी पर काम कर रहा हूं : राशिद

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में आखिरी ओवर में चार छक्कों के दम पर राशिद खान (तीन छक्के) ने मैच का पासा पलट दिया और हैदराबाद के हाथ आयी जीत छीन ली। गुजरात टाइटंस को14 अंकों के साथ अंक तालिका में टॉप पर पहुंचाने वाले राशिद ने मैच के बाद कहा,%यह बहुत अच्छा अहसास है। मैं कुछ वर्षों से लगातार अपनी बल्लेबाज़ी पर काम कर रहा हूं। राशिद ने कहा, मैं सिर्फ़ अपना गेम खेलना चाहता था, अपनी बल्लेबाज़ी पर भरोसा करना चाहता था। सनराइज़र्स के लिए खेलते समय भी मुझे मैच फ़िनिश करने के एकाध मौके मिले थे, लेकिन मैं मैच को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाया। हालांकि अब मुझे अच्छा लग रहा है और आगे भी जब कभी मौका मिलेगा तो मेरी यही कोशिश रहेगी कि अपनी टीम के लिए गेम को फ़िनिश करूं।

यह मुक़ाबला हमारे लिए एक सबक है

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियम्सन ने गुजरात टाइटंस के हाथों कल आखिरी गेंद पर मिली पांच विकेट की हार के बाद इस मुकाबले को अपनी टीम के लिए एक सबक बताया। विलियम्सन ने मैच के बाद कहा,एक टीम के तौर पर यह मुक़ाबला हमारे लिए एक सबक है। शशांक ने पहली पारी के अंत मे बेहतरीन फ़िनिश किया। उन्हें कुछ मुकाबलों से बल्लेबाज़ी का मौक़ा नहीं मिल रहा था, लेकिन उन्होंने आज मिले मौके को भरपूर निभाया। इस मैच में जीत का पूरा श्रेय गुजरात को जाता है।उन्होंने इस सीज़न में काफ़ी करीबी मुक़ाबले जीते हैं। हालांकि हमारे लिए भी इस मैच में काफ़ी सकारात्मक बाते हैं।

चोटिल अरशद ख़ान की जगह कुमार कार्तिकेय मुंबई इंडियंस में शामिल

मुम्बई। मुंबई इंडियंस ने बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय को आईपीएल 2022 के बाक़ी बचे मैचों के लिए चोटिल अरशद ख़ान की जगह अपनी टीम में शामिल किया है। हालांकि अनकैप्ड बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ अरशद ने अभी तक एक भी मैच नहीं खेला था। कार्तिकेय ने मध्य प्रदेश के लिए आठ टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने नौ विकेट लिए हैं। 2021-22 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी में, वह 5.05 की इकॉनमी दर से पांच विकेट लेकर अपनी टीम से संयुक्त रूप से दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे। 24 वर्षीय कार्तिकेय ने नौ प्रथम श्रेणी मैच और 19 लिस्ट ए मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने क्रमश: 35 और 18 विकेट लिए हैं। कार्तिकेय 20 लाख की क़ीमत पर मुंबई टीम में शामिल हुए हैं। फ़िलहाल एम अश्विन, मयंक मार्कंडे और फैबियन एलन अन्य स्पिन-गेंदबाज़ी विकल्प हैं, जो मुंबई के पास हैं। सीज़न की शुरुआत के बाद से लगातार आठ हार के साथ, मुंबई प्लेऑफ़ की दौड़ से बाहर हो गई है। उनका अगला मैच शनिवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ है।

केरला की लगातार चौथी जीत, चेन्नइयन और आरएफवाईसी ने गोलरहित ड्रा से अंक बांटे

पणजी। केरला ब्लास्टर्स एफसी ने रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की। ब्लास्टर्स ने बुधवार को यहां बेनाउलिम ग्राउंड में जमशेदपुर एफसी को 2-0 से हरा दिया। नागोआ ग्राउंड में खेले गए दिन के एक अन्य मुकाबले में रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) और चेन्नइयन एफसी ने गोलरहित ड्रा से अंक बांटे। भीषण गर्मी के बावजूद अच्छी खासी तादाद में मौजूद दर्शकों के सामने निहाल सुदीश ने (27वें और 84वें मिनट में) दोनों हाफ में एक-एक गोल करके केरला के जीत के रिकॉर्ड को सौ फ़ीसदी रखा। साथ ही ब्लास्टर्स ने अपने सभी चार मैचों में क्लीन शीट रखने का कारनामा किया। केरला के चार मैचों से 12 अंक हो गए है जबकि जमशेदपुर के इतने ही मैचों में सात अंक है। यह एक कड़ा मुकाबला होना चाहिए था, क्योंकि समान रूप से मजबूत दो टीमें पूरे अंकों के लिए आपस में भिड़ रही थीं। जमशेदपुर, एफसी गोवा को 5-1 से हारने के बाद केरला से भिड़ रही थी, लेकिन नब्बे मिनट के खेल के अंत में, मुख्य कोच टॉमस तचोर्ज़ की रणनीति रंग लाई क्योंकि उन्होंने न केवल जमशेदपुर के हमले को रोकने में कामयाबी हासिल की, बल्कि उनके शारीरिक खतरे का भी मुकाबला किया।

सैमसन अपनी अच्छी फ़ॉर्म को बर्बाद कर रहे हैं

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को बल्लेबाज़ी करते देखना सुखद है, लेकिन यह निराशाजनक भी हो सकता है अगर वह अच्छे फ़ॉर्म के बावजूद ग़लत ढंग से शॉट खेलकर आउट हो जाए। वेस्टइंडीज़ के पूर्व क्रिकेटर और मशहूर कॉमेंटेटर इयन बिशप का मानना है कि सैमसन अपनी अच्छी फ़ॉर्म को बर्बाद कर रहे हैं और इससे उनका अंतर्राष्ट्रीय करियर भी प्रभावित हो सकता है, जहां वह सफल वापसी करने की कोशिश में लगे हैं। मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ख़िलाफ़ हुए मैच में सैमसन जब बल्लेबाज़ी करने आए तो राजस्थान रॉयल्स का स्कोर 33 रन पर दो विकेट था। इसी स्कोर पर इन-फ़ॉर्म जॉस बटलर भी चलते बने। सैमसन ने जो पहली गेंद खेली, वह गोली के रफ़्तार से प्वाइंट की दिशा में चार रन के लिए गई। इसके बाद तीसरी गेंद पर उन्होंने वनिंदु हसरंगा को एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से छह रन के लिए दे मारा। शाहबाज़ अहमद पर लगातार दो छक्के मारने के बाद उनका स्कोर 12 गेंदों में 24 रन था। इसके बाद उन्होंने नौ गेंदें खेलीं, अपनी पारी को धीमा करते हुए सिर्फ़ तीन रन बनाया। तभी हसरंगा की एक गुगली गेंद को रिवर्स स्वीप करने के चक्कर में क्लीन बोल्ड हो गए। ऐसा तब था जब कुछ गेंद पहले ही वह हसरंगा को रिवर्स स्वीप करने के चक्कर में बुरी तरह बीट हुए थे।

उमरान की रफ़्तार से सामने वाली टीम तार-तार हो रही है : आकाश चोपड़ा

मुम्बई। पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि तूफ़ानी गेंदबाज उमरान मलिक को अभी भारतीय टीम में शामिल करना जल्दबाज़ी होगी। वहीं न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान डैनियल वेटोरी और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ क्रिस लिन का मानना है कि उन्हें टीम में शामिल कर लेना चाहिए।

बुधवार को सनराइज़र्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के बीच हुए मुक़ाबले में उमरान मलिक ने पांच विकेट झटक कर लगभग मैच बदल दिया था। इसके बाद वह फिर से सुर्खियों में हैं।

मैच के बाद ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो टी20 टाइम आउट हिंदी कार्यक्रम के एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा ने कहा, उमरान के पास जो रफ़्तार है, उससे सामने वाली टीम तार-तार हो रही है। आगे उन्होंने उमरान की तेज़ गति पर बात करते हुए कहा, उनकी तेज़ गति सिर्फ़ बल्लेबाज़ की तकनीक की परीक्षा नहीं ले रही है, बल्कि उनके अहंकार को ठेस पहुंचा रही है। ऐसा लग रहा है कि उमरान बल्लेबाज़ों से कह रहे हैं, एक बार मुझे खेल कर तो दिखाओ। उमरान को जो भी बल्लेबाज़ अटैक करने जा रहा है, वह असफल हो रहा है।

उमरान हर मैच में अपने प्रदर्शन में सुधार कर रहे हैं। उनका हालिया प्रदर्शन काफ़ी शानदार रहा है। क्या उमरान मलिक को भारतीय टी20 टीम

में शामिल किया जा सकता है? इस प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा, आईपीएल में अभी छह-आठ मैच और बचे हैं। मैं किसी भी चीज़ पर इतनी हड़बड़ी में फ़ैसले नहीं लेता। मैं नहीं चाहता कि चेतन सकारिया और वेंकटेश अय्यर के साथ जो हुआ, वह उमरान मलिक के साथ हो। हमें इंतज़ार करने का आवश्यकता है। उमरान के पास गति है। बढ़िया लेंथ है। वह कमाल के गेंदबाज़ हैं लेकिन हमें अभी थोड़ा और इंतज़ार करना चाहिए। शुरुआत में उमरान अपनी गति से तो सबको प्रभावित कर रहे थे लेकिन वह काफ़ी ख़र्चीले साबित हो रहे थे। अब वहां से सुधार करते हुए उन्होंने विकेट झटकना शुरू कर दिया है। हालांकि आधा रास्ता अभी भी बचा हुआ है। उमरान के पास 150 की स्पीड है, वह ज़रूर भारतीय टीम के लिए खेलेंगे लेकिन हमें थोड़ा इंतज़ार करना होगा।

वहीं डैनियल वेटोरी और क्रिस लिन ने भी टी20 टाइम आउट में उमरान की जम कर तारीफ़ की। वेटोरी ने कहा, उमरान की तेज़ गति बल्लेबाजों में चिंता पैदा करती है। हम अक्सर गेंदबाजों को 153-154 की गति के आसपास नहीं देखते हैं। यह असाधारण गति है, यह एक दुर्लभ प्रतिभा है जिसे हमने ब्रेट ली, शोएब अख्तर या शॉन टेट के बाद से अमूमन नहीं देखा है।

उमरान के भविष्य के बारे में बात करते हुए वेटोरी कहते हैं, उमरान के लिए बीसीसीआई या एनसीए की छत्रछाया में आना सबसे अच्छी बात हो सकती है, और वे अपने कार्यभार का प्रबंधित कर सकते हैं क्योंकि इस गति से गेंदबाज़ी करने वाला कोई भी खिलाड़ी एक प्रलोभन की तरह होता है। मैं शेन बॉन्ड और अपनी बातचीत के आधार पर यह सकता हूं कि आप जितनी ज़्यादा गेंदबाज़ी करेंगे, आपकी गति उतनी ही धीमी होते चले जाएगी।

वहीं क्रिस लिन का मानना है. टी20 विश्व कप के मद्देनज़र उमरान को टीम में शामिल किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के विकेट पर काफ़ी बाउंस होता है।

सबसे बड़ी बात यह है कि काफ़ी खिलाड़ियों ने अभी तक उमरान का सामना नहीं किया है। भारत के पास एक शानदार गेंदबाज़ी क्रम है और हम यह चर्चा कर सकते हैं कि किसको ड्रॉप किया जाए लेकिन उन्हें टीम मे होना चाहिए। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं भारतीय टीम का चयनकर्ता नहीं हूं।

बेन स्टोक्स इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए कप्तान नियुक्त

लंदन। जो रूट के टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद इंग्लैंड की टीम को उसका नया कप्तान मिल गया है। हरफ़नमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए कप्तान होंगे। पांच वर्षों तक इंग्लैंड की टीम को बतौर कप्तान सेवा देने के बाद जो रूट ने इस्तीफ़ा दे दिया था। रूट के इस्तीफ़े के बाद ही उनके उत्तराधिकारी की तलाश थी।

बेन स्टोक्स इंग्लैंड के 81वें टेस्ट कप्तान होंगे। नए कप्तान के तौर पर उनका नाम इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने सुझाया था। जिस पर मंगलवार शाम इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपनी हामी भर दी।

बेन स्टोक्स की नियुक्ति पर रॉब की ने कहा,मुझे इस रोल के लिए बेन को ऑफ़र करने में किसी प्रकार की झिझक महसूस नहीं हुई। इस टीम को रेड बॉल क्रिकेट में आगे ले जाने के लिए बेन स्टोक्स सबसे योग्य व्यक्ति हैं। मुझे इस बात कि ख़ुशी है कि उन्होंने इस प्रस्ताव और सम्मान को स्वीकार लिया है। वह इस अवसर और दायित्व को डिज़र्व भी करते हैं।

स्टोक्स को एक ऐसी टीम की कमान मिली है, जिसने अपने पिछले 17 टेस्ट मैचों में सिर्फ़ एक मुक़ाबला ही जीता है। इतिहास में पहली बार इंग्लैंड की टीम लगातार पांच सीरीज़ में एक भी सीरीज़ जीत पाने में सफल नहीं रही है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 की तालिका में भी इंग्लैंड की टीम नीचे है।

स्टोक्स इससे पहले 2020 में रूट की अनुपस्थिति में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ एक टेस्ट मैच में कप्तानी कर चुके हैं। उस समय रूट पितृत्व अवकाश पर थे। हालांकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जब स्टोक्स से इंग्लैंड की कप्तानी को लकर पूछा गया था, तब उन्होंने साफ़ तौर पर इनकार करते हुए कहा था कि वह कप्तानी करने के इच्छुक नहीं हैं।

स्टोक्स ने कहा, इंग्लैंड टेस्ट टीम की कमान मिलने पर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मैं नई भूमिका निभाने के लिए काफ़ी उत्साहित हूं। इंग्लैंड टीम के लिए योगदान देने के लिए मैं जो(रूट) का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर मेरे विकास में उनका अभूतपूर्व योगदान रहा है और मेरी इस नई भूमिका में भी वह मेरी मदद करेंगे।

की के पद पर तैनात होने के बाद स्टोक्स को कमान सौंपा जाना उनके कार्यकाल की पहली नियुक्ति है। ईसीबी द्वारा पहले ही सफ़ेद और लाल गेंद के लिए अलग-अलग कोचों का विज्ञापन जारी किया जा चुका है। पिछले वर्ष एशले जाइल्स द्वारा मुख्य चयनकर्ता के पद से त्यागपत्र देने के बाद इस बात की प्रबल संभावना है कि इंग्लैंड एक पैनल द्वारा टीम की चयन प्रक्रिया किए जाने के पुराने ढर्रे पर लौट जाएगा।

स्टोक्स वेस्टइंडीज़ में खेली गई सीरीज़ में राष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उस सीरीज़ में इंग्लैंड को 0-1 से हार झेलनी पड़ी थी। इस हार ने इंग्लेंड टेस्ट टीम के लिए सबसे अधिक मैचों में कप्तानी करने वाले रूट की कप्तानी पर और भी तलवार लटका दी थी।

इंग्लैंड को अगली टेस्ट श्रृंखला न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ खेलनी है। तीन मैचों की सीरीज़ के पहले मैच का आगाज़ लॉर्ड्स के मैदान पर दो जून से होगा। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने कहा, मुझे ख़ुशी है कि स्टोक्स इंग्लैंड के पुरुष टेस्ट कप्तान बनने के लिए सहमत हो गए हैं, जो इंग्लैंड की शर्ट में उनके असाधारण करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है।

टॉप चार की लड़ाई लड़ेंगे लखनऊ और पंजाब

पुणे। पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स, के बीच शुक्रवार को एमसीए स्टेडियम पुणे में होने वाला आईपीएल का 42वां मैच टॉप चार टीमों में जगह बनाये रखने की लड़ाई होगा। लखनऊ फिलहाल आठ मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है जबकि पंजाब आठ मैचों में चार जीत और आठ अंकों के साथ छठे स्थान पर है।

पंजाब टीम के स्टार बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टन इस सीज़न में नंबर चार पर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। उन्होंने आठ पारियों में 187.02 के स्ट्राइक रेट से 245 रन बनाए हैं। इस सीज़न में अब तक लिविंगस्टन ने तीन बार 60 या उससे अधिक रन बनाए हैं। ऐसे में पंजाब की उम्मीदों का दारोमदार उनके कन्धों पर निर्भर करेगा। क्विंटन डिकॉक एक और विदेशी खिलाड़ी हैं जिनके बल्ले से बड़े स्कोर का इंतज़ार है। लखनऊ सुपर जायंट्स के सलामी बल्लेबाज़ क्विंटन डिकॉक टीम की तरफ़ से दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। डिकॉक ने इस सीज़न आठ पारियों में 133.13 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए हैं। पंजाब के ख़िलाफ़ डिकॉक का रिकॉर्ड भी शानदार है। उन्होंने पंजाब के ख़िलाफ़ खेली दस पारियों में 35.89 के औसत से 323 रन बनाए हैं। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल की इस सीज़न में कमाल की लाजवाब बल्लेबाज़ी जारी है। राहुल ने आठ पारियों में अब तक दो शतक लगाए हैं। 61.33 के औसत और 147.79 के स्ट्राइक रेट से वह अब तक 268 रन बना चुके हैं। हालांकि राहुल अपनी पारी की शुरुआत थोड़ी धीमी करते हैं। इसलिए पावरप्ले में उनका स्ट्राइक रेट 113.58 का है, लेकिन राहुल पावरप्ले में अब तक सिर्फ़ दो बार आउट हुए हैं। पंजाब के ओपनर शिखर धवन इस सीज़न में निरंतरता के साथ बल्लेबाज़ी कर रहे हैं। उन्होंने आठ पारियों में से पांच पारियों में 30 या उससे अधिक रन बनाए हैं। पुणे के एमसीए मैदान पर खेली पिछली चार पारियों में उन्होंने 70,52,79 और 30 रन बनाए हैं। इस सीज़न खेले चार मुक़ाबलों में विकेटकीपर बल्लेबाज़ भानुका राजपक्षा तीन बार सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ों में से एक थे। उन्होंने तीन मर्तबा 30 या उससे अधिक रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके साथ ही उनके 70 फ़ीसदी रन बाउंड्री के ज़रिए आए। पंजाब के बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप सिंह ने पिछले सीज़न के 12 मुक़ाबलों में 18 विकेट लिए थे। वह सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की सूची में छठे पायदान पर थे। हालांकि वह इस सीज़न अपनी गेंद से उम्मीद के मुताबिक़ कमाल नहीं दिखा पाए हैं, लेकिन डैथ ओवर्स में शानदार गेंदबाज़ी करते हुए उन्होंने 36 गेंदों पर 34 रन ही दिए हैं। इस दौरान उन्होंने एक विकेट भी अपने नाम किया है।

युद्ध के 2 महीने में जर्मनी ने खरीदा सबसे ज्यादा रूसी तेल

दिल्ली। यूक्रेन युद्ध के दो महीने में रूसी ऊर्जा का सबसे बड़ा खरीदार जर्मनी था. गुरुवार को एक स्वतंत्र रिसर्च एजेंसी ने यह जानकारी दी. रिसर्चरों ने हिसाब लगाया है कि इस अवधि में रूस ने करीब 63 अरब यूरो का जीवाश्म ईंधन बेचा है.24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन पर हमला बोला था. जहाजों की आवाजाही, पाइपलाइनों में गैस के बहाव और मासिक व्यापार के पुराने आंकड़ों के आधार पर रिसर्चरों ने हिसाब लगाया है कि अकेले जर्मनी ने ही करीब 9.1 अरब यूरो का भुगतान रूस को किया है।

युद्ध के पहले दो महीने में हुए इस भुगतान का ज्यादातर हिस्सा प्राकृतिक गैस की कीमत है. ये आंकड़े सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर यानी सीआरईए के हैं.

जर्मन इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक रिसर्च की वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ क्लाउडिया केमफर्ट का कहना है कि हाल ही में जो कीमतों में उछाल आया है उसे देखते हुए इन्हें सुखद कहा जा सकता है. पिछले साल जर्मनी ने तेल, कोयला और गैस के आयात पर करीब 100 अरब यूरो खर्च किए थे. इसका एक चौथाई रूस को गया था. जर्मन सरकार का कहना है कि वह अनुमानों पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकती. साथ ही सरकार ने अपना कोई आंकड़ा देने से भी इनकार कर दिया. उनका कहना है कि आंकड़े सिर्फ कंपनियों से मिल सकते हैं जो ऊर्जा खरीद कर सप्लाई देती हैं. रूस के जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रहने के लिए जर्मनी की बड़ी आलोचना हुई है. कई देश यह चेतावनी देते रहे हैं कि इससे यूरोप और खुद जर्मनी की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है.

एक साल पहले जब अमेरिका जर्मनी के लिए रूसी गैस पाइपलाइन के निर्माण को रोकने की कोशिश में था तब तत्कालीन जर्मन चांसलर ने इसका विरोध किया. हालांकि युद्ध शुरू होने से ठीक पहले उस पाइपलाइन से गैस के आयात को मंजूरी देने से मना कर दिया गया. मौजूदा चांसलर ओलाफ शॉल्त्स भी बहुत पहले से ही रूस के साथ ऊर्जा सहयोग के पक्ष में रहे हैं. यह भी पढ़ें: रूसी तेल और गैस से छुटकारा पाने की कोशिश में यूरोप इटली है दूसरा सबसे बड़ा आयातक जर्मनी के कुल आयात में रूसी नेचुरल गैस की हिस्सेदारी फिलहाल 35 फीसदी है. हाल ही में जर्मनी ने तय किया है कि 2035 तक वह अपनी सारी बिजली केवल अक्षय ऊर्जा से हासिल करने के लिये खुद को तैयार कर लेगा।

केमफर्ट ने इसका स्वागत किया है हालांकि उनका यह भी कहना है, जब तक जर्मनी जीवाश्म ईंधन खरीदना बंद नहीं करता चाहे वो रूस से हो या फिर किसी और तानाशाही शासन से, उसकी विश्वसनीयता और ऊर्जा सुरक्षा के लिए मुश्किलें रहेंगी फिनलैंड की रिसर्च एजेंसी सीआरईए का कहना है कि युद्ध के दौर में रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा आयातक इटली रहा है जिसने 6.9 अरब यूरो की रकम अदा की है। 7 अरब यूरो की रकम जीवाश्म ईंधन की कीमत के रूप में चुकाई है. दक्षिण कोरिया, जापान, भारत और अमेरिका ने भी युद्ध शुरू होने के बाद रूसी ऊर्जा खरीदी है लेकिन यूरोपीय संघ की तुलना में यह बहुत कम है. यूरोपीय संघ के सभी देश कुल मिला कर रूस को तेल, गैस और कोयले के निर्यात से होने वाली कमाई में 71 फीसदी का योगदान करते हैं. सीआरईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कमाई तकरीबन 44 अरब यूरो की है. सीआरईए की प्रमुख विश्लेषक लॉरी मलीवर्ता का कहा है कि साल दर साल के आधार पर तुलना करना कठिन है लेकिन 2021 में यूरोप को इसी समय में रूस ने 18 अरब यूरो का निर्यात किया था।

खेती की सिमटती जमीन नहीं बचाई, तो लाखों लोग भूखे मरेंगे

एजेंसी

दिल्ली। अभूतपूर्व बाढ़ में बह गए दक्षिण अफ्रीका के खेतों से लेकर केन्या के पहाड़ी जंगलों की बेतहाशा कटाई तक अफ्रीका अपनी सेहतमंद जमीन का हिस्सा लगातार खो रहा है. नतीजतन लाखों लोगों पर उनका भोजन, घर और कमाई छिन जाने का खतरा है.जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक चारागाहों का बनना, बेशुमार खेती, जंगलों की कटाई और शहरीकरण के कारण पृथ्वी की 40 फीसदी जमीन की दशा खराब हो चुकी है. मरुस्थलीकरण के खिलाफ काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने बुधवार को एक रिपोर्ट जारी की है. यह रिपोर्ट बताती है कि इसका नतीजा दुनिया की करीब आधी आबादी पर असर डाल रहा है. इससे भी बुरा यह आसार है कि आने वाले दशकों में उप-सहारा के देशों समेत दुनिया के कई हिस्सों में हालात अभी से और ज्यादा बिगड़ने वाले हैं. हालांकि, यह भी सच है कि अभी इतनी भी देर नहीं हुई है कि हालात सुधारे न जा सकें या फिर बंजर, सूखी जमीनों पर हरियाली लौटाई न जा सके. रिपोर्ट में उन सारे उपायों का भी जिक्र है, जिन्हें बुरकिना फासो से लेकर मालावी तक आजमाया जा रहा है. यूनाइटेड नेशन कंवेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन की रिपोर्ट में अफ्रीका पर काफी कुछ कहा गया है.

जमीन की गुणवत्ता खराब होने के कारण जमीन की दशा खराब होने से यहां मतलब है उसकी मिट्टी, पानी या जैव विविधता में लगातार कमी, जिसके पीछे कई कारण हैं. इसमें जंगलों की कटाई से लेकर खेती में कीटनाशकों और उर्वरकों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल और जलवायु परिवर्तन के कारण आए दिन मौसमों के मिजाज की बढ़ती उग्रता शामिल है. दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी तटों पर इसी साल अप्रैल महीने में अभूतपूर्व बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ में न सिर्फ फसलें बह गईं, बल्कि कई जगहों पर गड्ढे बन गए. भूस्खलन हुआ, सैकड़ों घर और सड़कें टूटीं और 430 लोगों की जान चली गई. केन्या के पहाड़ी जंगल देश के वाटर टावर कहे जाते हैं।

यूरोप में फिर बढ़ेगी टेंशन, स्वीडन और फिनलैंड हो सकते हैं नाटो का हिस्सा

एजेंसी

ब्रसेल्स। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने गुरूवार को कहा कि फिनलैंड और स्वीडन अगर 30 देशों के सैन्य संगठन में शामिल होने का फैसला करते हैं तो उनका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा और वे अपेक्षाकृत जल्द सदस्य बन सकते हैं। स्टोल्टेनबर्ग की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब रूस की यूक्रेन पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद फिनलैंड और स्वीडन में नाटो की सदस्यता को लेकर जनता का समर्थन बढ़ा है। मीडिया में कयास लगाया जा रहा है कि दोनों देश मई में नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्टोल्टेनबर्ग ने कहा, यह उनका फैसला है। लेकिन अगर वे आवेदन करने का फैसला करते हैं तो फिनलैंड और स्वीडन का गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा, हम प्रक्रिया के जल्द होने की उम्मीद करते हैं। नाटो महासचिव ने हालांकि, कोई समय सीमा नहीं दी, लेकिन कहा कि दोनों देश कुछ सुरक्षा की उम्मीद की कर सकते हैं क्योंकि औपचारिक रूप से

नाटो का सदस्य बनने से पहले आवेदन की प्रक्रिया के दौरान रूस उन्हें धमकाने की कोशिश कर सकता है।

गौरतलब है कि यूक्रेन के भी नाटो में शामिल होने की आशंका से ही रूस नाराज था और 24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस के हमले की ये बड़ी वजह भी थी। यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं बन पाया इसी वजह से नाटो देशों के भी हाथ कट गए कि वो रूस के हमले के खिलाफ यूक्रेन को सैन्य मदद पहुंचा सके। गौरतलब है कि नाटो देशों में शामिल किसी भी देश पर हमला होता है तो नाटो में शामिल सभी देश उसे खुद पर हमला मानते हुए मिलकर जवाबी कार्रवाई करते हैं। नाटो संगठन इसलिए काफी मजबूत है कि वो मिलकर किसी भी चुनौती का सामना करता है।

श्रीलंका में व्यापार संघों ने सरकार के खिलाफ किया हड़ताल

कोलंबो। श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच विभिन्न क्षेत्रों के करीब 1,000 व्यपार संघों ने देश के शीर्ष नेताओं के अपने-अपने पदों से तत्काल इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को एक दिवसीय हड़ताल की। एक दिवसीय हड़ताल में बड़े स्तर पर सरकारी, अर्द्ध सरकारी और निजी क्षेत्र के व्यापारी संघ शामिल हुए थे। वे लोग राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सरकार को तुरंत इस्तीफे देने की मांग कर रहे थे। राज्य के सेवा, स्वास्थ्य, बंदरगाह, बिजली, शिक्षा और डाक सहित कई क्षेत्रों की लगभग 1,000 संघों ने शीर्ष नेताओं से %घर जाओ% का आग्रह किया। गौरलतब है कि श्रीलंका अपने अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है, जिससे देशभर में सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

ईरान ,पाकिस्तान बढ़ायेंगे संबंध

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट ने गुरुवार को यह खबर दी। श्री जरदारी (33) ने हाल ही में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की सरकार गिर जाने के बाद गत बुधवार को रक्षा मंत्री पद की शपथ ली थी। अब्दुल्लाहियन ने श्री जरदारी के साथ टेलीफोन पर बातचीत में कहा, मुझे उम्मीद है कि आपके कार्यकाल में दोनों देशों के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक घनिष्ठ होगें और हम इसके साक्षी बनेंगे। उन्होंने ईरान और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समानताओं की सराहना करते हुए दोनों देशों से 'सभी क्षेत्रों' में सहयोग तथा संबंधों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। श्री जरदारी ने पाकिस्तान और ईरान के बीच अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद, तेहरान के साथ द्विपक्षीय संबंधों का और विस्तार देने के लिए दृढ़ संकल्पत है। आशा है कि ईरान के साथ पाकिस्तान के आर्थिक संबंध मौजूदा बाधाओं को के समाधान के साथ गहरे होंगे। अब्दुल्लाहियन ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री को ईरान आने का न्यौता दिया।

हिजाब नियमों का पालन नहीं करने पर तालिबान ने स्कूल किया बंद

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार ने बल्ख प्रांत में एक स्कूल को कई दिनों के लिए केवल इसलिए बंद रखा क्योंकि कुछ छात्राओं ने अपने चेहरे के कवर (हिजाब) को हटा दिया था। ह्यूमन राइट वॉच की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी जिसे बुधवार को जारी किया गया। रिपोर्ट में कहा गया,बल्ख और अन्य जगहों पर खुले स्कूलों को कठोर ड्रेस कोड का पालन करने से इनकार करने पर बंद करने की धमकी दी गई है। तालिबान ने बल्ख के एक स्कूल को कई दिनों के लिए बंद कर दिया, क्योंकि कुछ छात्राओं ने अपने चेहरे को खुला रखा था। रिपोर्ट के अनुसार स्कूल के एक अधिकारी ने तालिबान के एक अधिकारी से एक आवाज संदेश साझा किया जिसमें मांग की गई थी कि एक प्रिंसिपल ने एक शिक्षिका को उसकी 'बेवकूफ' पोशाक के लिए नौकरी से निकाल दिया जिसे तुरंत बहाल किया जाय। अनिवार्य मुस्लिम हेडस्कार्फ़ के बारे में एक शिक्षक ने कहा,हिजाब को लेकर आवश्यकताएं दिन-ब-दिन कठिन होती जा रही हैं। शिक्षक ने कहा कि यदि कोई छात्र या शिक्षक तालिबान के सख्त नियमों का पालन नहीं करता है तो शिक्षक को बर्खास्त कर दिया जाता है और छात्र को इस विषय पर चर्चा किए बिना निष्कासित कर दिया जाता है। शिक्षक ने कहा, उनके पास रिकॉर्ड करने और रिपोर्ट करने के लिए जासूस हैं। अगर छात्र या शिक्षक अपने सख्त हिजाब नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो बिना किसी चर्चा के वे शिक्षकों को निकाल देते हैं और छात्रों को निष्कासित कर देते हैं। एचआरडब्ल्यू की रिपोर्ट में कहा गया है कि शिक्षिका ने अपने स्कूल की एसेंबली की एक तस्वीर साझा की। इसमें छात्रों और शिक्षकों सभी ने वर्दी पहनी थी जिससे केवल उनकी आंखें दिख रही थीं। एक छात्रा ने कहा कि तालिबान का ताजा आदेश था ढीली बाजू पहनना लेकिन कलाई पर पिन लगाना।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्ट्यूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है।

खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

➲ **लागत:** इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

➲ **हैंड्स:** हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

➲ **योग्यता:** ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

➲ **कोर्स की अवधि:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थान

ज्वेलरी मेकिंग का प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम व पते इस प्रकार हैं-

रत्न परीक्षण प्रयोगशाला: राजस्थान चेंबर भवन, द्वितीय तल, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर-302003,

रत्न भारतीय हीरा संस्थान: कैटरम गिड्स, पोस्ट बॉक्स नं-508, सुमुल डेयरी रोड, सूरत-395008, गुजरात

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धक परिषद: डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मार्ग, मुंबई

भारत रत्न विज्ञान केंद्र: झंडेवालान, नई दिल्ली,

भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान: नई दिल्ली

दिल्ली जैम एंड ज्वेलरी इंस्टीटयूट: नई दिल्ली

➲ **शुल्क:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्स का शुल्क प्रशिक्षण अवधि, कोर्स और संस्थान पर निर्भर करता है। इस काम को सिखाने वाले संस्थान 10 हजार रुपए से दो लाख रुपए तक चार्ज करते हैं। जो संस्थान सिर्फ टांका आदि लगाना सिखाते हैं, वे एक हजार से पांच हजार तक वसूलते हैं।

➲ **आमदनी:** ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्ट्यूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

➲ **लोन:** ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

शांत रहें व दूसरों को भी सहज रखें

आपको न केवल स्वयं को शांत व सहज रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी आरामदेह महसूस करवाना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए आने वाले दिन की राह नहीं देखनी, बल्कि इस पर आज से ही काम शुरू कर देना है। आपको बड़े-से-बड़ा बनने का सपना देखना चाहिए। सफल व असफल लोगों में सबसे बड़ा अंतर एक ही होता है, वह है उनकी दृढ़ता। हमेशा ऊंचाई पर व प्रसन्नचित्त रहने का एक तरीका यह भी है कि व्यक्ति वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो। जीवन में कई पहलू होते हैं जैसे परिवार, व्यवसाय व सामाजिक जीवन आदि।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्रायः हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवतः कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- "मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए। ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते।

उंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें...

गुरु-मंत्र: कम्युनिकेशन पर दें ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए।

पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है। दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है। इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें।

CMYK CMYK CMYK CMYK